



### संक्षिप्त समाचार

## राहुल गांधी की गतिविधियों पर राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से हो निष्पक्ष निगरानी : डॉ. संतोष कुमार सुमन

**पटना**।हिन्दुस्तानी अवाग मोर्चा से. के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार सरकार के लघु जल संसाधन मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन ने कहा कि राहुल गांधी लगातार संवैधानिक संस्थाओं और चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाकर उनकी विश्वसनीयता को चुनौती दे रहे हैं। लोकतंत्र में विपक्ष को सवाल पूछने का अधिकार है, लेकिन इन सवालों के साथ तथ्यों और प्रमाणों की जिम्मेदारी भी जुड़ी है। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत द्वारा मल्लिकार्जुन खड्गे और राहुल गांधी को लिखे पत्र का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्य न्यायाधीश ने लंबित मामलों पर प्रशासनिक स्तर पर चर्चा करने के बजाय उचित न्यायिक प्रक्रिया अपनाने की हदियायत दी है। यह स्पष्ट संदेश है कि संवैधानिक व्यवस्था में हर मुद्दे के समाधान के लिए निर्धारित प्रक्रिया का पालन आवश्यक है। डॉ. सुमन ने सवाल किया कि राहुल गांधी चुनावी प्रक्रिया पर गंभीर आरोप लगाने के बाद उन्हें निर्णायक प्रमाणों के साथ उचित मंच पर प्रस्तुत क्यों नहीं करते? संवैधानिक संस्थाओं पर लगातार सवाल उठाना आसान है, लेकिन तथ्यों के आधार पर आरोपों को साबित करना भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेशी हस्तक्षेप से जुड़े किसी भी विश्वसनीय इनपुट की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। हालांकि, किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई राजनीतिक आरोपों के आधार पर नहीं, बल्कि ठोस साक्ष्यों और कानून के अनुसार होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत की संप्रभुता, राष्ट्रीय सुरक्षा और संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा से कोई समझौता नहीं हो सकता। सरकार और संबंधित एजेंसियों को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी विश्वसनीय सूचनाओं पर गंभीरता से कार्रवाई करनी चाहिए। लोकतंत्र में असहमति का सम्मान जरूरी है, लेकिन देशहित से जुड़े सवालों पर जिम्मेदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही भी उतनी ही अनिवार्य है।

## विधान परिषद चुनाव में भाजपा को राष्ट्रीय सहयोग पार्टी का बिना शर्त समर्थन

**पटना**। राष्ट्रीय सहयोग पार्टी ने आगामी बिहार विधान परिषद चुनाव में एनडीए समर्थित भारतीय जनता पार्टी के सभी प्रत्याशियों को बिना शर्त समर्थन देने की आधिकारिक घोषणा की है। पार्टी ने यह महत्वपूर्ण निर्णय राष्ट्रहित, बिहार के सर्वांगीण विकास तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के महासंकल्प को साकार करने के उद्देश्य से लिया है।इस संबंध में भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता राजीव रंजन ने एनडीए के सभी प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय सहयोग पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अशोक वर्मा से समर्थन की पहल की, जिसे पार्टी ने सहर्ष स्वीकार किया। इसके पश्चात, राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अशोक वर्मा एवं बिहार प्रदेश अध्यक्ष प्रो. अखिलेश कुमार सिंह ने भाजपा के बिहार प्रदेश अध्यक्ष श्री संजय सरावगी से व्यक्तिगत मुलाकात कर उन्हें औपचारिक समर्थन पत्र सौंपा। संजय सरावगी ने समर्थन पत्र स्वीकार करते हुए इस पहल का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि विधान परिषद चुनाव में एक-एक वोट अत्यंत महत्वपूर्ण है और बिहार के समग्र विकास के लिए इस प्रकार का आपसी सहयोग आवश्यक है। इस अवसर पर डॉ. अशोक वर्मा ने कहा कि विकास, सुसाधन और राष्ट्रहित के साझा उद्देश्यों की पूर्ति के लिए राष्ट्रीय सहयोग पार्टी भाजपा के सभी प्रत्याशियों के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। डॉ. वर्मा ने घोषणा की कि राष्ट्रीय सहयोग पार्टी के सभी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं सहयोगी भाजपा प्रत्याशियों की जीत सुनिश्चित करने के लिए पूरी निष्ठा और सक्रियता के साथ जनसंपर्क अभियान चलाएंगे। जमीनी स्तर पर बेहतर चुनावी तालमेल स्थापित करते हुए पार्टी के कार्यकर्ता भाजपा संगठन एवं संबंधित प्रत्याशियों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करेंगे।

## पटना स्नातक विधान परिषद चुनाव के लिए प्रचार,लिस्ट में ललन सिंह नहीं

**पटना**। बिहार विधान परिषद के चुनाव को लेकर जदयू प्रत्याशी के लिए प्रचार में स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार का साथ मिला है। प्रचार में शामिल नेताओं की लिस्ट में ललन सिंह का नाम नहीं आया। जब नीरज कुमार से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, जिन्होंने सहमति दी है, उनके नाम है। लिस्ट जदयू ऑफिस से बनकर आई है। पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में जदयू ने एक बार फिर अपने विधान पार्षद नीरज कुमार पर भरोसा जताया है। वह चौथी बार इस सीट से चुनावी मैदान में हैं। निशांत कुमार, डिप्टी सीएम विजय चौधरी, बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी जैसे बड़े नेता उनके लिए प्रचार करेंगे। ललन सिंह का नाम सूची में नहीं होने को इसलिए भी अहम माना जा रहा है, क्योंकि नीरज कुमार और अनंत सिंह के बीच विवाद को सुलझाने की जिम्मेदारी केंद्रीय मंत्री को ही दी गई थी। प्रचार सूची से ललन सिंह का नाम गायब होने के सवाल पर नीरज कुमार ने सफाई दी है। उन्होंने कहा, प्रचार कार्यक्रम की सूची मैंने खुद तैयार नहीं की है, बल्कि इसे जदयू कार्यालय की ओर से बनाया गया है। जब उससे पूछा गया कि ललन सिंह उसी इलाके के सांसद हैं, जहां उन्हें स्नातक मतदाताओं से वोट मांगना है, इसके बावजूद उनका नाम सूची में क्यों नहीं है,तो नीरज कुमार ने बाढ़ के विधायक डॉ. सियाराम सिंह का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि संबंधित इलाके में विधायक भी हैं।

# एसआईआर की प्रक्रिया मतदाता सूची का शुद्धिकरण : शिक्षा मंत्री

नई सोच एक्सप्रेस

**पटना**।शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) लोकतंत्र को मजबूत करने और मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने की आवश्यक प्रक्रिया है। मतदाता सूची में मृत, स्थायी रूप से स्थानांतरित, अनुपस्थित और दोहरे पंजीकरण वाले मतदाताओं की पहचान करना तत्ता छूट हुए पात्र नागरिकों के नाम जोड़ना देशहित और निष्पक्ष चुनाव के लिए जरूरी है। एसआईआर से जुड़े आंकड़ों का हवाला देते हुए शिक्षा मंत्री ने बताया कि देश के लगभग 95 करोड़ मतदाताओं में से 82 करोड़ यानी करीब 88 फीसदी मतदाताओं ने गणना प्रपत्र भरकर अपनी जानकारी दर्ज कराई है। इनमें सात बार केंद्र में कांग्रेस

» चुनाव पारदर्शी एवं विश्वसनीय हो, यह देश की आवाज है

» अबतक आठ बार एसआईआर, सात कांग्रेस सरकार ने कराए

करोड़ मृत वोटों और 1.01 करोड़ दोहरे पंजीकरण वाले मतदाताओं की पहचान की गई। वहीं, दो करोड़ से अधिक लोगों ने फॉर्म-6 के माध्यम से मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करने के लिए आवेदन किया। श्री तिवारी ने कहा कि अबतक आठ बार, 1952-56,1957, 1961,1965-66, 1983-84, 1987-89, 1992-95 और 2002-04 में एसआईआर हो चुका है। इनमें सात बार केंद्र में कांग्रेस की सरकार रही है। इसके अलावा

# पी0एम0सी0एच0 में अब एक साथ 2500 बेड पर मरीजों का आधुनिक चिकित्सकीय सुविधाओं के साथ होगा इलाज : मुख्यमंत्री

नई सोच एक्सप्रेस

**पटना**।मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को पटना चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल (पी०एम०सी०एच०) पुनर्विकास योजना (फेज-1) के अंतर्गत नवनिर्मित अस्पताल भवन टावर-3 का शिलापट्ट का अनावरण कर उद्घाटन किया। उद्घाटन के पश्चात् मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित भवन का निरीक्षण किया तथा वहां उपलब्ध कराई गई आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं, चिकित्सकीय सेवाओं एवं अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को टावर-3 के भूतल पर किचन एवं कांटेटर के माध्यम से ओपी०डी० मरीजों के पंजीकरण की प्रक्रिया, अल्पाहार गृह की व्यवस्था तथा पी०एम०सी०एच० पुनर्विकास योजना के तहत अब तक पूर्ण कराए गए कार्यों और निर्माणाधीन कार्यों की प्रगति से अवगत कराया।



मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित टावर-3 के पांचवें तल पर पहुंचकर पीडियाट्रिक इंटींसिव केयर यूनिट वार्ड (पीकू) का फीता काटकर उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने प्रतीक्षालय, स्त्री रोग एवं प्रसूति आई०सी०यू०, पीकू, नर्स स्टेशन, चिकित्सा कक्ष, उपचार कक्ष तथा प्रसवोत्तर वार्ड का निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने टावर-3 के छठे तल पर स्थित माइंड्यूलर ऑपरेशन थिएटर (ओ०टी०)-22 का भी

निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न शल्य चिकित्सा कक्षों, स्त्री रोग से संबंधित ऑपरेशन थिएटर तथा अन्य चिकित्सकीय इकाइयों में उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने प्रथम तल पर स्थित रेडियोलॉजी विभाग का भी जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि अस्पताल के विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए मरीजों के उपचार की व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जाए।

## मुख्यमंत्री ने स्व0 डॉ0 राम मनोहर लोहिया जी की पुण्य तिथि के अवसर पर उनकी आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी

नई सोच एक्सप्रेस

**पटना**।महान समाजवादी नेता स्व० डॉ० राम मनोहर लोहिया जी की पुण्य तिथि के अवसर पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने उनकी आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजेंद्र प्रसाद यादव, ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, सहकारिता मंत्री राम कुल्लु यादव, विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री शीला कुमारी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह विधायक संजय सरावगी, विधायक श्याम रजक, विधायक संजय कुमार, विधान पार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ



गांधीजी, बिहार राज्य किसान

आयोग के अध्यक्ष श्री रूप नारायण मेहता, पूर्व विधायक सतीश कुमार, पूर्व विधान पार्षद कुमुद वर्मा, मुख्यमंत्री के सचिव लोकेश कुमार सिंह, पुलिस महानिरीक्षक पटना प्रक्षेत्रजितेंद्र राणा, जिलाधिकारी श्री कुंदन कुमार, वरीय पुलिस अधीक्षक श्री कार्तिकेय के० शर्मा सहित अनेक सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ताओं एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी स्व० डॉ० राम मनोहर लोहिया जी की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग के कलाकारों द्वारा आरती-पूजन, राष्ट्रीय गीत, राष्ट्र गान, बिहार गीत एवं देश भक्ति गीतों का गायन भी किया गया।

## मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित 1,60,201 परिवारों के खातों में 112.14 करोड़ रुपये की राहत राशि की अंतरित

नई सोच एक्सप्रेस

**पटना**।मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने द्वितीय चरण में 1 लाख 60 हजार 201 बाढ़ पीड़ित परिवारों को अनुग्रहिक अनुदान वितरण के तहत उनके बैंक खातों में 7 हजार रुपये प्रति परिवार की दर से 112.14 करोड़ रुपये की राशि डी०बी०टी० के माध्यम से हस्तांतरित की। प्रथम चरण में 15 सितंबर 2026 को 8 लाख 77 हजार 190 परिवारों के बैंक खातों में 7 हजार रुपये प्रति परिवार की दर से 614.03 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की गयी थी। अब तक कुल 10 लाख 37 हजार 391 बाढ़ पीड़ित परिवारों के खाते में 726.17 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की गयी है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी के विकास कार्यों से लोगों का ध्यान भटकया जा सके। चूंकि अगले वर्ष यूपी में भी चुनाव है, इसलिए परिवारवाद की प्रतीक कांग्रेस इस तरह का दुष्प्रचार कर रही है। उसे करारी हार का भय सता



खातों में 7 हजार रुपये प्रति परिवार की दर से 112.14 करोड़ रुपये की राशि डी०बी०टी० के माध्यम से हस्तांतरित की गयी है। पहले चरण में 8,77,190 बाढ़ प्रभावित परिवारों को प्रति परिवार 7 हजार रुपये की दर से अनुग्रह अनुदान की राशि उपलब्ध कराई गई थी। उन्होंने कहा

कि बाढ़ के दौरान संबंधित विभाग के लोगों एवं प्रशासन के द्वारा राहत एवं बचाव कार्य को बेहतर ढंग से किया गया। सभी जिलाधिकारी यह सुनिश्चित करें कि राहत सहायता से जो परिवार वंचित रह गए हैं उन पात्र परिवारों को भी चिह्नित कर इस प्रक्रिया में शामिल किया जाए,

» 14 अक्टूबर को फसल क्षति के लिये किसानों को मिलेगा कृषि इनपुट अनुदान :- मुख्यमंत्री

ताकि कोई भी पात्र परिवार सरकारी सहायता से वंचित न रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ प्रभावित किसानों को फसल क्षति हेतु कृषि इनपुट अनुदान की राशि 14 अक्टूबर को, दशहरा से पहले, उपलब्ध करा दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बाढ़ से क्षतिग्रस्त सड़कों तथा अन्य आधारभूत संरचनाओं की मरम्मत और पुनर्स्थापन का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जाए और इसे दीर्घवर्ती से पहले पूरा करना सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम लोगों को आवागमन एवं दैनिक गतिविधियों में परेशानी न हो।

## भारत का समुद्री भविष्य युवाओं द्वारा लिखा जाएगा : सोनवाल

नई सोच एक्सप्रेस

**पटना**।केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सबानंद सोनोवाल ने सागरमंथन द ग्रेट ओशनस डायलॉग 2026 के दूसरे दिन सऊदी अरब, बेल्लिजियम और भूटान के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। इस सम्मेलन के माध्यम से भारत की समुद्री साझेदारी को खाड़ी, यूरोप और पड़ोसी देशों तक विस्तारित किया गया। उन्होंने भारत की समुद्री यात्रा के केंद्र में युवाओं और महिलाओं को रखा। सऊदी बंदरगाह प्राधिकरण (सवानी) के प्रतिनिधिमंडल के साथ सबानंद सोनोवाल ने वधावन और गलाथिया खाड़ी जैसी भारतीय बंदरगाह परियोजनाओं में सऊदी अरब की भागीदारी पर चर्चा की। दोनों पक्षों ने जहाज निर्माण, नाविक प्रशिक्षण और सुदृढ़ आपूर्ति श्रृंखलाओं में सहयोग पर भी चर्चा की। सऊदी अरब ने भारत की बंदरगाह परियोजनाओं और समुद्री विकास को (एमडीएफ) शांनु ठाकुर ने सागरमंथन 2026

में निवेश करने में रुचि व्यक्त की।सबानंद सोनोवाल ने कहा कि भारत का समुद्री भविष्य युवाओं द्वारा लिखा जाएगा । उन्होंने कहा कि आज हमारे नाविकों पर हर महासागर में भरोसा किया जाता है और पहले से कहीं अधिक महिलाएं समुद्री क्षेत्र में करियर चुन रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में हम कोशल, संस्थान और अवसर विकसित कर रहे हैं ताकि समुद्र में करियर बनाने का सपना देखने वाला हर युवा भारतीय को विश्व की समुद्री अर्थव्यवस्था का नेतृत्व करने में योगदान दे सके। दूसरे दिन वैश्विक व्यापार अवरोधों को सुरक्षित करने समुद्री मंच पर ग्लोबल साउथ की भूमिका, समुद्री क्षेत्र में एआई, हरित बंदरगाह, समुद्री भविष्य में समानता, ब्रिक्स+ कनेक्टिविटी और हरित जहाज निर्माण पर भी पूर्ण सत्र आयोजित किए गए। केंद्रीय लोक परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री शांनु ठाकुर ने सागरमंथन 2026

# ‘बिहार मतदान से लोकतंत्र तक’ पुस्तक का लोकार्पण



नई सोच एक्सप्रेस

**पटना**।जितेन्द्र कुमार सिन्हा द्वारा लिखित पुस्तक ‘बिहार मतदान से लोकतंत्र तक’ का लोकार्पण विशाल आदित्य अपार्टमेंट में महालेखाकार बिहार के सेवानिवृत्त सीनियर अकाउंट्स ऑफिसर शशिभूषण प्रसाद ने किया। उन्होंने पुस्तक को बिहार के राजनीतिक इतिहास को समझने के लिए उपयोगी संदर्भ ग्रंथ बताया। पुस्तक में 1952 के प्रथम विधानसभा चुनाव से लेकर 2025 तक के विधानसभा चुनावों का क्रमबद्ध एवं विश्लेषणात्मक विवरण प्रस्तुत किया गया है। इसमें

बिहार के राज्यपालों, मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों के कार्यकाल के साथ राज्य की राजनीतिक यात्रा, सामाजिक बदलाव और लोकतांत्रिक विकास की जानकारी दी गई है। सरल भाषा और तथ्यपरक प्रस्तुति वाली यह पुस्तक विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं, पत्रकारों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वालों के लिए उपयोगी है। समारोह में प्रोफेसर अमित सिन्हा, धर्मेश कुमार, धीरज, अभियंता प्रशांत कुमार सिन्हा, शिवम राणा, संजय कुमार सिन्हा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। लोगों ने लेखक को बधाई देते हुए पुस्तक की सराहना की।

## मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग पर दिल्ली में बिहार से बड़ी संख्या में कांग्रेसजन हुए शामिल

नई सोच एक्सप्रेस

**पटना**।मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस पार्टी द्वारा आज दिल्ली में सुप्रीम कोर्ट मार्च के तहत आयोजित धरना-प्रदर्शन में बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम के अगुवाई में बिहार के कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इस दौरान कांग्रेसजनों ने लोकतंत्र की रक्षा, चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता और निर्वाचन आयोग की जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग को प्रमुखता से उठाया। प्रदर्शन में बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम , सांसद डॉ अखिलेश सिंह , मनोज राम , डॉ जावेद, कोषाध्यक्ष जितेंद्र गुप्ता, अनुशासन समिति के अध्यक्ष कपिलदेव प्रसाद यादव तथा मीडिया एवं प्रचार विभाग के चेयरमैन डॉ. अजय कुमार पासवान सहित विधायक, प्रदेश पदाधिकारी, विभिन्न जिलों के अध्यक्ष और बड़ी संख्या में



» कांग्रेस प्रवक्ता अमर आजाद पासवान अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ नई दिल्ली पहुंचे

का रकफ के माध्यम से वोट काटा गया है वोट चोरी की गई है। जबतक ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देते राहुल गाँधी के साथ हमलोग आंदोलन करते रहेंगे। नई दिल्ली आंदोलन में बिहार से प्रदेश राजेश कुमार, सांसद पप्पू यादव अमर आजाद पासवान, मनोी यादव, रंजीत पंडित, आजाद चाँद, विधायक मनोज विश्वास धर्मपाल,जेपी यादव समेत हजारों लोग शामिल हुए।

## बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम ने 01 करोड़ रुपये का चेक मुख्यमंत्री राहत कोष के लिये मुख्यमंत्री को सौंपा



नई सोच एक्सप्रेस

» मुख्यमंत्री ने जताया आभार

**पटना**।बिहार में आई बाढ़ के मद्देनजर प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम ने ०1 करोड़ रुपये का चेक मुख्यमंत्री राहत कोष के लिये मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को लोक सेवक आवास स्थित ‘संकल्प’ सभागार में सौंपा। मुख्यमंत्री ने इस सहयोग के लिये बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम का आभार व्यक्त

किया और कहा कि यह राशि राज्य में आपदा एवं कठिन परिस्थितियों के समय जरूरतमंद लोगों की मदद में काम आएगी। इस अवसर पर पर्यटन मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता, पर्यटन विभाग के सचिव लोकेश कुमार सिंह, बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम के प्रबंध निदेशक नंदकिशोर, पर्यटन विभाग के विशेष सचिव प्रदीप सिंह उपस्थित थे।



संक्षिप्त समाचार

एससी-एसटी के 51,489 मुकदमे लंबित, सरकार से मांगा जवाब

**फतुहा।** बिहार की अदालतों में एससी-एसटी अधिनियम के 51,489 मुकदमे लंबित होने पर भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने चिंता जताई है। उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए ठोस कार्ययोजना बनाने की मांग की। डॉ. पटेल ने कहा कि कानून का निष्पक्ष इस्तेमाल होना चाहिए। निर्दोषों को झूठे आरोपों में परेशान नहीं किया जाए और वास्तविक पीड़ितों को समय पर न्याय मिले। उन्होंने पुलिस अनुसंधान में सुधार, फरार आरोपियों की गिरफ्तारी और लंबित मामलों की नियमित समीक्षा पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार को न्याय में देरी दूर करने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए।

पुलों के ध्वस्त होने पर भाजपा नेताओं की चुप्पी क्यों: डॉ. पटेल

**फतुहा।** बिहार में पुलों के ध्वस्त होने और सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर उठ रहे सवालों को लेकर भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने अपनी ही सरकार के कामकाज पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई और पारदर्शी शासन की बात करते हैं, लेकिन बिहार में ऐसे मामलों पर पार्टी के जनप्रतिनिधियों की चुप्पी चिंताजनक है। डॉ. पटेल ने सवाल किया कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद पुलों के क्षतिग्रस्त होने पर जिम्मेदारी कौन तय करेगा? उन्होंने सांसदों, विधायकों, मंत्रियों और संगठन के पदाधिकारियों से जनता के हित में आवाज उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में अनियमितता या लापरवाही के प्रमाण मिलने पर निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। अपनी सरकार की कमियों पर सवाल उठाना विरोध नहीं, बल्कि जनता के प्रति जवाबदेही है। उन्होंने भाजपा नेतृत्व से निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और सरकारी धन के इस्तेमाल की समीक्षा कराने की मांग की।

अमिताभ बच्चन के जन्मदिन पर जीकेसी ने आयोजित किया सांस्कृतिक समारोह

**पटना।** ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस (जीकेसी) की कला-संस्कृति इकाई की ओर से सदी के महानायक अमिताभ बच्चन के जन्मदिन पर भव्य सांस्कृतिक समारोह आयोजित किया गया। इसमें देश के विभिन्न शहरों से जुड़े कलाकारों ने गायन और वादन की आकर्षक प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। जीकेसी के ग्लोबल अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि अमिताभ बच्चन ने अपनी अभिनय प्रतिभा, मेहनत और अनुशासन से भारतीय सिनेमा में विशिष्ट पहचान बनाई है। उनका जीवन और फिल्मी सफर युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है। मैनेजिंग ट्रस्टी रागिनी रंजन ने कहा कि ऐसे आयोजन कलाकारों को मंच देने के साथ कला-संस्कृति और सामाजिक एकजुटता को बढ़ावा देते हैं। कार्यक्रम में मुंबई की शांतिनी बैग्री, मुम्बालिनी अखौरी और जुबिन सिन्हा, पटना के कुमार संभव, स्तुति श्रीवास्तव और आशीष कुमार सहित अन्य कलाकारों ने गीत-संगीत की प्रस्तुति दी। भोपाल के अभिषेक माथुर ने माउण्ड आर्गन और जयपुर के यश माथुर ने गायन से दर्शकों का मनोरंजन किया। तनिका श्रीवास्तव ने गिटार वादन किया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को दो समूहों में बांटकर प्रतियोगिता भी कराई गई, जिसमें दोनों टीमें बराबरी पर रहीं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में कला-संस्कृति प्रकोष्ठ के ग्लोबल महासचिव पवन सक्सेना और राष्ट्रीय महासचिव शिवानी गौड़ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मौके पर प्रेम कुमार, डॉ. रंजन कुमार, दीपक अभिषेक, नवीन कुमार, निलेश रंजन, मुकेश महान, अनिल कुमार दास और संजीव श्रीवास्तव सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पटना यूनिवर्सिटी का स्थापना दिवस समारोह में 12 मेधावियों को मिला गोल्ड मेडल

**पटना।** पटना यूनिवर्सिटी के 109वें स्थापना दिवस को लेकर आज सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जयप्रकाश नारायण अनुसद भवन (सीनेट हॉल) में कार्यक्रम हुआ। समारोह में 12 मेधावी विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि और उच्च शिक्षा मंत्री संजय कुमार टाडगर ने मेधावी स्टूडेंट्स को सम्मानित किया। समारोह में अंग्रेजी विभाग के सेवानिवृत्त शिक्षक प्रो. शिवजतन ठाकुर बतौर सम्मानित अतिथि शामिल हुए। बिहार पुलिस के पूर्व महानिदेशक विनय कुमार विशिष्ट पूर्ववर्ती छात्र के रूप में कार्यक्रम में भाग लिया। वहीं, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजय कुमार सिंह समारोह की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों और विद्यार्थियों की मौजूदगी रही। स्थापना दिवस समारोह में विभिन्न पाठ्यक्रमों के 12 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल देकर उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों को सम्मानित किया गया। इनमें यूजी वोकेशनल, सेल्फ फाइनेंस, बीएड, एडप्लेबल और फाइन आर्ट्स के मेधावी विद्यार्थियों शामिल थे। इस मौके पर मुख्य सूचना आयुक्त विनय कुमार ने कहा कि मैं पटना यूनिवर्सिटी का पूर्व छात्र रहा हूँ और इसका बखान मैंने अपने पिताजी से सुना था। पटना यूनिवर्सिटी को देखने के लिए मैं अपने गृह जिले वैशाली से पटना अपने पिता के साथ साइकिल पर आया था। क्योंकि उस वक्त पटना आना इतना आसान नहीं होता था। कभी-कभी पूरा दिन लग जाता था। उन्होंने बताया, कि जब वे पटना यूनिवर्सिटी आया तो इसके कॉलेज को देखा। मेरे पिता ने मुझे सपना दिखाया कि मुझे यहां पढ़ना है। कुछ दिन बाद मैंने पटना साइंस कॉलेज में एडमिशन लिया। आज मैं जहां भी जाता हूँ, वहां पटना यूनिवर्सिटी का बखान करना नहीं भूलता।

करंट लगने से हुई मौतों पर बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने जताया गहरा शोक

**पटना।** पश्चिमी चंपारण के बगहा क्षेत्र में दुर्गा पूजा के पावन अवसर पर कलश स्थापना के लिए नदी से पवित्र जल लेने गए लोगों की करंट लगने से हुई दर्दनाक मौत की घटना अत्यंत हृदयविदारक और दुर्भाग्यपूर्ण है। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम ने इस हादसे पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए शोकाकुल परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट की हैं। राजेश राम ने कहा कि जिस समय पूरा देश मां दुर्गा की आराधना, आस्था और उत्सव में डूबा हुआ है, उस समय कई परिवारों के घरों में खुशियों की जगह मातम पसरा हुआ है। जिन परिवारों को पर्व की खुशियां मनानी थीं, वे आज अपने प्रियजनों को खोने के असहनीय दर्द से गुजर रहे हैं। यह केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक जिम्मेदारी से जुड़े गंभीर सवाल भी खड़े करती है। बिहार में बाढ़ और जलजमाव की समस्या हर वर्ष लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित करती है। इसके बावजूद सवाल उठता है कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त और प्रभावी इंतजाम क्यों नहीं किए जाते? नदी और आसपास के जलभराव वाले क्षेत्रों में बिजली का करंट कैसे पहुंचे? क्या बिजली के तारों, विद्युत उपकरणों और सुरक्षा व्यवस्था की समय रहते जांच की गई थी? क्या संबंधित विभागों और स्थानीय प्रशासन ने संभावित खतरे को लेकर आवश्यक सावधानियां बरती थीं? प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी केवल आपदा के बाद मुआवजे की घोषणा करना नहीं, बल्कि समय रहते इस घटना की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और यदि किसी स्तर पर लापरवाही सामने आती है, तो जिम्मेदारी अधिकारियों एवं संबंधित लोगों के विरुद्ध उचित कार्रवाई की जानी चाहिए।

श्री अनिरुद्धाचार्य जी महाराज ने किया बाकरगंज में हनी ज्वेलरी का भव्य शुभारंभ

नई सोच एक्सप्रेस

**पटना।**आभूषण कारोबार में विश्वसनीय हनी ज्वेलरी ने राजधानी पटना के बाकरगंज स्थित स्वर्णिम पैलेस, बारीपथ में अपने नए छह मंजिला शोरूम का भव्य शुभारंभ किया। परम पुज्य डॉ. श्री अनिरुद्धाचार्य जी महाराज, विनंदेश्वरी प्रसाद वर्मा व सुमित वर्मा के करकमलों से शोरूम का उद्घाटन संपन्न हुआ। इस अवसर पर हनी ज्वेलरी से स्वता रानी, आयुष कुमार व कुमार आशीष सहित शहर के गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। नए प्रतिष्ठान के शुभारंभ के उपलक्ष्य में 12, 13 एवं 14 अक्टूबर तक हर खरीदारी पर विशेष उपहार दिया जा रहा है। इस दौरान हिरों के आभूषणों पर शून्य मेकिंग चार्ज तथा सोने के आभूषणों पर मात्र 4.50 प्रतिशत से मेकिंग चार्ज की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। प्रत्येक खरीदारी पर मुफ्त डिस्काउंट कूपन दिए जाएंगे। इसके अतिरिक्त 2.99 लाख रुपये



से अधिक की खरीदारी पर 24 कैरेट सोने का सिक्का उपहार स्वरूप दिया जाएगा। इस अवसर पर हनी ज्वेलरी के सुमित वर्मा व कुमार आशीष ने कहा कि हनी ज्वेलरी ग्राहकों के विश्वास और दीर्घकालिक संबंधों को अपने व्यवसाय का आधार मानती है। पटना में रिटेल एवं होलसेल कारोबार के लिए विकसित यह नया प्रतिष्ठान कंपनी की विस्तार योजनाओं की दिशा में एक महत्वपूर्ण

कदम है। उन्होंने बताया कि ग्राहकों की बदलती पसंद को ध्यान में रखते हुए पारंपरिक एवं आधुनिक आभूषणों का विस्तृत संग्रह तैयार किया गया है। साथ ही सोने एवं चांदी की प्रतियस्पर्धी दरों तथा पारदर्शी खरीदारी व्यवस्था पर भी विशेष जोर दिया गया है। हनी ज्वेलरी के इस नए शोरूम की सबसे बड़ी विशेषता इसका रिटेल और होलसेल कारोबार के लिए अलग-अलग विकसित

स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत मुख्यालय हाजीपुर में, “स्वच्छता किसकी जिम्मेदारी” विषय पर नुककड़ नाटक का आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

**पटना।**स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आज दिनांक 12 अक्टूबर, 2026 को मुख्यालय, हाजीपुर में यात्रिक विभाग (पर्यावरण एवं गृह व्यवस्था विभाग), पूर्व मध्य रेल, हाजीपुर के द्वारा नुककड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सोनपुर मंडल की स्काउट्स टीम ने “स्वच्छता किसकी जिम्मेदारी” विषय पर नुककड़ नाटक प्रस्तुत कर स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया। इस नुककड़ नाटक की प्रस्तुति के समय महाप्रबंधक, डिम्पी गर्ग, अपर महाप्रबंधक, अमरेंद्र कुमार, प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर, अतुल प्रियदर्शी सहित प्रमुख विभागाध्यक्ष एवं अन्य अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित थे तथा उत्सुकता के



साथ नुककड़ नाटक को देखा तथा प्रस्तुति की सराहना की। नुककड़ नाटक के माध्यम से कलाकारों ने यह संदेश दिया कि स्वच्छता केवल किसी एक व्यक्ति या विभाग की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक एवं रेलकर्मों का सामूहिक दायित्व है। महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग ने टीम को इस नुककड़ नाटक का एक संक्षिप्त वीडियो तैयार करने का निर्देश दिया, ताकि इसे पूर्व मध्य

रेल के स्टेशनों पर प्रदर्शित कर यात्रियों एवं आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा सके। उन्होंने टीम को पूर्व मध्य रेल के स्टेशनों पर भी इस नुककड़ नाटक का मंचन करने के लिए प्रेरित किया। इस पहल का उद्देश्य स्वच्छता के संदेश को व्यापक स्तर पर प्रसारित करना तथा रेलकर्मियों एवं यात्रियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता और सहभागिता को बढ़ावा देना है।

हिंदी फिल्म तुम मेरे हो के प्रमोशन के लिए पटना पहुंचे गुरमीत चौधरी और ईशा मालवीय

नई सोच एक्सप्रेस

**पटना।**बॉलीवुड अभिनेता गुरमीत चौधरी और अभिनेत्री ईशा मालवीय अपनी आगामी हिंदी फिल्म ‘तुम मेरे हो’ के प्रमोशन के लिए पटना पहुंचे। इस मौके पर फिल्म की निर्माता आरती सिंह और देबिना बनर्जी भी मौजूद रही। फिल्म 23 अक्टूबर 2026 को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। पटना पहुंचने के बाद फिल्म की टीम ने प्रेस कॉन्फेंस और आम लोगों से मुलाकात की। कलाकारों ने शहर के स्थानीय बाजारों का भी दौरा किया और लोगों से जुड़कर फिल्म का प्रचार किया। टीम की इस यात्रा को लेकर प्रशंसकों में ख़ासा उत्साह देखने को मिला। अभिनेता गुरमीत चौधरी ने कहा कि पटना आना मेरे लिए



हमेशा ख़ास होता है। बिहार से मेरा बचपनात्मक जुड़ाव है और यहां के लोगों का प्यार मुझे हमेशा प्रेरित

» 23 अक्टूबर को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी फिल्म

करता है। अपनी फिल्म ‘तुम मेरे हो’ के प्रमोशन की शुरुआत पटना से करना मेरे लिए बेहद खुशी की बात है। उम्मीद है कि दर्शकों को हमारी फिल्म पसंद आएगी और वे 23 अक्टूबर को सिनेमाघरों में इसे देखने जरूर पहुंचेंगे। अभिनेत्री ईशा मालवीय ने कहा कि पटना आकर यहां के लोगों से मिलना

किया गया स्वरूप है। छह मंजिला इस भवन के भूतल पर ग्राहकों के लिए अत्याधुनिक रिटेल शोरूम स्थापित किया गया है, जबकि इसके ऊपर की सभी पांच मंजिलें विशेष रूप से आभूषणों के थोक कारोबार के लिए समर्पित हैं। इस व्यवस्था के माध्यम से जहां आम ग्राहकों को एक ही स्थान पर आभूषणों की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध होगी, वहीं थोक व्यापारियों के लिए भी अलग व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। रिटेल शोरूम में पारंपरिक भारतीय कारीगरी से लेकर आधुनिक एवं आकर्षक डिजाइनों तक सोने, हिरों और चांदी के आभूषणों का विशेष संग्रह उपलब्ध कराया गया है। यहाँ 22 एवं 18 कैरेट एचयूआईडी हॉलमार्क स्वर्ण आभूषणों के साथ आईजीआई प्रमाणित प्राकृतिक हिरों के आभूषण भी उपलब्ध हैं। गुणवत्ता, पारदर्शिता और ग्राहकों की पसंद को प्राथमिकता देते हुए खरीदारी का बेहतर अनुभव प्रदान करने पर विशेष ध्यान दिया गया है।

विश्व स्पाइन दिवस : रीढ़ की समस्या से अब डरने की जरूरत नहीं, सही समय पर सर्जरी से स्थायी इलाज संभव

नई सोच एक्सप्रेस

**पटना।**रीढ़ की हड्डी से जुड़ी बीमारियों के आधुनिक उपचार, बचाव और समय पर पहचान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विश्व स्पाइन दिवस पर सेमिनार आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में स्पाइन संबंधी समस्याओं और आधुनिक उपचार पद्धतियों पर चर्चा हुई। इस दौरान इलाज के बाद अपने पैरों पर चलने वाले मरीजों को ‘स्पाइन एम्बेसडर’ सम्मान से नवाजा गया। सेमिनार में जानेमाने स्पाइन सर्जन और हरि कृपा हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. गौतम आर. प्रसाद ने रीढ़ की हड्डी और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने स्पाइन संबंधी समस्याओं की पहचान, समय पर उपचार और बचाव के उपायों के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. गौतम ने कहा कि स्पाइन की समस्या से शुरुआत



में सतर्क होकर झुटकारा पाया जा सकता है। दवा, एक्सरसाइज और सही तरीके से उठने - बैठने से रीढ़ की समस्या से निजात मिल जाता है। कुछ केस में सर्जरी की जरूरत पड़ती है। सही समय और सही जगह पर सर्जरी करा कर स्थाई तौर पर रीढ़ की समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है। मुख्य अतिथि प्रो. डॉ. एनके सिंह, पूर्व विभागाध्यक्ष, हड्डी रोग विभाग, एनएमसीएच, पटना ने स्पाइन के क्षेत्र में उपलब्ध अत्याधुनिक

» रीढ़ की हड्डी को लेकर अत्याधुनिक उपचार पद्धतियों की जानकारी दी

उपचार पद्धतियों की जानकारी दी। उन्होंने रीढ़ की हड्डी से जुड़ी बीमारियों के इलाज में नई तकनीकों की भूमिका पर चर्चा की।कार्यक्रम में बांडूपन रोग विशेषज्ञ डॉ. नेहा भी मौजूद थीं।

अनीसाबाद में केजरीवाल स्वीट्स एंड रेस्टोरेंट का भव्य शुभारंभ



नई सोच एक्सप्रेस

**पटना।**अनीसाबाद स्थित केजरीवाल स्वीट्स एंड रेस्टोरेंट का भव्य उद्घाटन सोमवार को उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। इस अवसर पर डॉ. संजीव चौरसिया, मुख्य सचेतक एवं विधायक ने प्रतिष्ठान का उद्घाटन किया। समारोह में गंगा प्रसाद, पूर्व राज्यपाल, सिक्किम एवं मेघालय तथा पद्मश्री विमल जैन की गरिमाययी उपस्थिति रही। वहीं, चाली-2 के नाम से प्रसिद्ध अभिनेता राजन की कलात्मक प्रस्तुति ने समारोह में रंग

बिखेर दिया। कार्यक्रम में अनेक गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे। प्रतिष्ठान की आकर्षक साज-सजा एवं बेहतर सुविधाओं की सराहना की गई। केजरीवाल स्वीट्स एंड रेस्टोरेंट का उद्देश्य ग्राहकों को स्वादिष्ट मिठाइयों,लजीज व्यंजन, स्वच्छ वातावरण और उत्कृष्ट सेवा उपलब्ध कराना है। प्रतिष्ठान के संचालक पवन केजरीवाल \* ने सभी अतिथियों एवं शुभचिंतकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ग्राहकों की संतुष्टि, गुणवत्ता और स्वच्छता उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

आयुष के दम पर राज स्वचायर की जीत, जिग जैग ने सीएबी रेड को 83 रन से हराया

नई सोच एक्सप्रेस

**पटना।**सीएबी ग्राउंड पर खेले जा रहे द्वितीय विमला देवी मेमोरियल इंटर स्कूल अंडर-13 क्रिकेट टूर्नामेंट में सोमवार को दो मुकाबले खेले गए। पहले मैच में राज स्वचायर इंडोर क्रिकेट एकेडमी ने टर्फ किंग क्रिकेट एकेडमी को दो विकेट से हराया। वहीं, दूसरे मुकाबले में जिग जैग क्रिकेट एकेडमी, बक्सर ने सीएबी रेड को 83 रन से करारी शिकस्त दी। सरदार पटेल स्पोर्ट्स फाउंडेशन के तत्वावरण में चल रहे टूर्नामेंट के तीसरे दिन के पहले मैच में टर्फ किंग क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20.2 ओवर में 118 रन बनाए। टीम की ओर से अतिरिक्त के 54 रन अहम रहे। लक्ष्य का पीछा करने उतरी राज स्वचायर इंडोर क्रिकेट एकेडमी ने अमन सिंह के 16, अभिनव कुमार के 19 और



आयुष सिंह के 15 रन की मदद से 19.4 ओवर में आठ विकेट पर 119 रन बनाकर मुक़ाबला जीत लिया। गेंदबाजी में सिद्धार्थ ने तीन विकेट लिए, जबकि आयुष सिंह को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। दूसरे मुकाबले में जिग जैग क्रिकेट एकेडमी, बक्सर ने शानदार बल्लेबाजी की। कप्तान शिवम चंद ने 60 रन की पा्री खेदी, जबकि अनुज मनीष दूबे ने नाबाद 52 रन

बनाए। अतिरिक्त के 52 रन की मदद से 19.3 ओवर में सात विकेट पर 213 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। जवाब में सीएबी रेड की टीम निर्धारित 21 ओवर में नौ विकेट पर 130 रन ही बना सकी। पिप्लू रंजन ने नाबाद 29 रन बनाए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। जिग जैग के सिद्धार्थ प्रियतम ने तीन विकेट लिए। अनुज मनीष दूबे को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

संक्षिप्त समाचार

सुगौली जीआरपी पुलिस ने 49.95 लीटर देसी-विदेशी शराब को किया नष्ट

**मोतिहारी।** सुगौली जीआरपी पुलिस द्वारा विभिन्न मामलों में जब्त की गई देसी एवं विदेशी शराब को सोमवार को नष्ट किया गया। अंचलाधिकारी कुंदन कुमार की देखरेख में शराब का विनष्टीकरण किया गया।जीआरपी थानाध्यक्ष विजय झा ने बताया कि कांड संख्या 58/24, 8/25, 10/25 और 18/26 में जब्त कुल 49.95 लीटर देसी एवं विदेशी शराब को अंचलाधिकारी की उपस्थिति में नियमानुसार नष्ट किया गया। इस दौरान जब्त शराब के विनष्टीकरण की प्रक्रिया पूरी की गई।

गिद्धौर सांस्कृतिक महोत्सव 15-16 अक्टूबर को, मुस्कान-आरोह और हर्षप्रीत विखेरेंगे सुरों का जादू

**गिद्धौर/जमुई।** ऐतिहासिक गिद्धौर में 15 और 16 अक्टूबर को दो दिवसीय गिद्धौर सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन होगा। कला एवं संस्कृति विभाग, बिहार तथा जिला प्रशासन, जमुई के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम +2 महाराज चंद्रचूड़ विद्यामंदिर परिसर में आयोजित किया जाएगा। महोत्सव की दोनों संध्याओं में संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। इंडियन आइडल सीजन 14 की प्रतिभागी मुस्कान श्रीवास्तव, इंडियन आइडल सीजन 16 एवं सौराणाम्पा 2023 के प्रतिभागी आरोह शंकर और वॉयस ऑफ पंजाब सीजन 12 की फाइनलिस्ट हर्षप्रीत कौर बग्गा अपनी गायकी से दर्शकों का मनोरंजन करेंगी। कार्यक्रम का मंच संचालन उद्योक्क अभित पाराशर करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 15 और 16 अक्टूबर को शाम सात बजे से सांस्कृतिक संध्या सजेगी। महोत्सव का उद्देश्य क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के साथ लोगों को कला और संगीत से जोड़ना है। आयोजन को लेकर स्थानीय लोगों और संगीत प्रेमियों में उत्साह है।

अवैध बालू कारोबार पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, आठ ट्रैक्टर जब्त

» सात चालक गिरफ्तार, करीब 800 घनफीट बालू बरामद; एक फरार



**जमुई।** अवैध बालू खनन एवं परिवहन के खिलाफ जमुई पुलिस ने सिकंदरा थाना क्षेत्र में छापेमारी कर बालू लंदे आठ ट्रैक्टर जब्त किए हैं। कार्रवाई में सात चालकों को गिरफ्तार किया गया, जबकि एक चालक अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। जब्त वाहनों से करीब 800 घनफीट बालू बरामद हुआ है। पुलिस के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में गठित टीम ने सोमवार की अहले सुबह करीब 4:30 बजे सिकंदरा-लखीसराय मुख्य मार्ग पर लोहंडा-खरडीह नहर के पास छापेमारी की। इस दौरान अवैध बालू लंदे आठ ट्रैक्टर पकड़े गए। गिरफ्तार चालकों में जमुई और लखीसराय जिले के निवासी शामिल हैं। मामले में सिकंदरा थाना कांड संख्या 276/26 दर्ज कर संबंधित धाराओं को कला और संगीत शुरू कर दी गई है। पुलिस फरार चालक की तलाश कर रही है। अभियान में सिकंदरा थाना पुलिस, डीआईयू और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

नैतिक पत्रकारिता लोकतंत्र को करती है मजबूत : डॉ चौरसिया



**दरभंगा।** ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में ‘डिजिटल लोकतंत्र में सार्वजनिक सूचना की मीडिया जिम्मेदारी एवं नैतिकता’ विषय पर संगोष्ठी एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ आरएन चौरसिया ने कहा कि नैतिक पत्रकारिता लोकतंत्र को मजबूत बनाने तथा सत्कार एवं प्रशासन की जवाबदेही सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। पत्रकारिता में सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता और जनहित सर्वोपरि है। अध्यक्षता करते हुए अंग्रेजी विभागाध्यक्ष प्रो पुनिता झा ने कहा कि पत्रकारिता की विश्वसनीयता उसकी नैतिकता पर निर्भर करती है। भाषण प्रतियोगिता में सैलिना कुमारी प्रथम, संगीता कुमारी द्वितीय तथा साहिल कुमार सिंह और श्रेया श्री संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहे। निर्णायक मंडल में डॉ मंजरी खरे एवं डॉ नीतू कुमारी शामिल थीं। संचालन डॉ वीरेन्द्र कुमार मिश्रा, स्वागत डॉ नवीन कुमार सिंह तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ संकेत कुमार झा ने किया।

नवरात्र को लेकर नगर पंचायत हाटा में असामाजिक तत्वों पर रहेगी विशेष नजर, चेयरमैन रमेश जायसवाल

**कैमूर।**चैनपुर प्रखंड अंतर्गत नगर पंचायत हाटा में नवरात्र को लेकर विशेष विधि व्यवस्था नगर प्रशासन द्वारा किया गया है।नगर पंचायत हाटा के विभिन्न पूजा पंडालो की विधि व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन एवं कार्यकर्ता लगे हुए हैं।इस दौरान नगर पंचायत हाटा की गलियों की साफ सफाई एवं पूजा पंडालो की विधि व्यवस्था पर भी विशेष नजर रखी जा रही है। इस संबंध में नगर पंचायत हाटा के चेयरमैन रमेश जायसवाल ने बताया की अभी हाल ही में जिला प्रशासन की टीम द्वारा नवरात्र को लेकर विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर दिशा निर्देश दिया गया है।जिसको लेकर नगर प्रशासन भी पूरी मुस्तेदी के साथ लगा हुआ है। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत हाटा की साफ सफाई,भीड को देखते हुए आम जनता की सेवा,हाल नगर के विभिन्न पूजा पंडालो की निर्गामी विशेष कैमरे से भी की जा रही है।तथा असामाजिक तत्वों पर भी पैनी नजर रखी जा रही है। ताकि दुर्गा पूजा त्योहार को शांतिपूर्वक नगर पंचायत हाटा में मनाया जा सके।उन्होंने कहा कि हिंदुओं के पवित्र आस्था के त्योहार को देखते हुए मेरे टीम द्वारा नगर के विभिन्न पूजा पंडालो की हमेशा मॉनिटरिंग की जा रही है।ताकि जनता को किसी भी प्रकार का कोई दिक्कत ना पहुंच सके।उन्होंने बताया की पूरे नवरात्र भर खासकर दशमी पूजा का भी विशेष तैयारी की जा रही है।नवरात्र को शांति पूर्वक नगर पंचायत हाटा में संपन्न करना ही मेरी पहली प्राथमिकता है।

भोला टॉकीज ओवरब्रिज निर्माण शुरू कराने को 25 अक्टूबर को निकलेगी पदयात्रा

नई सोच एक्सप्रेस

**समस्तीपुर।**जिला विकास संघर्ष मोर्चा एवं रेल विस्तार-विकास संघर्ष मोर्चा की संयुक्त बैठक सोमवार को डीआरएम चौक पर शंकर प्रसाद साह की अध्यक्षता तथा शत्रुघ्न राय पंजी के संचालन में संपन्न हुई। बैठक में जिले की प्रमुख विकास योजनाओं को पूरा कराने के लिए आंदोलन तेज करने का निर्णय लिया गया। बैठक में मुक्तापुर रेल गुम्टी पर ओवरब्रिज निर्माण कार्य में तेजी लाने के लिए बिजली के पोल एवं पेड़-पौधों को हटाने, भोला टॉकीज रेल गुम्टी पर बंद पड़े ओवरब्रिज निर्माण कार्य को तमाम बाधाओं को दूर कर पुनः शुरू कराने तथा निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निर्माण पूरा करने की मांग उठाई गई। इसके साथ ही समस्तीपुर की बंद चीनी मिल को चालू कराने की मांग भी की गई। इन मांगों को लेकर जिलाधिकारी एवं डीआरएम को स्मारपत्र सौंपने, विभिन्न इलाकों में जन-जागरूकता बैठक करने तथा आगामी 25 अक्टूबर को भोला टॉकीज रेल गुम्टी स्थित ओवरब्रिज



» मुक्तापुर ओवरब्रिज का निर्माण तेज करने और बंद चीनी मिल चालू कराने की मांग  
» डीएम व डीआरएम को सौंपा जाएगा स्मारपत्र-सुरेंद्र

चुप्पी समझ से परे है। उन्होंने आरोप लगाया कि विकास कार्यों का श्रेय लेने की होड़ में जनप्रतिनिधि आगे रहते हैं, लेकिन जनता की बुनियादी समस्याओं के समाधान के लिए अपेक्षित पहल नहीं करते। उन्होंने कहा कि ऐसे जनप्रतिनिधियों को आगामी चुनाव में जिलावासी सबक सिखाएंगे।

आगामी दशहरा पर्व पर होने वाले रावण दहन कार्यक्रम को भव्य, शांतिपूर्ण और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से

नई सोच एक्सप्रेस

**समस्तीपुर।**अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार की अध्यक्षता में प्रखंड कार्यालय जितवारपुर में एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में प्रखंड के सभी संबंधित अधिकारी, थाना प्रभारी, आयोजन समिति के सदस्य तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार ने रावण दहन स्थल पर सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण, यातायात व्यवस्था, अग्निशमन और चिकित्सा सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि कार्यक्रम स्थल पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किया जाए, बैरिकेडिंग की जाए तथा प्रवेश और निकासी के लिए अलग-अलग मार्ग बनाए जाएं। साथ ही अग्निशमन विभाग की गाड़ियों को मौके पर तैनात



रखने और मेडिकल टीम को तैयार रहने का निर्देश दिया गया। अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि रावण दहन बुराई पर अच्छाई की जीत का

स्मिथ एंड जोन्स ने अभिनेत्री रसिका दुग्गल के साथ लॉन्च किया

नई सोच एक्सप्रेस

**गया।**टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के प्रमुख फूड ब्रांड स्मिथ एंड जोन्स ने अभिनेत्री रसिका दुग्गल के साथ अपना नया कैपेन लॉन्च किया है। भारत का नंबर-1 कुकिंग पेस्ट यानी स्मिथ एंड जोन्स जिंजर गार्लिक पेस्ट बनाने वाले इस ब्रांड के नए कैपेन का उद्देश्य उपभोक्ताओं को बड़े ही मजेदार और दिलचस्प अंदाज में समझाना है कि उन्हें जिंजर गार्लिक पेस्ट खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। आज मार्केट में जिंजर गार्लिक पेस्ट के ढेरों विकल्प मौजूद हैं, लेकिन उपभोक्ताओं के लिए यह समझ पाना आज भी मुश्किल है कि कौन सा पेस्ट बेहतर है। इसी उलझन को दूर करने के लिए कैपेन में एक आसान विजुअल टेस्ट दिखाया गया है। इसके जरिए उपभोक्ता बिना किसी इंग्लिश के एक गाढ़े, असली पेस्ट और पानी जैसे पतले पेस्ट का फर्क साफ देख सकते हैं, और अपने लिए सही चुनाव कर सकते हैं। इस पूरे कैपेन का दिलचस्प निचोड़ यही है कि, 'हो गया न पेस्ट का पेस्ट और पानी का पानी।' कैपेन के बारे में बात करते हुए, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स की प्रेसिडेंट सुश्री दीपिका भान ने कहा, ‘‘रसोई में कुछ नया द्राई करना या अलग-अलग चीजों के साथ नए प्रयोग करना कई बार लोगों को थोड़ा उलझन भरा लगता है। लेकिन ‘स्मिथ एंड जोन्स’ के साथ हम



» जिंजर गार्लिक पेस्ट के बारे में जागरूक

कुकिंग को बहुत आसान और मजेदार बनाना चाहते हैं। हमारी यह नई मुहिम भी इसी भरोसे को दर्शाती है।’’ द यूब के सीओओ हेवल पटेल ने कहा, ‘‘स्मिथ एंड जोन्स’ जिंजर गार्लिक पेस्ट मार्केट में कैटेगरी लीडर है। आज जब लोग इस पेस्ट को किचन में रोजमर्रा के सामान की तरह देखते हैं, तब स्मिथ एंड जोन्स के पास उपभोक्ताओं को जागरूक करने का एक बेहतरीन मौका था। हम उन्हें यह बताना चाहते हैं कि असली स्वाद देने वाले अच्छे जिंजर गार्लिक पेस्ट की पहचान कैसे की जाए? टेस्ट गजब’ के ब्रांड वादे के तहत बनी यह फिल्म दिखाती है कि कैसे सही जिंजर गार्लिक पेस्ट स्वादिष्ट खाना बनाने के लिए सबसे सही बेस तैयार करता है।

दोहरे हत्याकांड के पीड़ित परिवार को मुख्यमंत्री से मिला आश्वासन, न्याय की जगी उम्मीद



नई सोच एक्सप्रेस

**जहानाबाद (हसनैन दीवाना)।**जिले के काको थाना क्षेत्र के निसरपुरा गांव में दोहरे हत्याकांड से प्रभावित परिवार को अब न्याय की उम्मीद जगी है। पिछड़ा वर्ग के नेता अमित कुमार दांगी के सहयोग से पीड़ित परिवार ने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात की। इस दौरान पर्रिजनों ने अपनी पीड़ा बताते हुए न्याय दिलाने के साथ परिवार के भरण-पोषण के लिए आर्थिक सहायता और रोजगार उपलब्ध

कराने की मांग की। पर्रिजनों के अनुसार, 15 मई 2026 को शिवम कुमार उर्फ गोलू कुमार की मारपीट में गंभीर रूप से घायल होने के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई थी। इसके बाद 7 जून 2026 को परिवार के दूसरे सदस्य मुन्ना कुमार सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई। एक ही परिवार के दो सदस्यों की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। दोनों मृतक परिवार के कमाऊ सदस्य थे, जिनकी मौत के बाद पर्रिजनों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

हिन्दू जनजागृति समिति का रजत जयंती वर्ष में प्रवेश; मुजफ्फरपुर में ली गई ‘हिन्दू राष्ट्र स्थापना’ की प्रतिज्ञा

नई सोच एक्सप्रेस

**मुजफ्फरपुर।**घटस्थापना के शुभ मुहूर्त पर हिन्दू जनजागृती समिति ने २४ वर्ष पूर्ण कर २५वें (रजत जयंती) वर्ष में प्रवेश किया है। हिन्दू राष्ट्र की स्थापना के ध्येय से प्रेरित होकर कार्यरत समिति की ओर से इस रजत जयंती वर्ष के अवसर पर देशभर में विशेष कार्यक्रम और अभियान चलाए जा रहे हैं। जिस प्रकार छत्रपति शिवाजी महाराज ने अटूट श्रद्धा रखने, हिन्दू संस्कृति का संवर्धन करने, तथा मंदिरों, गौमाता और महिलाओं की प्राणपण से रक्षा करने की शपथ ली गई। इसके साथ ही आक्रांताओं द्वारा नष्ट किए गए मंदिरों का जीर्णोद्धार करने और छत्रपति शिवाजी महाराज की भक्ति ‘शक्ति की उपासना’ करके हिन्दू राष्ट्र के लिए तन-मन-धन त्यागने के लिए सभी ने अपनी प्रतिबद्धता दर्शाई। “अब एक ही लक्ष्य, एक



लिए अपना जीवन समर्पित करने का दृढ़ संकल्प लिया गया। इस प्रतिज्ञा के माध्यम से सनातन हिन्दू धर्म पर अटूट श्रद्धा रखने, हिन्दू संस्कृति का संवर्धन करने, तथा मंदिरों, गौमाता और महिलाओं की प्राणपण से रक्षा करने की शपथ ली गई। इसके साथ ही आक्रांताओं द्वारा नष्ट किए गए मंदिरों का जीर्णोद्धार करने और छत्रपति शिवाजी महाराज की भक्ति ‘शक्ति की उपासना’ करके हिन्दू राष्ट्र के लिए तन-मन-धन त्यागने के लिए सभी ने अपनी प्रतिबद्धता दर्शाई। “अब एक ही लक्ष्य, एक

हरपुर राय में युवा दंपती के शव मिलने से मची सनसनी

नई सोच एक्सप्रेस

**मोतिहारी।**हरसिद्धि थाना क्षेत्र में इस समय सनसनी फैल गई जब लोगों को इस बात का पता चला कि थाना क्षेत्र के एक गांव में एक वर्ष पूर्व प्रेम विवाह किए हुए युवा दंपति ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली है जिसके बाद लोग सन्न रह गए।मात्र एक साल पूर्व जिस प्रेमी प्रेमिका ने दुनिया की परवाह किये बगैर सारे रूमो रिवाजो को त्यागकर शादी की और आखिरकार ऐसी क्या बात हुई कि दोनों ने मौत को गले लगा लिया ये अबतक अबूझ पहेली बनकरा रह गई है।दरअसल सोमवार के सुबह हरसिद्धि थाना क्षेत्र अंतर्गत हरपुर राय गांव में एक युवा दंपती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से इलाके में सनसनी फैल गई। दोनों के शव फंदे से लटके मिलने की सूचना पर गांव में लोगों की भीड़ मृतक के घर के बाहर जुट गई और वहां चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया ,जिसके बाद स्थानीय लोगो ने हरसिद्धि थाना



को इसकी सूचना दी । घटना की जानकारी मिलते ही हरसिद्धि थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मृतकों की

» प्रेम विवाह के एक साल बाद संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

पहचान हरसिद्धि थाना क्षेत्र के हरपुर पकड़ी गांव निवासी पररेज आलम और उसकी पत्नी सोनी खातून के रूप में हुई है। सोनी खातून मूल रूप से मलाही थाना क्षेत्र के सिकटिया गांव की रहने वाली थी। स्थानीय लोगों व मृतक के पर्रिजनों के लिए भेजने के करीब एक वर्ष पहले परिवार की मजी के खिलाफ घर से भागकर प्रेम विवाह किया था। इसके बाद दोनों हरपुर राय गांव में रह रहे थे। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों के शव बरामद किए। वही मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस

ने घटनास्थल पर एफएसएल टीम को बुलाया, ताकि आवश्यक साक्ष्य जुटाए जा सकें। वही घटना के संबंध में अरेराज डीएसपी पंकज कुमार मिश्रा ने बताया कि एक दंपती का शव बरामद किया गया है। पर्रिजनों के अनुसार, दोनों फंदे से लटके हुए थे। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन हत्या की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। डीएसपी पंकज मिश्रा ने बताया कि घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल टीम को बुलाया गया है। पर्रिजनों से पूछताछ की जा रही है और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही दोनों की मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। घटना के बाद से गांव में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। वहीं, युवा दंपती की मौत से पर्रिजनों में मातम पसरा हुआ है।

गिद्धौर में दुर्गा-लक्ष्मी पूजा की तैयारियां तेज, चंदा संग्रह जारी



नई सोच एक्सप्रेस

**गिद्धौर/जमुई।** गिद्धौर में शारदीय दुर्गा पूजा सह लक्ष्मी पूजा को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। पूजा समिति के सदस्य अलग-अलग समूहों में बंटकर गिद्धौर और आसपास के क्षेत्रों में चंदा संग्रह कर रहे हैं। स्थानीय लोगों के सहयोग से पूजा-अर्चना और मेले को भव्य स्वरूप देने की तैयारी चल रही है। नागी, नकटी और उलाई नंदी के संगम तट पर स्थित मंदिर में मां दुर्गा की पूजा सदियों पुरानी परंपरा के अनुसार की जाती है। मान्यता है कि इस मंदिर की स्थापना चंदेल राजाओं ने की थी। रविवार को कलश स्थापना के साथ दुर्गा पूजा शुरू हो गई। 21 अक्टूबर को विजयादशमी पर मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन होगा। वहीं, 25 अक्टूबर को शरद पूर्णिमा के अवसर पर मां महालक्ष्मी की पूजा और 26 अक्टूबर को प्रतिमा विसर्जन किया जाएगा। विसर्जन के लिए मां त्रिपुर सुंदरी तालाब निर्धारित है। समिति की पदेन अध्यक्ष पतसंदा पंचायत की मुखिया ललिता देवी, कार्यकारी अध्यक्ष राजीव कुमार साव उर्फ पिंकू, सचिव सुबोध कुमार सिंह उर्फ काजू और कोषाध्यक्ष सुबोध कुमार केशरी के नेतृत्व में तैयारियां की जा रही हैं। पूजा और मेले को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह है।

संक्षिप्त समाचार

नगर परिषद में धूमधाम से मना कांशीराम साहब का परिनिर्वाण दिवस,बसपा जिलाध्यक्ष अयोध्या कुमार सम्मानित

भभुआ (कैमूर)।बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक मान्यवर कांशीराम साहब का परिनिर्वाण दिवस भभुआ नगर परिषद मैदान में धूमधाम से मनाया गया।कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न होने पर मुख्य जोन प्रभारी बिहार एवं पूर्व लोकसभा प्रत्याशी सासाराम संतोष कुमार और जोन प्रभारी सह प्रदेश महासचिव विशंभर नाथ सिंह उर्फ वकील यादव ने बसपा कैमूर जिलाध्यक्ष अयोध्या कुमार को माला पहनाकर स्वागत किया और सम्मानित किया।बताया गया कि कार्यक्रम बिहार-झारखंड के मुख्य प्रभारी डॉ.लालजी मेधांकर के नेतृत्व में संपन्न हुआ था।इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अयोध्या कुमार ने कहा कि वे बहुजन मूवमेंट को जन-जन तक पहुंचाने और महापुरुषों के विचारों को घर-घर वताकर सुश्री बहन कुमारी मायावती जी के हाथों को मजबूत करने का संकल्प लेते हैं।



तप व त्याग को प्रदान करती है माता ब्रह्मचारिणी

मोतिहारी। शारदीय नवरात्र के द्वितीय दिवस मोतिहारी कचहरी चौक स्थित प्रसिद्ध जगदम्बा धाम मंदिर में माँ दुर्गा के द्वितीय स्वरूप माँ ब्रह्मचारिणी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। ब्रह्मचारिणी माता को शक्कर व मिश्री का भोग लगाया गया । उक्त बातें महर्षि गौतम ज्योतिष परामर्श एवं अनुसंधान केन्द्र चम्पारण काशी द्वारा संचालित वैदिक गुरुकुलम के संस्थापक आचार्य व जगदम्बा धाम दुर्गा पूजन के यज्ञाचार्य अधिषेक कुमार दूबे ने कहीं । श्री दूबे ने कहाँ माँ दुर्गा के तृतीय स्वरूप माँ चंद्रघटा की पूजा-अर्चना का भी विशेष धार्मिक महत्व है। भक्तजन माता से सुख-समृद्धि, शांति, साहस एवं परिवार के कल्याण की कामना करते हैं। भगवती चंद्रघण्टा को गाय का दूध या उससे बना मिठाई भोग अर्पित करना चाहिए । साधक पीला व लाल वस्त्र धारण कर पूजन करें । वहीं मंदिर के महंत हरिओम पाण्डेय ने कहाँ भगवती मनोकामना जगदम्बा यहां आने वाले समस्त भक्तों की मनोरथ पूर्ण करती है ।



दानापुर मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर अब यात्रियों के लिए लगाए जा रहे हैं चार अलग-अलग रंगों (हरा, नीला, लाल और काला) के डस्टबिन



पटना।01.10.2026 से 15.10.2026 तक चलने वाले स्वच्छता पखवाड़ा एवं 02.10.2026 से 31.10.2026 तक चलने वाले विशेष अभियान 6.0 के अंतर्गत स्वच्छता जागरूकता हेतु दानापुर मंडल में एक साथ कई विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं, ताकि रेल परिसर, ट्रेनों एवं कार्यालयों में स्वच्छता रखने हेतु लोगों को प्रेरित करते हुए उनकी सहभागिता सुनिश्चित की जा सके। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु चलने वाले इन अभियानों के अंतर्गत रंग-कोडित डस्टबिन की स्थापना की जा रही है।

बीपीएसएसी तत्काल घोषित करे 78वीं परीक्षा की नई तिथि : डॉ. अजय

पटना। 72वीं बिहार लोक सेवा आयोग की परीक्षा दो बार स्थगित होने से हजारों अभ्यर्थियों के सामने अनिश्चितता की स्थिति उत्पन्न हो गई है। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया एवं पब्लिसिटी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार पासवान ने परीक्षा में बार-बार हो रही देरी पर चिंता जताते हुए आयोग से अविलंब नई परीक्षा तिथि घोषित करने की मांग की है। डॉ. पासवान ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं के लिए समय का विशेष महत्व होता है। अभ्यर्थी घोषित संभावित तिथि को ध्यान में रखकर अपनी पढ़ाई तक सीमित बनाते हैं, लेकिन बार-बार परीक्षा स्थगित होने से उनकी तैयारी की पूरी योजना प्रभावित हो रही है। इससे युवाओं में मानसिक तनाव, असमंजस और भविष्य को लेकर चिंता बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि परीक्षा की अनिश्चितता केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे अभ्यर्थियों पर आर्थिक और पारिवारिक दबाव भी बढ़ता है। लंबे समय तक परीक्षा का इंतजार करने से उनकी मेहनत, समय और संसाधनों पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। युवाओं के भविष्य से जुड़े ऐसे महत्वपूर्ण विषय पर आयोग को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ निर्णय लेना चाहिए। डॉ. पासवान ने कहा कि युवाओं को आशवासन नहीं, स्पष्ट समय-सीमा और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया चाहिए। आयोग को तत्काल नई परीक्षा तिथि घोषित कर भर्ती प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा करना चाहिए, ताकि अभ्यर्थियों की अनिश्चितता समाप्त हो और वे पूरी एकाग्रता के साथ अपनी तैयारी जारी रख सकें।

राममनोहर लोहिया को दी गई श्रद्धांजलि

पटना। लोहिया पार्क कंकड़बाग पटना में अंतरराष्ट्रीय वैश्य महा सम्मेलन के कार्यकारी अध्यक्ष अजय गुप्ता ने डॉक्टर राम मनोहर लौहिया की मूर्ति पर श्रद्धा सुमन चढ़ाया। उन्होंने कहा कि समाजवाद के पुरोधा और प्रखर स्वतंत्रता सेनानी राम मनोहर लौहिया की पुण्यतिथि पर बच्चों के बीच कॉपी पैसिल रबर मिठाई बाँट कर हर्ष के साथ मनाया। अजय गुप्ता ने कहा कि डॉक्टर लोहिया मानना था की समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की आर्थिक और सामाजिक शक्तिकरण ही वास्तव लोकतंत्र है। वैश्य समाज को गर्व है की देश कोआर्थिक समानता पाठ बढ़ाने वाले माहानायक इसी समाज से आते है। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के सकरात्मक नेतृत्व और राज्य के औद्योगिक एवं व्यावसायिक विकास के लिए उठाए जा रहे कदमो काफी सराहनीय है इस सरकार में कानून व्यवस्था और सुरक्षा पर वैश्य समाजो को पूरा भरोसा है।

हर शाम जरूरतमंदों के नाम अभियान से सेवा की मिसाल बना युवा क्रांति रोटी बैंक

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा।समाजसेवी संस्था युवा क्रांति रोटी बैंक का आठवां वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन राजद नेत्री मधु मंजरी, अध्यक्ष नीतू गुप्ता, उपाध्यक्ष बिंदिया जायसवाल, उर्मिला गुप्ता, कुंती देवी, सुषमा सोनी, सरिता प्रकाश, प्रियंका प्रकाश और संस्थापक ई. विजय राज ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मंच संचालन मीडिया प्रभारी राशिद रिजवी ने किया। संस्थापक ई. विजय राज ने कहा कि आम लोगों के सहयोग और समर्थन से संस्था के सेवा कार्य निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। इस दौरान मुख्य अतिथि मधु मंजरी को अंगवस्त्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। अध्यक्ष नीतू गुप्ता ने कहा कि छपरा की जनता का स्नेह और सहयोग संस्था की सबसे



बड़ी ताकत है। संरक्षक रेणु सिंह और जयप्रकाश सिंह ने रक्तवीर सदस्य निशांत गुप्ता, बवाली सिंह, कृष्णा मुरारी, सौरव, संतोष, पूर्णिमा और नीतू गुप्ता सहित मीडिया कर्मियों को सम्मानित किया। मधु मंजरी ने संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि 'हर शाम जरूरतमंदों के नाम' अभियान के तहत पिछले आठ वर्षों

से छपरा जंक्शन परिसर में असहाय लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। जरूरत पड़ने पर रक्त की व्यवस्था में भी संस्था सहयोग करती है। प्रोजेक्ट मैनेजर कृष्णा श्रीवास्तव ने बताया कि संस्था त्योहारों पर सफाईकर्म महिलाओं को साड़ी, सर्दियों में कंबल और बरसात में रेनकोट वितरित करती है।

महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग ने पटना साहिब स्टेशन का किया निरीक्षण



नई सोच एक्सप्रेस

पटना।पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग ने पटना साहिब स्टेशन का निरीक्षण किया गया। महाप्रबंधक द्वारा प्लेटफॉर्म सं. 01 का एक छोर से दूसरी छोर तक निरीक्षण किया गया तथा यात्री सुविधाओं का जायजा लिया । उन्होंने सर्कुलैटिंग एरिया, फुट ओवर

ब्रिज, टिकट काउंटर, पृष्ठताछ काउंटर आदि का निरीक्षण कर यात्री सुविधा, संरक्षा तथा साफ-सफाई आदि का जायजा लिया । इसके लेकर सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए । निरीक्षण के दौरान दानापुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक के जगह अपर मंडल रेल प्रबंधक, इंफ्रा राजीव कुमार उपस्थित थे ।

राज्य में बेहतर स्वास्थ्य-सेवा उपलब्ध कराना एनडीए सरकार की प्राथमिकता : निशांत

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में नवनिर्मित टावर-3 का उद्घाटन मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वास्थ्य मंत्री निशांत ने की। वहीं, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, बिजेन्द्र प्रसाद यादव, मंत्री श्री रामकृष्ण यादव, विधायक संजीव चौरसिया, रलेश कुमार कुशवाहा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। ध्यातव्य है कि पीएमसीएच के 536 बेड की क्षमता वाले इस नवनिर्मित टावर में अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इसके लोकार्पण से मरीजों को बेहतर, सुलभ एवं समयबद्ध उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम

» पीएमसीएच के नवनिर्मित टावर-3 का मुख्यमंत्री ने किया लोकार्पण

आगे बढ़ाया गया है। इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री निशांत ने कहा पीएमसीएच को 5,462 बेड की क्षमता वाले अत्याधुनिक चिकित्सा परिसर के रूप में विकसित किया जा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इससे पहले कुल 1,117 बेड की सुविधा वाले टावर-1 एवं टावर-2 का उद्घाटन किया था। आज टावर-3 के लोकार्पण के साथ अस्पताल की कुल बेड क्षमता बढ़कर 1,653 हो गई है। यह विस्तार बिहार की स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक, सुदृढ़ एवं

जानोन्मुखी बनाने के हमारे संकल्प को नई गति प्रदान करेगा। निशांत ने आगे कहा कि राज्य में बेहतर स्वास्थ्य-सेवा उपलब्ध कराना एनडीए सरकार की प्राथमिकता है। चड्ढा सहित राज्य के सभी मेडिकल कॉलेजों, अस्पतालों, जिला अस्पतालों, अनुमंडल अस्पतालों एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का निरंतर विस्तार किया जा रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं के बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने के लिए आवश्यकतानुसार नए भवनों का निर्माण कराया जा रहा है। साथ ही, अस्पतालों में मानव बल की कमी को दूर करने के लिए नियमित रूप से नियुक्तियाँ भी की जा रही हैं, ताकि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को सुलभ, गुणवत्तापूर्ण एवं समय पर स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध हो सकें।

नालंदा जिले के नवनिर्मित स्टेडियम राजगीर में पहली बार रणजी ट्रॉफी का आगाज

नई सोच एक्सप्रेस

नालंदा, बिहार।शारीफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की मेजबानी की ओर कदम बढ़ा रहे राजगीर के नवनिर्मित खेल स्टेडियम में रणजी ट्रॉफी का ऐतिहासिक आगाज किया गया। बिहार और उत्तर प्रदेश के बीच एलीट ग्रुप मुकाबले के पहले दिन भारतीय क्रिकेटर रिकू सिंह और माधव कौशिक के बल्ले से निकले शानदार शतकों ने मैच का रोमांच बढ़ा दिया। शुरुआती झटकों के बावजूद उत्तर प्रदेश ने शानदार वापसी करते हुए पहले दिन का खेल समाप्त होने तक 84 ओवर में तीन विकेट पर 287 रन बना लिए। माधव कौशिक 124 और रिकू सिंह 109 रन बनाकर क्रीज पर डटे रहे। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 200 रनों की नाबाद साझेदारी हो चुकी है।टॉस जीतकर बिहार ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। शुरुआत में बिहार के गेंदबाजों ने उत्तर प्रदेश के तीन बल्लेबाजों को 13-13 रन के निजी स्कोर पर पवेलियन भेजकर अपनी पकड़ मजबूत की। हालाँकि, इसके बाद मैच



की तस्वीर बदल गई। माधव कौशिक और भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रिकू सिंह ने मोर्चा संभालते हुए बिहार के गेंदबाजों की चुनौती का डटकर सामना किया। माधव कौशिक ने 252 गेंदों पर नाबाद 124 रन बनाकर अपनी बल्लेबाजी का दम दिखाया, जबकि रिकू सिंह ने 164 गेंदों में नाबाद 109 रन ठोक दिए। दोनों बल्लेबाजों ने विकेट बचाने के साथ रन बनाने की रफ्तार भी बनाए रखी। उनकी अटूट साझेदारी ने उत्तर प्रदेश को पहले दिन मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। बिहार की ओर से स्पिनर सूरज कश्यप ने सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन किया। उन्होंने 26 ओवर में 44 रन

देकर दो विकेट हासिल किए। वहीं, रणजी ट्रॉफी में पदार्पण कर रहे तेज गेंदबाज मो. इजहार ने 14 ओवर में 64 रन खर्च किए। बिहार के कप्तान ने सात गेंदबाजों को आजमाया, लेकिन रिकू सिंह और माधव कौशिक की जोड़ी को तोड़ने में सफलता नहीं मिली।राजगीर में पहली बार रणजी ट्रॉफी मुकाबले का आयोजन खेल के लिहाज से महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। पहले दिन का खेल समाप्त होने के बाद बिहार क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) के मीडिया मैनेजर अभिषेक तिवारी ने कहा कि नया मैदान दोनों टीमों के लिए चुनौतीपूर्ण था। पिच के व्यवहार को

मांगें पूरी होने तक उर्वरक का उठाव नहीं करेंगे खुदरा विक्रेता

नई सोच एक्सप्रेस

मोतिहारी।सुरौली प्रखंड परिसर में सोमवार को खुदरा उर्वरक विक्रेता संघ की बैठक जिलाध्यक्ष राजकुमार उपाध्याय की अध्यक्षता में हुई। बैठक में संगठन को मजबूत बनाने, उर्वरक विक्रेताओं की समस्याओं और सरकार से अपनी मांगें पूरी कराने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष राजकुमार उपाध्याय ने कहा कि सबसे पहले संगठन को मजबूत करना जरूरी है। इसके लिए सभी प्रखंडों में जाकर एक-एक खुदरा उर्वरक विक्रेता को संगठन से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि विक्रेताओं को अपना हक सरकार से लेना होगा। सरकार यदि उर्वरक का खुदरा बिक्री मूल्य 266 रुपये



निर्धारित करती है, तो विक्रेताओं को उर्वरक इससे कम कीमत पर उपलब्ध कराया जाना चाहिए। उन्होंने एफआर और टैगिंग की व्यवस्था समाप्त करने की मांग भी उठाई। साथ ही कहा कि जब तक सरकार उनकी मांगों को स्वीकार नहीं करती, तब तक उर्वरक का

» संगठन को मजबूत करने और टैगिंग प्रथा समाप्त करने पर दिया गया जोर

उठाव नहीं किया जाएगा।

डिप्टी जीओसी ब्रिगेडियर ने किया बिरसा मुंडा चौक का उद्घाटन



नई सोच एक्सप्रेस

दानापुर। छावनी परिषद की ओर से अनुमंडलीय अस्पताल के पास नवनिर्मित बिरसा मुंडा चौक का उद्घाटन किया गया। मुख्य अतिथि छावनी परिषद के अध्यक्ष सह डिप्टी जीओसी ब्रिगेडियर अमित बेदी ने भगवान बिरसा मुंडा की आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर छावनी परिषद दानापुर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वरुण कुमार मौजूद रहें। इस मौके पर

ब्रिगेडियर अमित बेदी ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी को बिरसा मुंडा के संबंध में जानकारी प्राप्त करनी चाहिए। ताकी आज युवाओं को भगवान बिरसा मुंडा की तरह अपने आप को ढाल सके। उन्होंने बताया कि अभी इस स्थान पर टेम्पो स्टैंड का भी निर्माण किया गया है जो जल्दी ही आम जनता के लिए शुरू कर दिया जाएगा। इस अवसर पर छावनी परिषद की नामित सदस्य आशा देवी के अलावा कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

जन्मजात विकृति से प्रभावित बच्चों का होगा निःशुल्क इलाज, 14 नवंबर तक चलेगा विशेष अभियान

नई सोच एक्सप्रेस

किशनगंज। जन्मजात शारीरिक विकृति से प्रभावित बच्चों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले में स्वास्थ्य विभाग की ओर से विशेष पहल की जा रही है। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के तहत आगामी 14 नवंबर 2026 तक कटे होट, कटे तालू और टंग-टाई से प्रभावित बच्चों की पहचान कर पात्र बच्चों को निःशुल्क शल्य चिकित्सा से जोड़ने का अभियान चलाया जाएगा।इसके साथ ही जन्मजात टेढ़े पैर की समस्या से पीड़ित बच्चों को भी उपचार के लिए जागरूक किया जा रहा है। अभियान के तहत चलते चिकित्सा दलों को आंगनबाड़ी केंद्रों का भ्रमण कर प्रभावित बच्चों की पहचान करने का निर्देश दिया गया है। आशा कार्यक्रमोंओं की भी



अपने-अपने क्षेत्रों में ऐसे बच्चों को पहचान कर स्वास्थ्य विभाग तक सूचना पहुंचाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसका उद्देश्य जानकारी के अभाव और आर्थिक परेशानी के कारण किसी भी जरूरतमंद बच्चे को उपचार से वंचित होने से बचना है। शल्य चिकित्सा से पहले बच्चों के हीमोग्लोबिन, डब्ल्यूबीसी, प्लेटलेट्स और उम्र के अनुसार वजन की जांच की जाएगी। स्वास्थ्य संबंधी परेशानी या संक्रमण होने पर पहले समुचित उपचार कराया जाएगा। इसके बाद

आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर बच्चों को सूचीबद्ध चिकित्सा संस्थानों में रेफर किया जाएगा। जरूरत के अनुसार 102 एंजलूसे की सुविधा और आरबीएसके के तहत प्री-ऑथराइजेशन प्रमाणपत्र की व्यवस्था पर भी जोर दिया गया है। ठाकुरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आशा कार्यकर्ताओं को जन्मजात विकृतियों की पहचान, अभिभावकों को जागरूक करने और प्रभावित बच्चों को उपचार से जोड़ने का प्रशिक्षण दिया गया। सोमवार को सिविल सर्जन डॉ. राज कुमार चौधरी ने कहा कि समय पर पहचान और उचित उपचार से बच्चों के बेहतर भविष्य की राह आसान हो सकती है। जिलाधिकारी नवीन कुमार ने भी अभियान का लाभ जरूरतमंद बच्चों तक पहुंचाने के लिए संबंधित कर्मियों के बीच समन्वय पर जोर दिया।

अंतर्गत रेल कारखाना से डीजल चोरी करते रेल कर्मों समेत चार गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस



नालंदा, बिहार।शारीफ नालंदा जिला अंतर्गत हरनौत रेल कोच कारखाना में सोमवार को डीजल चोरी के खेल का आरपीएफ ने पर्दाफाश किया है। पावर कार से डीजल निकालकर गोदाम में छिपाने के आरोप में एक रेलकर्मी समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मौके से 240 लीटर डीजल जब्त हुआ। आरपीएफ पोस्ट प्रभारी संजीव कुमार ने बताया कि सोमवार की सुबह सूचना मिली कि वर्कशॉप के अंदर पावर कार से डीजल निकालकर गोदाम में रखा जा रहा है। टीम ने अग्रवाल इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड के गोदाम में छाप मारा तो दो मजदूर गैलन से इत्र में डीजल डालते पकड़े गए।पकड़े गए मजदूरों की पहचान बहादुरपुर के संजीव कुमार और चेरन गया के राहुल कुमार के रूप में हुई। पूछताछ

में उन्होंने बताया कि पेंट शॉप का टेक्नीशियन अमन कुमार डीजल निकालता था और सुपरवाइजर राजेश कुमार के कहने पर वे इसे गोदाम तक पहुंचाते थे।बयान के आधार पर पेंट शॉप के टेक्नीशियन परवलपुर मिर्ची गांव अमन कुमार और सोहसराय मंसूरनगर निवासी सुपरवाइजर राजेश कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। कुल 7 गैलन और एक इत्र में रखा 240 लीटर डीजल बरामद हुआ है, जिसकी कीमत लगभग 24 हजार रुपये है। चारों के खिलाफ केस दर्ज कर कोर्ट भेज दिया गया है। आरपीएफ अब इस गिरोह के नेटवर्क की जांच कर रही है।

# पत्रकारिता या दरबारी संस्कृति: नेता के साथ तस्वीर नहीं, सत्ता से सवाल ही पत्रकार की असली पहचान



आरती कुमारी

अच्छा पत्रकार वह नहीं, जो बड़े नेताओं के साथ तस्वीर खिंचवाकर फेसबुक पर पोस्ट करे, बल्कि वह है, जो तथ्यों और सबूतों के साथ बड़े नेताओं से कठिन सवाल पूछे और उनकी गलतियों को उजागर करने वाली रिपोर्ट जनता के सामने रखे। यह विचार आज की पत्रकारिता के सामने खड़े सबसे बड़े सवालों में से एक है। डिजिटल दौर में पत्रकारिता का चेहरा तेजी से बदला है। सूचना के साधन बड़े हैं, समाचारों की पहुंच व्यापक हुई है और सोशल मीडिया ने पत्रकारों को अपनी बात सीधे जनता तक पहुंचाने को कई पत्रकारों की प्रोफाइल पर नेताओं के साथ तस्वीरों की भरमार दिखाई देती है। कहीं मंत्री के साथ मुकुराती हुई सेल्फी है, कहीं विधायक के कंधे पर हाथ रखकर खिंचवाई गई तस्वीर, तो कहीं किसी बड़े राजनीतिक नेता से सम्मान

प्राप्त करते हुए फोटो। इनके साथ आत्मीय भेद, मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, आशीर्वाद मिला और सीमाव्यशाली रहा जैसे संदेश भी दिखाई देते हैं। किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि के साथ तस्वीर खिंचवाना अपने आप में गलत नहीं है। पत्रकार भी समाज का हिस्सा है और उसका विभिन्न क्षेत्रों के लोगों से मिलना-जुलना स्वाभाविक है। समस्या तब पैदा होती है, जब इन तस्वीरों को पत्रकारिता की उपलब्धि, प्रभाव और विश्वसनीयता का प्रमाणपत्र बनाकर पेश किया जाने लगता है। पत्रकारिता का मूल्यंकन इस आधार पर होना चाहिए कि पत्रकार ने जनता के कितने सवाल उठाए, कितनी समस्याओं को सामने लाया और सत्ता को कितना जवाबदेह बनाया। यदि किसी पत्रकार की पहचान उसकी खबरों के बजाय नेताओं के साथ निकटता से होने लगे, तो यह पूरे पेशे के लिए चिंता का विषय है। नेताओं के साथ तस्वीरें कभी-कभी प्रशासनिक अधिकारियों, ठेकेदारों या दूसरे प्रभावशाली लोगों के सामने अपनी पहुंच प्रदर्शित करने का माध्यम भी बन जाती हैं। इससे पत्रकार की छवि एक स्वतंत्र समाचारकर्मी के बजाय किसी प्रभावशाली व्यक्ति के करीबी के रूप में बनने लगती है। यही वह बिंदु है, जहां पत्रकारिता और दरबारी संस्कृति के बीच की रेखा धुंधली होने लगती है।

**सत्ता की निकटता नहीं, सवाल पूछने का साहस-** पत्रकारिता का जन्म सत्ता की आरती उतारने के लिए नहीं, बल्कि सत्ता से सवाल पूछने और जनता के हितों की रक्षा करने के लिए हुआ

है। लोकतंत्र में सरकारें जनता के मत से बनती हैं और जनता के प्रति जवाबदेह होती हैं। पत्रकारिता इस जवाबदेही को सुनिश्चित करने वाली महत्वपूर्ण संस्थाओं में से एक है। सरकार के दावों, नीतियों, निर्णयों और कामकाज की स्वतंत्र समीक्षा करना उसका बुनियादी दायित्व है। यदि पत्रकार सत्ता की प्रशंसा करने में ही अपनी भूमिका सीमित कर ले, तो लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण निगरानी तंत्र कमजोर पड़ जाता है। भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से जुड़ा एक चर्चित विचार है कि प्रेस को सरकार की आलोचना करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। इस विचार का महत्व आज भी बना हुआ है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में आलोचना को शत्रुता नहीं, सुधार का अवसर माना जाना चाहिए। सरकार के कामकाज पर सवाल उठाना सरकार विरोधी होना नहीं है। इसी तरह किसी जनप्रतिनिधि के अच्छे काम की प्रशंसा करना पत्रकारिता के सिद्धांतों के विरुद्ध नहीं है। असलीकसौटी यह है कि प्रशंसा औरआलोचना दोनों तथ्यों के आधार पर हों, न कि व्यक्तिगत संबंधों, राजनीतिक झुकाव या किसी लाभ की अपेक्षा से। दुनिया के इतिहास में खोजी पत्रकारिता के कई उदाहरण हैं, जिन्होंने सत्ता के सबसे मजबूत केंद्रों को भी जवाब देने के लिए मजबूर किया। अमेरिका के वाटरगेट प्रकरण इसका उल्लेखनीय उदाहरण है। पत्रकारों की पड़ताल और लगातार सामने आए तथ्यों ने राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन के कार्यकाल को गंभीर संकट में डाल दिया और अंततः उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। यह किसी नेता के साथ

तस्वीर खिंचवाने की उपलब्धि नहीं थी, बल्कि सत्ता के दुरुपयोग की परतें खोलने वाली पत्रकारिता का परिणाम था। भारत में भी बोफोर्स, चारा घोटाले, कॉमनवेल्थ खेलों से जुड़े कथित भ्रष्टाचार और व्यापम जैसे मामलों पर हुई रिपोर्टिंग ने सार्वजनिक जीवन में जवाबदेही को लेकर व्यापक बहस पैदा की। इन प्रकरणों की जांच और निष्कर्ष अलग-अलग संस्थागत प्रक्रियाओं से जुड़े रहे, लेकिन इनसे यह स्पष्ट हुआ कि असुविधाजनक सवाल लोकतंत्र में कितने महत्वपूर्ण हैं।

**खिंचाई का अर्थ अपमान नहीं, जवाबदेही है-** नेताओं की खिंचाई करने वाली रिपोर्ट का अर्थ किसी व्यक्ति को गाली देना, उसका मजाक उड़ाना या सोशल मीडिया पर ट्रोल करना नहीं है। पत्रकारिता में आलोचना का आधार तथ्य, तर्क, दस्तावेज और प्रमाण होने चाहिए। किसी नेता की निजी जिंदगी को अनावश्यक रूप से रणनीति बनाना, अपुष्ट आरोप लगाना या राजनीतिक विरोध के कारण एकतरफा खबर प्रकाशित करना भी पत्रकारिता नहीं है। असली खिंचाई वह है, जिसमें सार्वजनिक दावों की जांच की जाए और जनता को बताया जाए कि वास्तविकता क्या है। यदि सरकार दावा करती है कि उसने सी स्कूल लगाए हैं, तो पत्रकार को यह पता लगाना चाहिए कि वास्तव में कहाँ स्कूल बने, कितने बच्चों में पढ़ाई हो रही है, कितने विद्यालयों में शिक्षक उपलब्ध हैं और कहाँ बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। यदि किसी जिले को अपराधमुक्त घोषित किया जाता है, तो पुलिस के आंकड़ों, दर्ज मामलों, पीड़ितों की शिकायतों और

उपलब्ध आधिकारिक रिपोर्टों की पड़ताल जरूरी है। यदि अस्पताल में डॉक्टरों की पर्याप्त नियुक्ति का दावा किया जाता है, तो अस्पताल पहुंचकर वास्तविक स्थिति देखनी चाहिए। इसी तरह सड़क निर्माण, पेयजल, राशन वितरण, रोजगार और शिक्षा से जुड़े दावों की जमीनी जांच ही पत्रकारिता को सार्थक बनाती है। पत्रकार का काम सरकारी विज्ञप्ति को जस का तस प्रकाशित कर देना नहीं है। प्रेस विज्ञप्ति सूचना का एक स्रोत है, पूरी खबर नहीं। किसी भी महत्वपूर्ण दावे को संबंधित विभाग, प्रभावित लोगों, दस्तावेजों और दूसरे स्वतंत्र स्रोतों से जांचना चाहिए। आरोपों से जुड़ी खबरों में संबंधित पक्ष का जवाब लेना भी जरूरी है। इस प्रक्रिया से खबर की विश्वसनीयता बढ़ती है और पत्रकारिता व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप का माध्यम बनने से बचती है।

**सोशल मीडिया का मोह और विश्वसनीयता का संकट-** सोशल मीडिया ने पत्रकारों के सामने संभावनाओं के साथ नई चुनौतियां भी खड़ी की हैं। अब पत्रकार अपनी रिपोर्ट सीधे हजारों लोगों तक पहुंचा सकता है। उसे किसी संस्थान के मंच का इंतजार नहीं करना पड़ता। लेकिन लाइक, शेयर, कमेंट और फॉलोअर की संख्या ने लोकप्रियता को सफलता का एक नया पैमाना बना दिया है। ऐसे में कुछ पत्रकार भी खबर की गुणवत्ता से अधिक अपनी डिजिटल छवि चमकाने पर ध्यान देने लगते हैं।

बड़े नेताओं के साथ तस्वीरें पोस्ट करने से तात्कालिक लोकप्रियता मिल सकती है। समर्थक

प्रशंसा करते हैं, परिचित प्रभावशाली संबंधों की चर्चा करते हैं और तस्वीरें तेजी से साझा भी हो सकती हैं। लेकिन यह लोकप्रियता पत्रकार की विश्वसनीयता को गंरती नहीं है। पाठक यह भी देखता है कि जिस पत्रकार को किसी नेता के साथ बार-बार देखा जाता है, वह उसी नेता के फैसलों, गलतियों और विवादों पर कितनी निष्पक्षता से लिखता है। यदि आलोचनात्मक खबरों के समय उसकी कलम रुक जाती है, तो पाठक के मन में स्वाभाविक रूप से सवाल उठते हैं। पत्रकार की सबसे बड़ी पूंजी उसकी विश्वसनीयता है। यह वर्षों की मेहनत, निष्पक्षता और साहस से बनती है, लेकिन किसी एक पक्ष के प्रति अत्यधिक झुकाव से कमजोर हो सकती है। नेताओं से संपर्क रखना खबरों के लिए उपयोगी हो सकता है, क्योंकि पत्रकार को सूचनाएं जुटाने, पक्षों का जवाब लेने और घटनाओं को समझने के लिए सवाल की जरूरत होती है। मगर संपर्क का अर्थ पक्षधरता नहीं होना चाहिए। पत्रकार को सत्ता के गलियारों तक पहुंच कर जिम्मेदार नहीं जरूरत पड़ने पर उन्हीं गलियारों में उठने वाले गलत कदमों को उजागर करने का साहस भी

**पत्रकार का बांस नेता नहीं, जनता है-** पत्रकारिता के केंद्र में जनता होनी चाहिए। आम नागरिक की समस्याएं, उसकी जरूरतें और उसके अधिकार किसी भी राजनीतिक व्यक्ति की व्यक्तिगत छवि से अधिक महत्वपूर्ण हैं। किसी मजदूर को राशन नहीं मिल रहा, किसी गांव की सड़क वर्षों से टूटी पड़ी है, किसी अस्पताल में चिकित्सक उपलब्ध नहीं हैं, किसी विद्यालय

में पढ़ाई बाधित है या किसी परिवार को सरकारी योजना का लाभ नहीं मिल रहा है, तो इन समस्याओं को सामने लाना पत्रकार का वास्तविक सामाजिक योगदान है। एक अच्छी रिपोर्ट किसी जरूरतमंद का राशन कार्ड बनवाने की प्रक्रिया तेज करा सकती है, प्रशासन को जलनिकासी की समस्या दूर करने के लिए मजबूर कर सकती है या अस्पताल में व्यवस्था सुधारने की दिशा में पहल करा सकती है। हालांकि हर खबर का परिणाम तुरंत सामने आए, यह जरूरी नहीं। कई बार रिपोर्ट का महत्व इस बात में होता है कि उसने समस्या को सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बनाया और जिम्मेदार लोगों से जवाब मांगा। पत्रकारिता की सफलता को केवल वायरल होने या बड़ी संख्या में लाइक मिलने से नहीं मापा जा सकता। यह भी देखना होगा कि खबर ने जनता को कितनी उपयोगी जानकारी दी और सार्वजनिक जवाबदेही को कितना मजबूत किया। यही कारण है कि पत्रकार को अपनी प्राथमिकताएं तय करनी होंगी। किसी समारोह में मंच पर बैठने से अधिक जरूरी हो सकता है उस आयोजन के खर्च और सार्वजनिक धन के इस्तेमाल का जांच करना। किसी मंत्री से सम्मान प्राप्त करने की तस्वीर से अधिक महत्वपूर्ण वह रिपोर्ट हो सकती है, जिसमें उसके विभाग की किसी योजना की कमियों को प्रमाणों के साथ सामने रखा गया हो। सम्मान गलत नहीं है, लेकिन सम्मान के बदले सवालों का गला घोटाना निश्चित रूप से गलत है। दबाव के बीच स्वतंत्रता की परीक्षा

यह कहना आसान है कि पत्रकार को निर्भीक होना चाहिए, लेकिन वास्तविकता में स्वतंत्र पत्रकारिता की राह कठिन है। सत्ता से जुड़े लोगों के खिलाफ रिपोर्ट प्रकाशित करने पर नाराजगी, धमकी, मानहानि के मुकदमे, विज्ञापन बंद होने का दबाव या सोशल मीडिया पर संगठित विरोध का सामना करना पड़ सकता है। छोटे समाचार पत्रों और सीमित संसाधनों वाले मीडिया संस्थानों के सामने आर्थिक चुनौतियां भी होती हैं। विज्ञापन राजस्व पर निर्भरता कई बार संपादकीय स्वतंत्रता को प्रभावित कर सकती है। ऐसे माहौल में पत्रकारिता की निष्पक्षता बनाए रखना व्यक्तिगत साहस के साथ संस्थागत समर्थन की भी मांग करता है। मीडिया संस्थानों को कानूनी समझ और पेशेवर आचार-संहिता का ध्यान रखना चाहिए। निर्भीकता का अर्थ लापरवाही नहीं है। गंभीर आरोप प्रकाशित करने से पहले पर्याप्त प्रमाण जुटाना और संबंधित पक्ष को जवाब का अवसर देना आवश्यक है। सरकारों और राजनीतिक दलों के अपने प्रचार तंत्र होते हैं। वे अपनी उपलब्धियों को प्रचार कर सकते हैं और करना भी उनका अधिकार है। लेकिन पत्रकार का दायित्व प्रचार को समाचार बनाकर पेश करना नहीं, बल्कि दावों की स्वतंत्र जांच करना है। सत्ता को पत्रकार से असहज सवाल सुनने की आदत डालनी चाहिए, क्योंकि जवाबदेही से ही शासन में सुधार की संभावना बनती है।

## पश्चिम एशिया की युद्धाग्नि और भारत की रणनीतिक अग्निपरीक्षा : बदलते वैश्विक शक्ति संतुलन के बीच कूटनीति, ऊर्जा सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों का व्यापक विश्लेषण



आचार्य अशोक चौधरी 'प्रियदर्शी' कटिहार, बिहार

इक्कीसवीं सदी की विश्व राजनीति एक ऐसे दौर में प्रवेश कर चुकी है, जहाँ युद्ध अब केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जाते, बल्कि उनका प्रभाव विश्व अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार, समुद्री मार्गों, कूटनीति और आम नागरिक के दैनिक जीवन तक पहुंच जाता है। यदि रूस-यूक्रेन युद्ध ने यूरोप को स्थिरता को चुनौती दी, तो पश्चिम एशिया में लगातार गहराता संघर्ष पूरी वैश्विक व्यवस्था के लिए नई चिंता बनता जा रहा है। यह केवल इराक़न, ईरान, फिलिस्तीन, लेबनान, सीरिया अथवा खाड़ी देशों का क्षेत्रीय विवाद नहीं रह गया है, बल्कि विश्व राजनीति का ऐसा केंद्र बन चुका है जहाँ अमेरिका, चीन, रूस, यूरोपीय शक्तियाँ और क्षेत्रीय देश अपने-अपने रणनीतिक हितों की रक्षा में सक्रिय दिखाई दे रहे हैं। पश्चिम एशिया सदियों से सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। विश्व के विशाल तेल और प्राकृतिक

गैस भंडार, होर्मुज़ जलडमरूमध्य, लाल सागर, स्वेज नहर और भूमध्यसागर को जोड़ने वाले समुद्री मार्ग इस क्षेत्र को वैश्विक अर्थव्यवस्था की धुरी बनाते हैं। विषय व्यापार का बड़ा भाग इन्हीं समुद्री मार्गों से होकर गुजरता है। ऐसी स्थिति में जब भी इस क्षेत्र में युद्ध की आंच तेज होती है, उसका प्रभाव केवल युद्धरत देशों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था उसकी कीमत चुकाती है। भारत भी इस वैश्विक परिदृश्य से अछूता नहीं है। देश अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा पश्चिम एशिया से आयात करता है। लाखों भारतीय नागरिक खाड़ी देशों में कार्यरत हैं और उनके द्वारा भेजी जाने वाली विदेशी मुद्रा भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण योगदान देती है। यदि क्षेत्रीय अस्थिरता बढ़ती है, तो ऊर्जा आपूर्ति, समुद्री व्यापार, प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा और विदेशी मुद्रा पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए पश्चिम एशिया का प्रत्येक घटनाक्रम भारत के लिए केवल अंतरराष्ट्रीय समानाचार नहीं, बल्कि राष्ट्रीय रणनीति का विषय है। भारत की विदेश नीति की सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि उसने परंपरागत गुटबंदी से ऊपर उठकर अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का प्रयास किया है। स्वतंत्र भारत ने गुटनिर्पेक्षता से लेकर रणनीतिक स्वायत्तता तक की यात्रा इसी सिद्धांत के आधार पर तय की कि भारत किसी शक्ति-गुट का अंग बनना नहीं चाहे, बल्कि अपने हितों के अनुरूप स्वतंत्र निर्णय लेने

वाला रास्ते रहेगा। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह नीति और अधिक व्यावहारिक स्वरूप में दिखाई देती है। भारत एक और इराक़ल के साथ रक्षा, कृषि और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग बढ़ा रहा है, तो दूसरी ओर अरब देशों, विशेषकर संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कतर और ओमान के साथ ऊर्जा, निवेश और व्यापारिक संबंधों को भी निरंतर मजबूत कर रहा है। साथ ही ईरान के साथ चाबहार बंदरगाह जैसी परियोजनाओं के माध्यम से मध्य एशिया तक अपनी रणनीतिक पहुंच बनाए रखने का प्रयास भी जारी है। यही संतुलन भारत की सबसे बड़ी कूटनीतिक शक्ति है। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में किसी एक पक्ष के साथ पूर्ण रूप से खड़े होने के बजाय भारत संवाद, शान्ति और कूटनीतिक समाधान का समर्थन करता है। यही कारण है कि विश्व समुदाय भारत को एक जिम्मेवार और संतुलित वैश्विक शक्ति के रूप में देखने लगा है। भारत का उद्देश्य युद्ध में किसी पक्ष की विजय सुनिश्चित करना नहीं, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता, अंतरराष्ट्रीय कानून के सम्मान और मानवीय मूल्यों की रक्षा करना है। युद्ध का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव ऊर्जा बाजार पर दिखाई देता है। जैसा ही पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ता है, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में अस्थिरता आ जाती है। तेल महंगा होने पर भारत का आयात बिल बढ़ता है, रुपये पर दबाव बढ़ता है, परिवहन महंगा होता है और उसका प्रभाव धीरे-धीरे प्रत्येक

उपभोक्ता तक पहुंचता है। खाद्यान्न, उर्वरक, औद्योगिक उत्पादन और निर्माण लागत तक प्रभावित होने लगती है। इसलिए पश्चिम एशिया का संकट भारत के लिए केवल विदेश नीति का नहीं, बल्कि आर्थिक नीति का भी गंभीर विषय है। इसी कारण भारत ने पिछले कुछ वर्षों में ऊर्जा स्रोतों को विविधीकरण पर विशेष बल दिया है। नवीकरणीय ऊर्जा, सौर ऊर्जा, ह्रीत हद्दोजन, एथेनॉल मिश्रण, सामरिक पेट्रोलियम भंडार और घरेलू उत्पादन को बढ़ाने के प्रयास इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा हैं। उद्देश्य स्पष्ट है—आयातित ऊर्जा पर निर्भरता कम करना और वैश्विक संकटों के प्रभाव को सीमित करना। पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव केवल युद्धरत देशों की सीमाओं तक सीमित नहीं है; इसका प्रभाव वैश्विक शक्ति संतुलन, ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री व्यापार, खाद्य आपूर्ति, अंतरराष्ट्रीय निवेश और कूटनीतिक समीकरणों तक स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। आज विश्व जिस बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है, उसमें प्रत्येक क्षेत्रीय संघर्ष वैश्विक प्रतिस्पर्धा का माध्यम बनता जा रहा है। अमेरिका अपने पारंपरिक सहायियों की सुरक्षा और क्षेत्रीय प्रभाव बनाए रखने का प्रयास कर रहा है, रूस अपनी रणनीतिक उपस्थिति को सुदृढ़ित करना चाहता है, चीन ऊर्जा आपूर्ति और बेल्ट एंड रोड परियोजनाओं के माध्यम से अपने आर्थिक हितों को सुदृढ़ कर रहा है, जबकि यूरोपीय देश ऊर्जा संकट और शरणार्थी समस्या जैसी चुनौतियों से जूझ रहे

हैं। ऐसे परिवेश में भारत को विदेश नीति की परीक्षा पहले से कहीं अधिक कठिन हो गई है। भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह है कि उसके पश्चिम एशिया के लाभार्थी समूह देशों के साथ घनिष्ट संबंध हैं। एक ओर इराक़ल भारत का महत्वपूर्ण रक्षा, कृषि और तकनीकी सहयोगी है, वहीं दूसरी ओर पश्चिम अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, कुवैत और ओमान भारत की ऊर्जा सुरक्षा, निवेश और प्रवासी भारतीयों के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। ईरान भी भारत की क्षेत्रीय रणनीति का एक महत्वपूर्ण भाग है, विशेषकर चाबहार बंदरगाह और मध्य एशिया तक संपर्क स्थापित करने की दृष्टि से। ऐसी स्थिति में भारत किसी एक पक्ष का अंधानुकरण नहीं कर सकता। उसे अपने राष्ट्रीय हितों, कूटनीतिक संतुलन और वैश्विक दायित्वों के बीच अत्यंत सावधानी से अंगे बढ़ना होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने पिछले एक दशक में पश्चिम एशिया के साथ संबंधों को नई ऊँचाई प्रदान की है। भारत ने युद्ध के प्रयास केवल पर्याप्तरीय कार्यक्रम नहीं हैं, बल्कि भविष्य के भू-राजनीतिक संकटों से भारत को सुरक्षित रखने की दीर्घकालिक रणनीति भी है। यदि भारत आयातित ऊर्जा पर अपनी निर्भरता क्रमशः कम करने में सफल होता है, तो पश्चिम एशिया जैसे क्षेत्रों में उत्पन्न संकटों का प्रभाव भी अपेक्षाकृत सीमित किया जा सकेगा। एक असह्यपूर्ण पक्ष प्रवासी भारतीयों का है। खाड़ी देशों में लाखों भारतीय कार्यरत हैं। वे

न केवल वहाँ की अर्थव्यवस्था में योगदान देते हैं, बल्कि भारत की अर्थव्यवस्था में भी बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा भेजते हैं। किसी भी युद्ध या राजनीतिक अस्थिरता की स्थिति में उनकी सुरक्षा, निकासी और पुर्नवास भारत सरकार को प्राथमिक जिम्मेदारी बन जाती है। पिछले वर्षों में भारत ने विभिन्न संकटों के दौरान अपने नागरिकों को सुरक्षित वापस लाने की क्षमता का परिचय दिया है। भविष्य में भी ऐसी मानवीय और रणनीतिक तैयारी को और अधिक सुदृढ़ करना आवश्यक होगा। युद्ध का सबसे बड़ा दुष्परिणाम मानवीय त्रासदी होती है। हजारों निर्दोष नागरिक विस्थापित होते हैं, बच्चे शिक्षा से वंचित हो जाते हैं, अस्पताल और नागरिक ढाँचे प्रभावित होते हैं तथा सामान्य जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। इसलिए भारत का यह दृष्टिकोण कि विवादों का समाधान संवाद, कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय कानून के दायरे में खोजा जाना चाहिए, केवल आदर्शवादी नहीं बल्कि व्यावहारिक भी है। स्थायी शान्ति किसी भी पक्ष की पूर्ण सैन्य विजय से अधिक टिकाऊ कूटनीतिक समाधान से आती है। आज विश्व एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहाँ युद्ध किसी राष्ट्र की शक्ति का नहीं, बल्कि मानवता की सामूहिक विफलता का प्रतीक बनते जा रहे हैं। भारत की प्राचीन सांस्कृतिक परंपरा सदैव "वसुधैव कुटुम्बकः", "सर्वे भवन्तु सुखिनः" और "शांतिपूर्ण सहे-अहिंसा" की भावना का समर्थन करती रही है।

अंतिम छोर तक पहुंच बनाने के लिए सड़कें अनिवार्य हैं। राष्ट्रीय रासमार्गों, निर्माणों से सैन्य से जुड़े संपर्क मार्गों के निर्माण से सीमा और नागरिक दोनों तरह की आवाजाही आसान होती है। इससे स्थानीय लोगों को अस्पताल, बाजार, शिक्षा और रोजगार के केंद्रों तक पहुंच मिलती है। सड़क नेटवर्क मजबूत होने का एक अन्य लाभ यह है कि किसी एक मार्ग पर दबाव पड़ने की स्थिति में यातायात को दूसरे मार्ग पर मोड़ा जा सकता है। इसलिए सिलिगुड़ी कॉरिडोर के आसपास सड़क नेटवर्क का विस्तार केवल सैन्य तैयारी नहीं, बल्कि क्षेत्रीय विकास और आपदा प्रबंधन का भी महत्वपूर्ण हिस्सा है। किसी रणनीतिक क्षेत्र की सुरक्षा केवल सैनिकों और हथियारों से नहीं होती। मजबूत पुल, चंडी सड़कें, सड़क रेल लाइन, पर्याप्त भंडारण केंद्र, ईंधन डिपो, संचार व्यवस्था और बिजली आपूर्ति भी सुरक्षा ढांचे का हिस्सा होते हैं। यदि किसी क्षेत्र में सड़कें कमजोर हैं, पुल सीमित क्षमता वाले हैं और रेल नेटवर्क पर्याप्त नहीं है, तो संकट की स्थिति में सेना और नागरिक प्रशासन दोनों की कठिनाइयां बढ़ सकती हैं। इसके विपरीत मजबूत बुनियादी ढांचा किसी भी आपात स्थिति में प्रतिक्रिया की क्षमता बढ़ाता है। इसलिए सिलिगुड़ी कॉरिडोर के संदर्भ में इन्फ्रास्ट्रक्चर और राष्ट्रीय सुरक्षा

### भू-राजनीतिक दबाव

उचित ही इसे असहज करने वाली रवायत का हिस्सा बताया गया है, जिसमें भारत विश्व मंचों पर आतंकवाद विरोधी मुहिम चलाता है, लेकिन भू-राजनीतिक दबाव में हाथ आए संदिग्ध आतंकवादियों को अपने यहां से जाने देता है। म्यांमार से मणिपुर में सुथु कर उग्रवादियों ने चार नया नागरिकों की हत्या कर दी। इस घटना से मणिपुर में जारी हिंसा के साथ सीमा पर का पहलू जुड़े होने की फिर पुष्टि हुई है। वे वारदात उस समय हुई, जब अमेरिकी एजेंट मैथ्यू वॉनडाइक और छह यूक्रेनी ड्रोन विशेषज्ञों को भारत से बाहर जाने देने की इजाजत न मिल गई है। इन सभी को इस वर्ष मार्च में संदिग्ध स्थितियों में गिरफ्तार किया गया था। आरोप है कि ये सभी मणिपुर के रास्ते म्यांमार गए। इस मामले को भारत म्यांमार सीमा पर उग्रवादी गतिविधियों और विदेशी हस्तक्षेप की शिकायत से जोड़ कर देखा गया। वॉनडाइक अमेरिकी भाड़े का सैनिक है, जो सप्त अंग्रेज लिबर्टी इंटरनेशनल नामक विवादास्पद संस्था से जुड़ा है। लीबिया, सीरिया, इराक, और अफगानिस्तान जैसे युद्ध क्षेत्रों में उसकी भूमिका विवादास्पद रही है। भारत में भी पहले उस पर आतंकवाद से जुड़ी धारा लगाई गई, लेकिन कार्रवाई पेश करते वक्त यूएपीए हटा दिया गया। विपक्ष एवं कई सुरक्षा विशेषज्ञों ने इस पर कड़ा एतराज जताया था। उनका इल्जाम है कि अमेरिकी राजदूत सर्जियो गैर के हस्तक्षेप के कारण भारत सरकार ने इन लोगों पर नसी बरती।



जितेन्द्र कुमार सिन्हा, पटना

भारत के नक्शे पर कुछ ऐसे भू-भाग हैं, जिनका महत्व उनके आकार से कहीं अधिक होता है। पश्चिम बंगाल के उत्तर में स्थित सिलिगुड़ी कॉरिडोर ऐसा ही एक संवेदनशील और रणनीतिक क्षेत्र है। आम बोलचाल में इसे "चिकन नेक" भी कहा जाता है। यह संकरा भू-भाग भारत के मुख्य भूभाग को पूर्वोत्तर के आठ राज्यों- अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, त्रिपुरा और सिक्किम से जोड़ता है। इसलिए इसे केवल एक सड़क या रेल मार्ग नहीं, बल्कि देश की भौगोलिक एकता, आर्थिक गतिविधियों, सैन्य गतिशीलता और पूर्वोत्तर की जीवरेखा के रूप में देखा जाता है। भारत और बांग्लादेश के बीच लगभग 4,0९6 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय जमीनी सीमा है। इसके अलावा सिलिगुड़ी क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि इसके आसपास नेपाल, भूटान और बांग्लादेश की सीमाएं भी अपेक्षाकृत निकट है। यही

कारण है कि इस छोटे से भू-भाग का महत्व राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से असाधारण हो जाता है। सिलिगुड़ी कॉरिडोर की चौड़ाई अलग-अलग स्थानों पर बदलती है और सामान्यतः इसे लगभग 20 से 25 किलोमीटर के आसपास का संकरा भू-भाग माना जाता है। कई विश्लेषकों में इसकी चौड़ाई 22 से 28 किलोमीटर तक बताई जाती है। इसके पश्चिम में नेपाल और उत्तर में भूटान का क्षेत्र है, बल्कि दक्षिण की ओर बांग्लादेश स्थित है। यही भौगोलिक स्थिति इसे अत्यंत महत्वपूर्ण बनाती है। भारत का मुख्य भूभाग और पूर्वोत्तर क्षेत्र इस संकरे विविधारे के माध्यम से जुड़े हैं। यदि किसी कारण से इस संपर्क में गंभीर व्यवधान पैदा हो जाए, तो पूर्वोत्तर राज्यों तक सड़क, रेल, ईंधन, खाद्यान्न, औद्योगिक सामग्री और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आवाजाही प्रभावित हो सकती है। इसलिए सिलिगुड़ी कॉरिडोर को समझना केवल सीमा सुरक्षा को समझना नहीं है। यह भारत की कनेक्टिविटी, आर्थिक सुरक्षा और राष्ट्रीय एकीकरण को समझने का भी विषय है। पूर्वोत्तर भारत प्राकृतिक संसाधनों, जैव विविधता, जलविद्युत क्षमता और रणनीतिक भौगोलिक स्थिति के कारण महत्वपूर्ण है। लेकिन इसकी एक बड़ी विशेषता यह भी है कि अधिकांश पूर्वोत्तर राज्य देश के

शेष हिस्सों से भौगोलिक रूप से अलग स्थिति में हैं। देश के अन्य हिस्सों से पूर्वोत्तर की बड़ी मात्रा में वस्तुओं की आपूर्ति सड़क और रेल नेटवर्क के जरिए होती है। इस नेटवर्क का सबसे महत्वपूर्ण स्थलीय संपर्क सिलिगुड़ी क्षेत्र से होकर गुजरता है। सिलिगुड़ी, पेट्रोलियम उत्पाद, निर्माण सामग्री, औद्योगिक सामान, दवाइयां और रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के लिए यह मार्ग अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके अलावा पूर्वोत्तर से देश के दूसरे हिस्सों तक चाय, पेट्रोलियम, प्राकृतिक संसाधन, कृषि उत्पाद और अन्य सामान की आवाजाही भी इसी व्यापक परिवहन नेटवर्क से होती है। इसलिए इस कॉरिडोर की सुरक्षा केवल सेना की चिंता नहीं है। इसका सीमा संबंध करोड़ों लोगों की सामान्य जिन्दगी और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था से है। सिलिगुड़ी कॉरिडोर से गुजरने वाला सड़क और रेल नेटवर्क सामान्य परिस्थितियों में व्यापार और यातायात का माध्यम है, लेकिन संकट की स्थिति में इसका महत्व कई गुणा बढ़ जाता है। किसी भी सीमावर्ती क्षेत्र में सैन्य बलों की तैनाती और उनकी तेजी से आवाजाही के लिए सड़क और रेल दोनों की जरूरत होती है। भारी उपकरण, ईंधन, वाहन और अन्य सैन्य संसाधनों को तब तक पड़ सकता है। इसका अर्थ यह नहीं कि कॉरिडोर पर तत्काल कोई

परिवहन महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, जबकि सड़क नेटवर्क अंतिम छोर तक पहुंच उपलब्ध करता है। इसलिए पिछले वर्षों में उत्तर बंगाल और पूर्वोत्तर से जुड़े सड़क, रेल और पुल परियोजनाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है। उद्देश्य केवल यात्रा को आसान बनाना नहीं है, बल्कि एक से अधिक मार्गों के जरिए संपर्क क्षमता बढ़ाना भी है। सिलिगुड़ी कॉरिडोर की रणनीतिक संवेदनशीलता को एक प्रमुख कारण भारत-चीन सीमा से इसकी निकटता भी है। सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश भारत के ऐसे क्षेत्र हैं, जिनकी सीमाएं चीन से लगती हैं। सिक्किम के उत्तर में स्थित नाथू ला और आसपास का क्षेत्र लंबे समय से भारत की सुरक्षा व्यवस्था की चिंता नहीं है। इसका कारण भूटान का क्षेत्र आता है। इसी संदर्भ में डॉकलाम क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति भी महत्वपूर्ण है। डॉकलाम भारत, भूटान और चीन के निकट स्थित त्रि-जंक्शन क्षेत्र से जुड़ा है। 2017 में यहां भारत और चीन के बीच लंबा सैन्य गतिरोध हुआ था। उस घटनाक्रम ने दुनिया का ध्यान इस बात की ओर आकर्षित किया कि हिमालय के इस हिस्से में किसी भी रणनीतिक बदलाव का प्रभाव भारत के सिलिगुड़ी कॉरिडोर तक पड़ सकता है। इसका अर्थ यह नहीं कि कॉरिडोर पर तत्काल कोई

## कितना अहम है सिलिगुड़ी कॉरिडोर?

खतरा मौजूद है। बल्कि इसका अर्थ यह है कि इसकी भौगोलिक स्थिति ऐसी है, जिसके कारण भारत को यहां दीर्घकालिक रणनीतिक तैयारी बनाए रखनी पड़ती है। सिलिगुड़ी कॉरिडोर के दक्षिण में बांग्लादेश की स्थिति भी महत्वपूर्ण है। भारत-बांग्लादेश संबंधों में पिछले वर्षों में उत्पन्न अस्थिरता के क्षेत्र में कई बदलाव हुए हैं। भारत और बांग्लादेश के बीच सड़क, रेल और जलमार्ग संपर्क बढ़ने से पूर्वोत्तर के लिए वैकल्पिक कनेक्टिविटी की संभावनाएं मजबूत हुई हैं। चटगांव और मोंगला बंदरगाहों के उपयोग से पूर्वोत्तर के लिए समुद्री संपर्क के रास्ते भी विकसित हुए हैं। इसका रणनीतिक महत्व इसलिए है क्योंकि किसी एक मार्ग पर निर्भरता जितनी कम होगी, आपूर्ति व्यवस्था उतनी ही अधिक लचीली होगी। यानि भारत की नीति केवल सिलिगुड़ी कॉरिडोर को सुरक्षित रखने तक सीमित नहीं हो सकती। इसके साथ-साथ वैकल्पिक संपर्क मार्ग विकसित करना भी राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा है। आधुनिक युद्ध और संकट केवल सीमा पर सैनिकों की लड़ाई तक सीमित नहीं रहते। आपूर्ति शृंखला, परिवहन, ऊर्जा, संचार और बुनियादी ढांचे की निरंतरता भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। यदि किसी महत्वपूर्ण मार्ग पर प्राकृतिक आपदा, भूस्खलन, बाढ़, तकनीकी समस्या या

सुरक्षा संबंधी कारणों से यातायात बाधित हो जाए तो वैकल्पिक मार्ग तुरंत उपलब्ध होना जरूरी है। इसलिए पूर्वोत्तर के लिए भारत सड़क, रेल, हवाई और जलमार्ग, सभी माध्यमों को विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सिलिगुड़ी कॉरिडोर की सुरक्षा का वास्तविक अर्थ यही है कि यहां बहुस्तरीय और बहुविकल्पीय संपर्क व्यवस्था तैयार हो। पूर्वोत्तर भारत में रेल कनेक्टिविटी का विस्तार पिछले कुछ दशकों से राष्ट्रीय बुनियादी ढांचा नीति का प्रमुख हिस्सा रहा है। नए रेल मार्गों, विद्युतीकरण, दोहरीकरण और महत्वपूर्ण पुलों के निर्माण से माल एवं यात्री परिवहन की क्षमता बढ़ती है। सिलिगुड़ी क्षेत्र से जुड़े रेल नेटवर्क का विकास पिछले कुछ दशकों में सिलिगुड़ी कॉरिडोर के आसपास सड़क नेटवर्क का विस्तार केवल सैन्य तैयारी नहीं, बल्कि क्षेत्रीय विकास और आपदा प्रबंधन का भी महत्वपूर्ण हिस्सा है। किसी रणनीतिक क्षेत्र की सुरक्षा केवल सैनिकों और हथियारों से नहीं होती। मजबूत पुल, चंडी सड़कें, सड़क रेल लाइन, पर्याप्त भंडारण केंद्र, ईंधन डिपो, संचार व्यवस्था और बिजली आपूर्ति भी सुरक्षा ढांचे का हिस्सा होते हैं। यदि किसी क्षेत्र में सड़कें कमजोर हैं, पुल सीमित क्षमता वाले हैं और रेल नेटवर्क पर्याप्त नहीं है, तो संकट की स्थिति में सेना और नागरिक प्रशासन दोनों की कठिनाइयां बढ़ सकती हैं। इसके विपरीत मजबूत बुनियादी ढांचा किसी भी आपात स्थिति में प्रतिक्रिया की क्षमता बढ़ाता है। इसलिए सिलिगुड़ी कॉरिडोर के संदर्भ में इन्फ्रास्ट्रक्चर और राष्ट्रीय सुरक्षा

अंतिम छोर तक पहुंच बनाने के लिए सड़कें अनिवार्य हैं। राष्ट्रीय रासमार्गों, निर्माणों से सैन्य से जुड़े संपर्क मार्गों के निर्माण से सीमा और नागरिक दोनों तरह की आवाजाही आसान होती है। इससे स्थानीय लोगों को अस्पताल, बाजार, शिक्षा और रोजगार के केंद्रों तक पहुंच मिलती है। सड़क नेटवर्क मजबूत होने का एक अन्य लाभ यह है कि किसी एक मार्ग पर दबाव पड़ने की स्थिति में यातायात को दूसरे मार्ग पर मोड़ा जा सकता है। इसलिए सिलिगुड़ी कॉरिडोर के आसपास सड़क नेटवर्क का विस्तार केवल सैन्य तैयारी नहीं, बल्कि क्षेत्रीय विकास और आपदा प्रबंधन का भी महत्वपूर्ण हिस्सा है। किसी रणनीतिक क्षेत्र की सुरक्षा केवल सैनिकों और हथियारों से नहीं होती। मजबूत पुल, चंडी सड़कें, सड़क रेल लाइन, पर्याप्त भंडारण केंद्र, ईंधन डिपो, संचार व्यवस्था और बिजली आपूर्ति भी सुरक्षा ढांचे का हिस्सा होते हैं। यदि किसी क्षेत्र में सड़कें कमजोर हैं, पुल सीमित क्षमता वाले हैं और रेल नेटवर्क पर्याप्त नहीं है, तो संकट की स्थिति में सेना और नागरिक प्रशासन दोनों की कठिनाइयां बढ़ सकती हैं। इसके विपरीत मजबूत बुनियादी ढांचा किसी भी आपात स्थिति में प्रतिक्रिया की क्षमता बढ़ाता है। इसलिए सिलिगुड़ी कॉरिडोर के संदर्भ में इन्फ्रास्ट्रक्चर और राष्ट्रीय सुरक्षा

एक-दूसरे से अलग विषय नहीं है। सिलिगुड़ी कॉरिडोर की चर्चा अक्सर सैन्य और सामरिक संदर्भ में होती है, लेकिन इसका नागरिक महत्व भी उतना ही बड़ा है। उत्तर बंगाल के शहर, चाय उद्योग, पेट्रोल, कृषि व्यापार और स्थानीय बाजार इस पूरे परिवहन तंत्र से जुड़े हैं। दार्जिलिंग और सिक्किम जाने वाले पर्यटकों से लेकर असम और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों तक सामान पहुंचाने वाले व्यापारियों तक, बड़ी संख्या में लोग इस क्षेत्र की कनेक्टिविटी पर निर्भर हैं। इसलिए यहां सड़क और रेल का विकास स्थानीय अर्थव्यवस्था की भी गति देता है। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बनाया गया बुनियादी ढांचा जब स्थानीय नागरिकों के लिए भी उपयोगी होता है, तब उसका आर्थिक और सामाजिक लाभ कई गुना बढ़ जाता है। सिलिगुड़ी और उससे आगे पूर्वोत्तर की ओर जाने वाले क्षेत्रों में मानसून के दौरान भारी बारिश, बाढ़, भूस्खलन और नदी के ज

## संक्षिप्त समाचार

### कटकमसांडी प्रखंड में एसडीओ

### आदित्य पाण्डेय का औचक निरीक्षण,

### अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

**कटकमसांडी।** हजारीबाग के अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) श्री आदित्य पांडे ने कटकमसांडी प्रखंड क्षेत्र का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने कटकमसांडी प्रखंड मुख्यालय का औचक निरीक्षण कर विभिन्न कार्यों की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीओ ने कटकमसांडी अंचल कार्यालय से जुड़े कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने अंचल अधिकारी एवं कर्मचारियों को जमीन से संबंधित कागजी प्रक्रियाओं और म्यूटेशन (दाखिल-खारिज) के मामलों में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कार्यों का निष्पादन निर्धारित समय-सीमा के भीतर करने तथा आम लोगों को अनावश्यक पेशानियों का सामना न करना पड़े, इस दिशा में गंभीरता से कार्य करने पर जोर दिया। इसके बाद एसडीओ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कटकमसांडी पहुंचे, जहां उन्होंने मरीजों से बातचीत कर उनके स्वास्थ्य और अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को अस्पताल परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने तथा मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। वहीं, ग्राम पंचायत कंचनपुर के लुंडी गांव में चारदीवारी निर्माण को लेकर उत्पन्न विवाद की जानकारी मिलने पर एसडीओ स्वयं स्थल पर पहुंचे। उन्होंने मौके पर पहुंचकर संबंधित मामले को समझा और अंचल अधिकारी को मामले की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी पूजा कुमारी, अंचल अधिकारी अशिल कुमार गुप्ता, थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

### इटखोरी तालाब में इस बार बोटिंग का लुत्फ उठाएंगे श्रद्धालु, दो हाईस्पीड बोट का शुभारंभ



**इटखोरी।**इटखोरी टाल दुर्गा पूजा समिति की ओर से इस वर्ष श्रद्धालुओं और पर्यटकों के मनोरंजन के लिए खास पहल की गई है। समिति द्वारा इटखोरी टाल में दो हाईस्पीड स्पीड बोट लाई गई हैं। बोट के संचालन से पहले दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष व अन्य पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने विधिवत पूजा-पाठ कर इसका शुभारंभ किया। समिति के सदस्यों ने बताया कि बोटिंग की व्यवस्था तिलैया से उपलब्ध कराई गई है। साथ ही यहां मनोरंजन के लिए दो साइकिल बोट भी लाई जाएंगी। इस वर्ष दुर्गा पूजा के दौरान यहां आने वाले श्रद्धालु और पर्यटक इटखोरी टाल में बोटिंग का आनंद ले सकेंगे।

### सड़क हादसे में किसान की मौत, पत्नी गंभीर

**चाईबासा।** पश्चिमी सिंहभूम जिले में सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार किसान आकाश पूर्ति (50 )की मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी मीना पूर्ति गंभीर रूप से घायल हो गईं। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, आकाश पूर्ति पांडुशाली औपी क्षेत्र के पांडुशाली गांव के निवासी थे। शनिवार को वह अपनी पत्नी मीना पूर्ति के साथ सदर प्रखंड के मुफर्रिसल थाना क्षेत्र अंतर्गत बरकेला स्थित ससुराल गए थे। रविवार की रात दोनों मोटरसाइकिल से वापस अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान लगिया मोड़ के समीप अचानक उनकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई व सड़क किनारे एक पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पति-पत्नी दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने आकाश के ससुराल पक्ष को घटना की सूचना दी। इसके बाद उनके परिजनों को जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही परिवार के लोग मौके पर पहुंचे व दोनों घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल चाईबासा ले जाने लगे। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने जांच के बाद आकाश पूर्ति को मृत घोषित कर दिया। परिजनों के अनुसार, अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में उनकी मौत हो गई थी। दुर्घटना में घायल मीना पूर्ति का सदर अस्पताल में उपचार जारी है। उनके दाहिने हाथ में गंभीर चोट आई है व हाथ टूट गया है। आकाश की बहन क्रिस्टीना बानरा व बेटे हरिचरण पूर्ति ने बताया कि आकाश खेती-बाड़ी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके चार बच्चे हैं। परिवार की आजीविका का मुख्य सहारा आकाश ही थे।

### एसीबी की कार्रवाई से कर्मचारियों में आक्रोश, पलामू में काला बिल्ला लगाकर विरोध



**पलामू।** चतरा अनुमंडल कार्यालय में आठ अक्टूबर को हजारीबाग एसीबी की टैपिंग प्रक्रिया के विरुद्ध कर्मचारी संगठनों का आक्रोश बढ़ गया है। प्रधान लिपिक बासुदेव राम की गिरफ्तारी के बाद अब कर्मचारी संगठनों ने कार्रवाई के तरीके पर सवाल उठाते हुए आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। आन्दोलन का समर्थन करते हुए पलामू सभाहरणालय के कर्मचारियों ने सोमवार को काला बिल्ला लगाकर विरोध प्रदर्शन किया। सभी कर्मी अगले सात दिनों तक काला बिल्ला लगाकर विरोध दर्ज करेंगे। प्रदर्शन का नेतृत्व पलामू कलेक्ट्रेट के अध्यक्ष रंजय सिंह ने किया। उनके साथ मोहम्मद शकील, सुनील रजक, बख्तियार खान, सुशील तिवारी, संजय प्रसाद सहित अन्य शामिल थे। अध्यक्ष रंजय सिंह ने कहा कि झारखंड राज्य अनुसंचिवीय कर्मचारी संघ व झारखंड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ ने इस घटना की कड़ी निंदा की है। कहा कि भ्रष्टाचार के मामलों में कानून के तहत कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन इस दौरान कर्मचारियों की गरिमा, सुरक्षा व निर्धारित प्रक्रियाओं का भी पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। आरोप लगाया कि एसीबी की कार्रवाई के दौरान कर्मचारियों के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार किया गया व निर्धारित प्रक्रिया व पारदर्शिता का पालन नहीं किया गया। उन्होंने पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच कराने व मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुपालन की मांग उठाई है। कर्मचारी रंजीत कुमार सिंह के साथ कथित दुर्व्यवहार व धमकी दिए जाने के मामले को भी उठाया है। उपलब्ध वीडियो फुटेज के आधार पर पूरे मामले की जांच कराने व यदि किसी पदाधिकारी की गलती प्रमाणित होती है, तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की। चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर बिनाहत समय के भीतर उचित कार्रवाई नहीं होती है, तो चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया जाएगा।

### चतरा-सिमरिया रोड पर हथियार के साथ लातेहार का टीएसपीसी नक्सली समर्थक गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

**चतरा।**सिमरिया मुख्य मार्ग स्थित साईं नाथ लाइन होटल के पास से पुलिस ने हथियार के साथ एक टीएसपीसी नक्सली संगठन के एक समर्थक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान लातेहार जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत मुरपा गांव के भगिया बरवा टोली निवासी 40 वर्षीय मुकेश गंधू के रूप में हुई है। उसके पास से एक देशी कट्टा, 54 जिंदा गोलियां, छह मिसफायर गोलियां और दो खोखे बरामद किए गए हैं। आरोपी किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में इलाके की रेकी कर रहा था। इसकी जानकारी एसपी अनिमेष नैथानी ने सोमवार को अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। उन्होंने बताया कि 11 अक्टूबर को गुप्त सूचना मिली थी कि साईं नाथ लाइन होटल के पास एक व्यक्ति हथियार लेकर घूम रहा है और किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की तैयारी में है। सूचना के सत्यापन और आवश्यक



#### » देशी कट्टा और 54 जिंदा गोलियां बरामद

कि गिरफ्तार आरोपी को टीएसपीसी के एक नक्सली ने हथियार और कारतूस रखने दिया था। आरोपी राहुल दुबे गैंग से भी संपर्क में था। इस मामले में सदर थाना कांड संख्या 421/2026 के तहत आर्य्य एकट की धारा 25(1-B)A, 26 और 35 के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस आरोपी को जेल भेज दिया है। छापेमारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सजी वर्धन, सदर थाना प्रभारी पुलिस निरीक्षक अनिल उरांव, पुलिस अवर निरीक्षक सुनील कुमार, सहायक अवर निरीक्षक रवि रंजन कुमार तथा सदर थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

### अजमत-ए-वालिदैन कॉन्फ्रेंस का भत्य आयोजन, उलेमा ने बताए माता-पिता के हकूक

नई सोच एक्सप्रेस

**हजारीबाग।** मसरातू में सोमवार को अजमत-ए-वालिदैन कॉन्फ्रेंस का भत्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सैयद फैजान उल हुदा कादरी रहित प्रमुख उलेमा, धार्मिक विद्वानों एवं अकीदतमदों ने शिरकत की। कॉन्फ्रेंस का आयोजन महबूब आलम मिस्बाही और उनकी माता के उमराह के मुकद्दस सफर पर रवाना होने के उपलक्ष्य में किया गया। दोनों मंगलवार, 13 अक्टूबर को हजारीबाग से उमराह के लिए रवाना होंगे। इस मौके पर आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में माता-पिता के अधिकारों, उनकी खिदमत, सम्मान और औलाद की जिम्मेदारियों पर विस्तार से रोशनी डाली गई। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पीर-ए-तरीकत सैयद फैजान उल



हुदा कादरी (दरगाह पिंड शरीफ) शामिल हुए। इसके अलावा मुफ्ती मुबिन आलम मिस्बाही, मुफ्ती शाहिद हसन, शाह आलम, नूर हसन, मौलाना कलीमुद्दीन नूरी, महबूब आलम मिस्बाही, हाफिज व कारी मुमताज आलम, हाफिज यूसुफ, मौलाना हाशिम रजा और कारी शायमुद्दीन सहित अन्य धार्मिक विद्वानों ने भाग लिया। उलेमा ने अपनी तकरीर में कहा कि माता-पिता का सम्मान करना, उनकी सेवा करना और उनकी जरूरतों का ख्याल रखना औलाद की महत्वपूर्ण

### विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर के आवास पहुंचकर सांसद मनीष जायसवाल ने परिजनों से मिले, जताया शोक



नई सोच एक्सप्रेस

बरही के विधायक प्रतिनिधि सह भाजपा के वरिष्ठ नेता रमेश ठाकुर की माता स्व. बसंती देवी के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करते उनके आवास पर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल पहुंचे। उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर इस दु:ख की घड़ी में अपनी संवेदनाएं साझा कीं। सांसद मनीष जायसवाल अपने अतिव्यस्त कार्यक्रम के कारण वह दिवंगत बसंती देवी के बारहवें के अवसर पर उपस्थित नहीं हो सके थे। इसीलिए सोमवार को उनके आवास पहुंचकर उन्होंने शोकाकुल परिवार को

सांत्वना दी। **अधिवक्ता सोनिका कुमारी चौरसिया के कार्यालय का सांसद ने किया उद्घाटन:**कटकमदाग प्रखंड के लुटा स्थित इंद्रप्रस्थ कॉलोनी में अधिवक्ता सोनिका कुमारी चौरसिया के कार्यालय का विधिवत उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि सांसद मनीष जायसवाल ने फीता काटकर किया । इस अवसर पर कार्यालय की शुरुआत के लिए सांसद मनीष जायसवाल ने उन्हें शुभकामनाएं दी गई साथ ही उम्मीद जताई गई कि यह कार्यालय स्थानीय लोगों को कानूनी मार्गदर्शन उपलब्ध कराने और उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

### शारदीय नवरात्र के दूसरे दिन पंडालों में पहुंचे जिला परिषद उम्मीदवार अरुण कुमार सिंह, मां दुर्गा का लिया आशीर्वाद

नई सोच एक्सप्रेस

**कान्हाचट्टी (चतरा)।**शारदीय नवरात्र के दूसरे दिन जिला परिषद उम्मीदवार अरुण कुमार सिंह का क्षेत्र दौरा रहा। उन्होंने सोमवार को प्रखंड के विभिन्न दुर्गा पूजा-पंडालों में पहुंचकर मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की और क्षेत्र की जनता की सुख-समृद्धि की कामना की।इस दौरान श्री सिंह ने तुलबुल, कान्हाचट्टी बाजार, तुलबुल चिलिहिया चौक, चारु, बाराबागी, राजपुर, सहित कई पूजा पंडालों में शामिल हुए। जहां-जहां वे पहुंचे, वहां पूजा संध्या के द्वारा फूल-माला पहनाकर उनका भव्य स्वागत किया गया। श्रद्धालुओं ने मां के जयकारों के साथ उनका अभिनंदन किया।अरुण कुमार सिंह ने प्रत्येक पंडाल में मां दुर्गा के समक्ष मस्था टेका, आरती में भाग लिया और पंडाल में मौजूद बुजुर्गों से आशीर्वाद लिया। उन्होंने मां की मूर्ति को भज्यता



और पंडालों की सजावट की सराहना की।इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शारदीय नवरात्र मां शक्ति की उपासना उनके साथ बढ़ी संख्या में समर्थक, कार्यकर्ता, वार्ड सदस्य, मुखिया प्रतिनिधि और स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद थे। दर शाम तक उनका दौरा जारी रहा और कई जगहों पर उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनीं। मौके पर उपस्थित तुलबुल दुर्गा पूजा समिति का अध्यक्ष पिंटू यादव एवं कोषाध्यक्ष टिकू पासवान सचिव भरोष यादव, चिलिहिया चौक पूजा समिति अध्यक्ष अरविंद कुमार प्रजापति, सचिव प्रदीप राणा, कोषाध्यक्ष बालेश्वर साव,उमेश केसरी, जयनंदन भारती,

हमेशा जनता के बीच रहता हूं और क्षेत्र की सेवा करना ही मेरा लक्ष्य है। आगामी जिला परिषद चुनाव में यदि जनता मुझे सेवा करने का मौका देती है, तो विकास कार्यो को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना मेरी प्राथमिकता होगी। उन्होंने युवाओं से पूजा को शांतिपूर्ण और भक्तिमय माहौल में मनाने की अपील की।इस दौरान उनके साथ बड़ी संख्या में समर्थक, कार्यकर्ता, वार्ड सदस्य, मुखिया प्रतिनिधि और स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद थे। दर शाम तक उनका दौरा जारी रहा और कई जगहों पर उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनीं। मौके पर उपस्थित तुलबुल दुर्गा पूजा समिति का अध्यक्ष पिंटू यादव एवं कोषाध्यक्ष टिकू पासवान सचिव भरोष यादव, चिलिहिया चौक पूजा समिति अध्यक्ष अरविंद कुमार प्रजापति, सचिव प्रदीप राणा, कोषाध्यक्ष बालेश्वर साव,उमेश केसरी, जयनंदन भारती,

### हजारीबाग में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की अनोखा उपायुक्त

नई सोच एक्सप्रेस

**हजारीबाग।**जिला मुख्यालय स्थित समाहरणालय भवन में उपायुक्त हेमन्त सती की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों में बिजली व्यवस्था, दवाओं की उपलब्धता, एक्स-रे मशीनों की क्रियाशीलता, मानवबल और रक्त की उपलब्धता समेत विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं की गहन समीक्षा की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने इस बात पर गहरी नाराजगी जताई कि कई स्वास्थ्य केंद्रों में दवाओं की उपलब्धता से संबंधित सूचियां केवल अंग्रेजी में अंकित हैं, जिससे ग्रामीण इलाकों से आने वाले मरीजों को समझने में परेशानी होती है। इसे गंभीरता से लेते हुए उन्होंने सभी स्वास्थ्य केंद्रों में दवाओं की सूची अनिवार्य रूप से हिंदी में अंकित करने के निर्देश



दिए। इसके साथ ही, स्वास्थ्य केंद्रों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए स्थापित सोलर पैनलों की क्रियाशीलता की जांच की गई और आवश्यकतानुसार नए सोलर पैनल लगाने को कहा गया। सदर अस्पताल के मेडिकल कॉलेज जांच केंद्रों में अनियमितता की शिकायतों पर कड़ा रुख अपनाते हुए उपायुक्त ने उप विकास आयुक्त को औचक निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों और आम जनता को समय पर रक्त उपलब्ध कराने के लिए बैठक में विशेष चर्चा हुई। उपायुक्त ने अगले 15 दिनों के भीतर

स्थल चयन समेत ब्लड सेपरेटर मशीन के अधिष्ठापन की सभी प्रक्रियाएं पूरी करने का सख्त निर्देश दिया. आगामी 15 नवंबर तक जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों में एम्बुलेंस उपलब्ध करा दी जाएंगी, ताकि मरीजों को समय पर उच्च चिकित्सा केंद्रों तक पहुंचाया जा सके। सिविल सर्जन को निर्देश दिया गया कि वे एक ही संस्थान में तीन साल से अधिक समय से पदस्थापित पारा चिकित्सा कर्मियों के स्थानांतरण की संचिका उपा विकास आयुक्त के माध्यम से उपायुक्त के समक्ष प्रस्तुत करें। सदर अस्पताल में मानवबल उपलब्ध कराने वाली आउटसोर्स एजेंसी के कार्यों की निर्यमित समीक्षा और मूल्यांकन करने को कहा गया है। बैठक के अंत में उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से इन निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने और जिले की स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता व गुणवत्ता लाने के निर्देश दिए।

### हेमंत सोरेन की माता के निधन पर जनप्रतिनिधियों ने जताया शोक



नई सोच एक्सप्रेस

**नेमरा (रामगढ़)।**मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सोमवार को नेमरा स्थित उनके पैतृक आवास पर झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो, राज्यसभा सांसद डॉ. सरफराज अहमद, विधायक सीपी सिंह, चंद्र देव महतो और बिहार के बोधगया विधायक कुमार सर्वजीत ने मुलाकात की। इस दौरान पूर्व विधायक डॉ. जीतू चरण राम और सौरभ नारायण सिंह भी मौजूद रहे। सभी जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री की



माता स्वर्गीय रूपी सोरेन के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की।

### हजारीबाग में दशहरा और डांडिया-गरबा नाइट्स को लेकर सुरक्षा सख्त: सांसद प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने एसपी अमन कुमार से की मुलाकात, सौंपा पत्र

नई सोच एक्सप्रेस

**हजारीबाग।**आगामी दशहरा-2026 और इस दौरान होने वाले डांडिया-गरबा आयोजनों में सुरक्षा व विधि-व्यवस्था सुनिश्चित करने को लेकर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल के निर्देश पर उनके मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने पुलिस अधीक्षक अमन कुमार से समाहरणालय स्थित उनके कार्यालय में मुलाकात की। मुलाकात के दौरान रंजन चौधरी ने एसपी को एक औपचारिक पत्र सौंपकर महिला सुरक्षा, यातायात नियंत्रण और असामाजिक तत्वों पर सख्ती बरतने की विशेष मांग की। इसके साथ ही, दुर्गा पूजा पंडालों और ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाले सांस्कृतिक आयोजनों के लिए पुख्ता सुरक्षा प्रबंधों पर भी विस्तृत चर्चा की गई। महिला सुरक्षा एवं बल की प्रमुख आयोजन स्थलों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल और महिला पुलिसकर्मियों की व्यवस्था करने के साथ-साथ तैनाती।= शहर के चौक-चौराहों पर



लगे सीसीटीवी कैमरों को दुरुस्त कर उनसे सुरक्षा निगरानी रखना। छेड़छाड़ और नशे में वाहन चलाने वाले (ड्रिंक एंड ड्राइव) तत्वों के खिलाफ त्वरित और कड़ी कार्रवाई। यातायात नियंत्रण के साथ-साथ पार्किंग और भीड़भाड़ वाले इलाकों

में सुगम व्यवस्था का प्रावधान। सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने कहा कि डांडिया और गरबा जैसे सांस्कृतिक आयोजनों में महिलाओं, बच्चों और परिवारों की बड़ी भागीदारी होती है। ऐसे में यह बेहद जरूरी है कि पुलिस-प्रशासन और आयोजकों

### गरीब दुकानदारों को उजाड़ना बंद करे नगर निगम, डोरंडा में जनता बाजार बनाने की मांग

नई सोच एक्सप्रेस

**रांची।** झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने डोरंडा में अतिक्रमण हटाने के नाम पर दुकानों को तोड़े जाने की कार्रवाई की निंदा की है। उन्होंने रांची नगर निगम से गरीब दुकानदारों के पुनर्वास की व्यवस्था करने और डोरंडा में जनता बाजार का निर्माण कराने की मांग की है। नायक ने कहा कि वर्षों से छोटी-छोटी दुकानें चलाकर परिवार का भरण-पोषण करने वाले दुकानदारों की आजीविका उजाड़ना समस्या का समाधान नहीं है। अतिक्रमण हटाने से पहले प्रशासन को प्रभावित दुकानदारों के लिए वैकल्पिक स्थान और रोजगार की व्यवस्था करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि डोरंडा में पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने 6 जनवरी 1994 को जनता बाजार का शिलान्यास किया था, लेकिन अब तक इसका निर्माण नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण है। जनता बाजार बनने से छोटे दुकानदारों और



फुटपाथ व्यवसायियों को व्यवस्थित जगह मिल सकेगी तथा अतिक्रमण की समस्या का स्थायी समाधान भी संभव होगा। कांग्रेस प्रवक्ता ने नगर निगम से कार्रवाई की समीक्षा करने, प्रभावित दुकानदारों को वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध कराने और जनता बाजार निर्माण की योजना शीघ्र लागू करने की मांग की। उन्होंने कहा कि शहर का विकास गरीबों को उजाड़कर नहीं, बल्कि उन्हें साथ लेकर किया जाना चाहिए।

# कील की सेज पर रूपा देवी की साधना, उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

नई सोच एक्सप्रेस

**रामगढ़।** नवरात्रि के पावन अवसर पर मां दुर्गा की भक्ति व आस्था का अनूठा नजारा रामगढ़ जिले के बरकाकाना क्षेत्र में देखने को मिल रहा है। पोचरा स्थित झोपडी टोला की रहने वाली रूपा देवी अपनी कठिन साधना व अटूट श्रद्धा को लेकर इन दिनों चर्चा में हैं। नवरात्रि के दौरान रूपा देवी लोहे की नुकीली कील से बनी सेज पर लेटकर अपने पेट पर कलश धारण करती हैं व मां दुर्गा की आराधना में लीन रहती हैं। सोमवार को उनकी इस साधना को देखने के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों से श्रद्धालुओं का पहुंचना रहा है। स्थानीय श्रद्धालुओं के बीच रूपा देवी की साधना को लेकर गहरी आस्था है।



भक्तों का मानना है कि मां दुर्गा अपने भक्तों की प्रार्थनाएं सुनती हैं व सच्चे मन से मांगी गई मुरादे पूरी करती हैं। इसी विश्वास के साथ लोग रूपा देवी के दर्शन करने व माता रानी का आशीर्वाद लेने पहुंच रहे हैं। हालांकि, मनोकामना पूरी होने से जुड़ी मान्यताएं श्रद्धालुओं की आस्था पर आधारित हैं। रूपा देवी के पति राजेश राम ने बताया

कि पिछले 12 वर्षों से वह लगातार मां दुर्गा की आराधना कर रही हैं। पिछले तीन वर्षों से वह नवरात्रि के दौरान लोहे की नुकीली कीलों से बनी सेज पर आसन ग्रहण कर कठिन साधना कर रही हैं। उनकी इस अनूठी साधना को देखने के लिए प्रतिदिन श्रद्धालुओं की भीड़ जुट रही है। रूपा देवी की सास बंदनी देवी ने बताया कि इस धार्मिक

» 12 वर्षों से लगातार कर रहीं मां दुर्गा की साधना

आयोजन की चर्चा झारखंड तक सीमित नहीं है। बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल व ओडिशा सहित पांच राज्यों से श्रद्धालु यहां पहुंच रहे हैं। भक्त माता रानी के जयकारे लगाते हुए पूजा-अर्चना में शामिल हो रहे हैं। पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है। नवरात्रि के दौरान रूपा देवी की साधना लोगों के बीच चर्चा व आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। श्रद्धालुओं के लिए यह आयोजन जहां आस्था व विश्वास का प्रतीक है, वहीं रूपा देवी की वर्षों से चली आ रही आराधना उनकी धार्मिक निष्ठा को दर्शाती है।

## दुर्गा पूजा से पहले सिसई व गुमला में मिलावटखोरों पर प्रशासन का कड़ा प्रहार: दुकानों पर छापा, नमूनों की जांच शुरू होते ही व्यापारियों में हड़कंप

नई सोच एक्सप्रेस

**गुमला।** दुर्गा पूजा के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिलावटखोरी व अमानक खाद्य सामग्री के खिलाफ विशेष अभियान शुरू कर दिया है। त्योहारों के दौरान जनता की सेहत से खिलवाड़ रोकने के उद्देश्य से चलाए जा रहे इस अभियान से सिसई व गुमला के व्यवसायियों व मिलावटखोरों में हड़कंप मच गया है। अभियान की शुरूआत सिसई स्थित बीएन जालान कॉलेज में सोमवार को आयोजित एनसीसी शिविर से हुई। यहां खाद्य सुरक्षा विभाग के तत्वावधान में आयोजित विशेष सत्र में 300 से अधिक एनसीसी कैडेट्स व विद्यार्थियों को मिलावट की पहचान करने के गुर सिखाए गए। अभियान का नेतृत्व खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी प्रकाश चंद्र गुप्ती, कुमार प्रभाकर, आशा राज व तंबाकू निषेध पदाधिकारी वंदना रिस्ता होरो ने किया। अधिकारियों ने कैडेट्स को प्रयोगिक तौर पर दिखाया कि दूध के नमूने में टिकचर आयोडीन मिलाने पर यदि रंग बदलकर गहरा काला या नीला हो जाए, तो उसमें हानिकारक स्टार्च की मिलावट साफ हो जाती है। ताजे व खराब अंडों की पहचान के साथ पौष्टिक तत्वों



से भरपूर फोर्टिफाइड खाद्य पदार्थों पर अंकित 'नएफ' लोगों की जांच का तरीका सिखाया गया। कैडेट्स को 'ईट राइट इंडिया' अभियान के तहत भोजन में तेल, चीनी व नमक की मात्रा घटाने व पौष्टिक आहार अपनाने की शपथ दिलाई गई। जागरूकता शिविर के तत्काल बाद प्रशासनिक अमले ने बाजार में औचक निरीक्षण शुरू किया। त्योहारी सीजन को देखते हुए प्रशासन की टीम ने थाना रोड स्थित कई प्रमुख प्रतिष्ठानों व सरकारी गोदामों में दबिश दी। निरीक्षण के दौरान मेसर्स राजेश किराना, मेसर्स अनु किराना स्टोर, मेसर्स नेहा स्टोर, मेसर्स सनंत कुमार केशरी, मेसर्स होटल अमर व मेसर्स शिव शक्ति का निरीक्षण किया। साथ

ही मेसर्स अनु किराना स्टोर से चायपत्ती, मेसर्स नेहा स्टोर से मिक्स आचार, मेसर्स सनंत कुमार केशरी से मसाला व मैदा, वहीं झारखंड राज्य खाद्य निगम (जेएसएफसी) गोदाम से चावल के नमूनों को मौके पर ही विधिवत सील कर जांच के लिए राज्य खाद्य जांच प्रयोगशाला भेज दिया गया है। साथ ही टेला-खोमचा पर चाट, पकोड़े, छोले में उपयुक्त होने वाले रंग की भी जांच की गई व औद्योगिक रंग की पुष्टि होने पर छोले को तत्काल नष्ट कराया गया व दुकानदार पर जुर्माना भी किया जायेगा। अधिकारियों ने कड़े शब्दों में चेतावनी दी है कि दुर्गा पूजा के दौरान बाजार में बिकने वाले खाद्य पदार्थों की शुद्धता पर प्रशासन की पैनी नजर है। जांच रिपोर्ट में किसी भी प्रकार की मिलावट, अमानक स्तर या तय मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों व कारोबारियों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा व मानक अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर सख्त कार्रवाई कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने दो दृक स्पष्ट किया है कि यह जांच अभियान केवल त्योहार तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि त्योहार बीतने के बाद भी मिलावटखोरों पर नेचल कसने के लिए यह कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

गांधी हाई स्कूल में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन, 151 छात्रा व महिलाओं की हुई जांच



**कोडरमा।** खान सुरक्षा महानिदेशालय डीजीएमएस के तत्वावधान में झुमरीतिलैया स्थित गांधी उच्च विद्यालय में स्वास्थ्य जागरूकता, सशक्तीकरण व स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन सोमवार को किया गया। सीबीएम एसेट, ओएनजीसी, अशरफी चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त प्रयास से यह शिविर आयोजित की गई। मौके पर शिविर में विद्यालय की छात्राओं, उनकी माताओं व स्थानीय महिलाओं सहित कुल 151 लाभार्थियों के स्वास्थ्य जांच की गई। डा. राधिका व डा. सुमेधा, डा. श्वेता शर्मा तथा सीसीएल से डा. सुभेदु शर्मा व ओएनजीसी के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि खान सुरक्षा निदेशक श्याम मिश्रा व शोभा मिश्रा उपस्थित थे। शोभा मिश्रा ने महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने, नियमित स्वास्थ्य जांच कराने, संतुलित पोषण व स्वच्छता को दैनिक जीवन में अपनाने का संदेश दिया। वहीं श्याम मिश्रा ने कहा कि पहले खनन क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी न के बराबर थी, लेकिन आज महिलाएं दिन-रात, ओपनकास्ट व अंडग्राउंड खदानों में कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य व सुरक्षित कार्य वातावरण उपलब्ध कराने के मद्देनजर इस तरह के शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में शामिल पत्थर उद्योग संघ के पंकज सिंह ने इस तरह के आयोजन की सराहना की व कहा कि महिलाएं पूरी तरह से स्वस्थ रहेंगी तो पुरा परिवार व समाज स्वस्थ होगा। मौके के स्कूल के छात्र छात्राओं के अलावे शिक्षक व शिक्षिकाएं मौजूद रही।

महिलाओं की सुरक्षा पर भाजपा महिला मोर्चा ने राहुल गांधी से मांगा जवाब

**रामगढ़।** महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान व न्याय के मुद्दे पर सोमवार को रामगढ़ में भाजपा महिला मोर्चा ने कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोला। जिलाध्यक्ष शीतल सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने ब्लॉक चौक से अनुमंडल कार्यालय तक विरोध मार्च निकाला व कांग्रेस व राहुल गांधी के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने महिलाओं से जुड़े संवेदनशील मामलों में कांग्रेस नेतृत्व की चुप्पी व रुख पर सवाल उठाते हुए जवाबदेही तय करने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव सिंह बावला ने जेएनयू के प्रोफेसर व कांग्रेस सांसद डॉ. अंगोमचा बिमोल अकोइजम से जुड़े यौन उत्पीड़न के मामले का उल्लेख करते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि ऐसे संवेदनशील मामलों में पंडित को न्याय मिलना चाहिए व आरोपों की पुष्टि होने पर कानून के अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष शीतल सिंह ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा व सम्मान जैसे गंभीर मुद्दों पर राजनीतिक दलों को दोहरे मापदंड नहीं अपनाना चाहिए। उन्होंने मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच हो, पंडित को न्याय मिले व महिलाओं से जुड़े मामलों में राजनीतिक नेतृत्व की जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने महिला सम्मले के मुद्दे पर स्पष्ट व जिम्मेदार रख अपनाने पर जोर दिया। प्रदर्शन में डॉ. संजय प्रसाद सिंह, बलराम महतो, रेखा देवी, लक्ष्मी देवी, रमेश करमाली, शिव कुमार महतो, बबलू साव, मनोज महतो, राजीव पामरुत, विजय जायसवाल, सरदार अमोल सिंह, राँबिन गुप्ता, युवा नेता शशि शंकर सिंह, राजेश ठाकुर, कुणाल दास, मंडल अध्यक्ष रूपा साहू सहित भाजपा के कई नेता व महिला मोर्चा की कार्यकर्ता शामिल हुईं।

सिमडेगा पुलिस की त्वरित कार्रवाई, नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म के आरोप में शिक्षक गिरफ्तार

**सिमडेगा।** जिला के केरसई थाना क्षेत्र में करीब 10 वर्षीय नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म के गंभीर मामले में सिमडेगा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी शिक्षक जलेन कुजूर को गिरफ्तार किया है। आरोपी केरसई थाना क्षेत्र के एक प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक के पद पर कार्यरत है। उस पर अपनी ही छात्रा के साथ लंबे समय से जबरन दुष्कर्म करने तथा इस संबंध में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया गया है। पुलिस के अनुसार, 11 अक्टूबर 2026 को पीड़िता की नानी ने केरसई थाना में लिखित आवेदन देकर मामले की शिकायत की। आवेदन में आरोप लगाया गया कि शिक्षक जलेन कुजूर बच्ची के साथ लंबे समय से जबरन दुष्कर्म कर रहा था। साथ ही, घटना के बारे में किसी को जानकारी देने पर उसे जान से मारने की धमकी भी दी जा रही थी। लिखित आवेदन के आधार पर केरसई थाना कांड संख्या 26/26, दिनांक 11 अक्टूबर 2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 65(2) व 351(3) तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 4/6 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। इसके बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की। मामले को गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक, सिमडेगा के निर्देश पर केरसई थाना पुलिस की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी शिक्षक जलेन कुजूर, पिता मेल कुशाल कुजूर, निवासी थाना क्षेत्र केरसई, जिला सिमडेगा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी को 12 अक्टूबर 2026 को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। नाबालिग से जुड़े इस संवेदनशील मामले में पीड़िता की पहचान गोपनीय रखी गई है। मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है।

## देशसेवा के जज्बे से रूबरू हुए ग्रिजली विद्यालय के विद्यार्थी, पूर्व छात्र हर्षित ने साझा किए सशस्त्र बलों में करियर के अनुभव

नई सोच एक्सप्रेस

**कोडरमा।** छात्रों को सशस्त्र बलों में करियर की संभावनाओं से परिचित कराने व उनमें अनुशासन, साहस, नेतृत्व क्षमता व राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करने के उद्देश्य से तिलैया डैम स्थित ग्रिजली विद्यालय के विद्यार्थी सेवा प्रकोष्ठ की ओर से विद्यालय के सभागार में एक विशेष मार्गदर्शन सत्र का आयोजन किया गया। 'सशस्त्र बलों में करियर मार्गदर्शन व जीवन के महत्वपूर्ण सबक' विषय पर आयोजित इस सत्र में विद्यालय के पूर्व छात्र व भारत-तिब्बत सीमा पुलिस में सहायक सेनानी के पद पर कार्यरत हर्षित मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। वर्ष 2019 में विद्यालय से अपनी पढ़ाई पूरी करने वाले हर्षित ने संघ लोक सेवा आयोग की केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल परीक्षा, 2023 में सफलता प्राप्त की थी। वर्तमान में

वे भारत-चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा के निकट दुर्गम व चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में देश की सेवा कर रहे हैं। विद्यालय के सीईओ प्रकाश गुप्ता ने उन्हें स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर शिक्षक एस. के. जायसवाल, नागेंद्र कुमार व रथिन सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। अपने अनुभव साझा करते हुए हर्षित ने बताया कि सशस्त्र बलों में सेवा केवल वरदी पहनने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह अनुशासन, जिम्मेदारी, धैर्य, दृढ़

संकल्प व राष्ट्र को सर्वोपरि रखने की भावना का प्रतीक है। प्रतिकूल मौसम व कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में कर्तव्यों का निर्वहन व्यक्ति को मानसिक रूप से मजबूत बनाता है व उसके नेतृत्व कौशल को निखारता है। उन्होंने सशस्त्र बलों में महिलाओं की बढ़ती भूमिका व समान अवसरों पर भी प्रकाश डाला। विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि साहस, नेतृत्व व जिम्मेदारी किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं

» भारत-तिब्बत सीमा पुलिस में सहायक सेनानी हर्षित ने विद्यार्थियों को अनुशासन, साहस, नेतृत्व क्षमता व राष्ट्रसेवा का दिया संदेश

हैं। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखने, समस्याओं का समाधान खोजने व असफलताओं के बावजूद निरंतर प्रयास करते रहने की सलाह दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि अनुशासन का अर्थ केवल नियमित दिनचर्या अपनाना नहीं, बल्कि प्रत्येक जिम्मेदारी को ईमानदारी व निष्ठा के साथ निभाना भी है। सत्र के दौरान हर्षित ने विद्यार्थियों को अपनी रुचि, क्षमता व सीमाओं को पहचानकर करियर संबंधी निर्णय लेने की सलाह दी। उन्होंने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, संयुक्त रक्षा सेवा परीक्षा, वायु सेना

सामान्य प्रवेश परीक्षा व तकनीकी सहित चिकित्सा क्षेत्रों के माध्यम से सशस्त्र बलों में प्रवेश के विभिन्न अवसरों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि देश की सेवा करने का सपना देखने वाले विद्यार्थियों को शुरूआत से ही अपने व्यक्तित्व, मानसिक दृढ़ता, निर्णय क्षमता व अनुशासन पर ध्यान देना चाहिए। संवादात्मक सत्र में विद्यार्थियों ने सशस्त्र बलों में करियर, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, अधिकारी बनने की प्रक्रिया व चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में कर्तव्यों के निर्वहन से संबंधित प्रश्न पूछे। नव्या गुप्ता, आनुप, खुशी, निक्षिता रानी व प्रतीक सहित अन्य विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। हर्षित ने उनकी जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्हें लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने, नियमित अध्ययन करने व आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के सीईओ

प्रकाश गुप्ता व प्राचार्या अंजना कुमारी ने हर्षित की उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि अपने पूर्व छात्र को देश की सीमाओं पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाते देखना विद्यालय के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रेरणादायक सत्र विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य निर्धारित करने, अनुशासन अपनाने व राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पित होने की प्रेरणा देते हैं। इस सत्र के सफल आयोजन में विद्यार्थी सेवा प्रकोष्ठ के समन्वयक सुधांशु कुमार व उनके सहायक आलोक कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन सुमित के. सिन्हा ने किया। इस प्रेरणादायक सत्र ने विद्यार्थियों को सशस्त्र बलों में करियर की संभावनाओं के साथ-साथ जीवन में साहस, आत्मविश्वास, जिम्मेदारी व कर्तव्यनिष्ठा के महत्व को समझने का अवसर प्रदान किया।

## राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क सुरक्षा उपायों को शीघ्र पूरा करने का डीसी ने दिया निर्देश

नई सोच एक्सप्रेस

**कोडरमा।** समाहरणालय सभागार में सोमवार को डीसी उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में राष्ट्रीय राजमार्ग सड़क सुरक्षा कार्यबल की बैठक

की गई। बैठक में सड़क सुरक्षा से संबंधित पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुपालन व कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में डीसी ने एनएचआई के अधिकारियों को राष्ट्रीय राजमार्ग पर दुर्घटना संभावित व संवेदनशील स्थलों पर आवश्यक सड़क सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने इन स्थलों पर सड़क सुरक्षा से संबंधित साइनेज बोर्ड व रंबल स्ट्रिप लगाने पर विशेष जोर दिया। साथ ही, चिन्हित स्थलों पर रंबल स्ट्रिप, सोलर ब्लिंकर, जेब्रा क्रॉसिंग व साइनेज बोर्ड लगाने के कार्यों की समीक्षा करते हुए शेष कार्यों को शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त, जेजे कॉलेज से बागीटांड स्टेडियम तक सड़क

चौड़ीकरण व स्ट्रीट लाइट लगाने, राष्ट्रीय राजमार्ग पर अनधिकृत पार्किंग पर रोक लगाने व सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को हटाने से संबंधित कार्यों की भी समीक्षा की गई। डीसी ने संबंधित पदाधिकारियों व एनएचआई के अधिकारियों को लयबद्ध सड़क सुरक्षा कार्यों में तेजी लाते हुए उन्हें निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने व राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुरक्षित व सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में अपर समाहर्ता संजय पीएम कुजूर, जिला परिवहन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी, सहायक प्रशासी पदाधिकारी उदय शंकर बख्शी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

## सिविल ड्रेस में पुलिस बताकर आभूषण की ठगी कर रहे हैं लोग, एसपी ने जारी की एडवाइजरी, सतर्क रहने की अपील

नई सोच एक्सप्रेस

**कोडरमा।**कोडरमा जिलांतर्गत आम नागरिकों को सतर्क व जागरूक करने के उद्देश्य से कोडरमा एसपी ने आमजनों के लिए एडवाइजरी एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी में कहा गया है कि ऐसी सूचना प्राप्त हो रही है कि सिविल ड्रेस में मोटरसाइकिल पर सवार व्यक्ति आम नागरिकों को पुलिसकर्मों बताकर उनसे बातचीत करते हैं व सुरक्षा जांच अथवा अन्य बहाने से उनके धारण किए सोने-चांदी के आभूषण उतरवाकर लेकर फरार हो जाते हैं। ऐसे दुष्टांत तिलैया व डोमचांच से सामने आए हैं। इस प्रकार की घटनाओं से बचाव व आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एसपी ने जिलेवासियों से सतर्क रहने व किसी भी अनजान व्यक्ति के झांसे में नहीं आने की

अपील की है व कुछ महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए हैं। 1. **फर्जी पुलिसकर्मियों से सावधान रहें:** सिविल ड्रेस में पुलिसकर्मों बताकर रोकने या पृछताछ करने वाले अनजान व्यक्तियों की पहचान के प्रति सतर्क रहें। पुलिस कर्मों सिविल ड्रेस में ड्यूटी नहीं करती है। **आभूषण न उतारें:** सुरक्षा जांच, चोरी की आशंका अथवा किसी अन्य बहाने से आभूषण उतारने को कहने वाले व्यक्तियों के झांसे में न आएं। **पहचान की पुष्टि करें:** किसी व्यक्ति के पुलिसकर्मों होने

पर संदेह होने की स्थिति में उसकी पहचान व संबंधित थाना से पुष्टि करें। **कीमती सामान सुरक्षित रखें:** सड़क पर चलते समय सोने-चांदी के आभूषण व अन्य कीमती सामान के प्रति विशेष सावधानी बरतें। **अनजान व्यक्तियों से सतर्क रहें:** मोटरसाइकिल सवार व्यक्तियों के अनावश्यक रूप से रोककर बातचीत करने अथवा भयभीत कर सामान लेने का प्रयास किए जाने पर सतर्क रहें। **तत्काल पुलिस को सूचना दें:** ऐसी किसी संदिग्ध गतिविधि अथवा ठगी की घटना की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें। आपात स्थिति में 911-112 की सहायता लें। **संदिग्ध व्यक्तियों की जानकारी साझा करें:** संदिग्ध व्यक्तियों, मोटरसाइकिल के नंबर व अन्य उपलब्ध विवरण की जानकारी पुलिस को दें।

## चुटूपालू घाटी में सड़क हादसा, एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत, तीन गंभीर

नई सोच एक्सप्रेस

**रामगढ़।** रामगढ़ जिले की चुटूपालू घाटी में रविवार देर रात हुए सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा रांची-पटना मुख्य मार्ग पर हुआ, जहां एक कंटेनर ने बलेंको कार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। परिजनों के अनुसार, हजारीबाग शहर के मिशन स्कूल रोड स्थित सैंडवेल नर्सिंग होम के पास रहने वाले 70 वर्षीय पिमांशु चक्रवर्ती (एसबीआई से सेवानिवृत्त) अपनी 60 वर्षीया पत्नी रीना चक्रवर्ती के साथ रविवार को रांची गए थे। उन्हें बंगलूर से आए अपने 32 वर्षीय बेटे प्रियांशु चक्रवर्ती व बहू प्रोनाई चक्रवर्ती को लाना था। रात में लौटने के दौरान चुटूपालू घाटी में उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में पिमांशु चक्रवर्ती, उनके बेटे प्रियांशु व बहू प्रोनाई की मौत हो गई, जबकि परिवार के अन्य सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, रांची की ओर से आ रहे कंटेनर (एचआर 37 डी 8971) ने आगे चल रही बलेंको कार (जेएच 02 एजे 5718) को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में एक सवार तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। दुर्घटना

की सूचना मिलते ही पुलिस व भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचआई) की टीम मौके पर पहुंची व राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। कार में फंसे लोगों को निकालकर सदर अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों को बाहर निकालने में बचाव दल को काफी मशक्कत कानी पड़ी। इधर, घाटी में इससे पहले हुए एक अन्य हादसे में बाइक सवार अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। चुटूपालू घाटी में लगातार हो रही दुर्घटनाओं ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

## संक्षिप्त समाचार

### 1520 नए प्राथमिक विद्यालयों के लिए बिहार ने केंद्र से मांगे 2021 करोड़

» **राज्यस्तरीय समीक्षा बैठक के बाद शिक्षा मंत्री ने दी जानकारी**

**पटना।** प्रदेश में बच्चों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए 1520 नए प्राथमिक विद्यालयों का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी से 2021 करोड़ रुपये की मांग की है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने इस दिशा में जल्द कार्रवाई करने का भरोसा दिया है। शिक्षा मंत्री ने शनिवार को देशरत्न मार्ग स्थित संवाद में आयोजित राज्यस्तरीय समीक्षा बैठक के बाद यह जानकारी दी। बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री श्री स्मार्ट चौधरी ने की। इसमें शिक्षा विभाग के सभी वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।शिक्षा मंत्री ने बताया कि राज्य के सभी माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अगले वित्तीय वर्ष से कंप्यूटर की पढ़ाई अनिवार्य रूप से शुरू की जाएगी। इसके साथ ही सभी विद्यालयों को स्मार्ट क्लास की सुविधा से लैस किया जाएगा, ताकि विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक के माध्यम से पढ़ाई का बेहतर अवसर मिल सके। नए प्राथमिक विद्यालयों के निर्माण से बच्चों को उनके आसपास ही शिक्षा की सुविधा उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। वहीं, विद्यालयों में कंप्यूटर शिक्षा और स्मार्ट क्लास की व्यवस्था से विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा से जोड़ने तथा उनकी तकनीकी समझ विकसित करने में सहायता मिलेगी।

## उत्कर्मित मध्य विद्यालय के प्रभारी हेडमास्टर निलंबित

» **कक्षा में सोते पाए गए शारीरिक शिक्षक पर भी होगी कार्रवाई**

**पटना।** कर्तव्य में लापरवाही के आरोप में नालंदा जिले के रहुई प्रखंड स्थित उत्कर्मित मध्य विद्यालय, दौलतपुर के प्रभारी हेडमास्टर सुधीर प्रसाद को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। मामला सामने आते ही शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने जांच कर कड़ी कार्रवाई का निर्देश दिया था। इसी विद्यालय के शारीरिक शिक्षक राजीव रंजन कुमार के खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई के लिए रहुई के बीईओ को निर्देश दिया गया है। बीते 7 अक्टूबर को शारीरिक शिक्षक क्लास रूम में सोते पाए थे। इस संबंध में डीईओ ने दोनों शिक्षकों से सफाई मांगी थी। तय समय तक स्पर्शिकरण नहीं देने के बाद आरोपों को प्रथम दृष्टया प्रमाणित मानते हुए कार्रवाई की गई। प्रभारी हेडमास्टर पर अलग से आरोप तय कर विभागीय कार्रवाई की जाएगी। शिक्षा मंत्री श्री तिवारी ने साफ तौर पर कहा है कि विद्यालयों में शिक्षकों की जवाबदेही और कर्तव्यनिष्ठा सुनिश्चित की गई है। कर्तव्य में लापरवाही के मामलों में नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

### अंडर-19 महिला टीम का चयन, मुंबई में होने वाले लीग मुकाबलों के लिए 15 खिलाड़ियों को मिली जगह

**पटना।** बिहार क्रिकेट एसोसिएशन ने अंडर-19 महिला वर्ग की टीम की घोषणा कर दी है। बिहार की अंडर-19 महिला टीम मुंबई में 9 अक्टूबर से 16 अक्टूबर 2026 तक होने वाले सभी अंडर-19 लीग मुकाबलों में हिस्सा लेगी। इन मुकाबलों के लिए 15 सदस्यीय टीम का चयन किया गया है। इस टीम का चयन डउउक की ओर से बुलाए गए चयनकर्ताओं अमिता शर्मा और सुलक्षणा नाइक ने किया है। 5 अक्टूबर को हुए चयन प्रक्रिया के बाद 15 खिलाड़ियों को मुख्य टीम में शामिल किया गया है, जबकि 5 खिलाड़ियों को स्टैंडबाय में रखा गया है। टीम की कप्तानी अक्षरा गुप्ता को सौंपी गई है, जबकि जूली को उपकप्तान बनाया गया है। उनके अलावा टीम में प्रतीबा कुमारी, संतोषी,सलोनी कुमारी, साक्षी सिंह, दीपा कुमारी (विकेटकीपर/बल्लेबाज), नंदिनी यादव,. स्वीटी कुमारी, जूली ( उपकप्तान) , सिद्धि, रिशु, साग्रिका, सौम्या अखोरी, अनुष्का सिंह,. नेहा चौधरी शामिल हैं। टीम में स्टैंड बाय खिलाड़ी के रूप में हर्षिता, कृति कनक, प्रिया राज , लकी कुमारी,. सुस्कान कुमारी वर्मा का नाम है। बीसीसीआई से बुलाए गए चयनकर्ताओं अमिता शर्मा और सुलक्षणा नाइक की देखरेख में चुनी गई यह टीम मुंबई में 9 अक्टूबर से 16 अक्टूबर 2026 तक होने वाले अंडर-19 लीग मुकाबलों में बिहार का प्रतिनिधित्व करेगी। युवा खिलाड़ियों के लिए यह टूर्नामेंट अपनी प्रतिभा और प्रदर्शन को साबित करने का महत्वपूर्ण अवसर होगा।

## पूजा पंडालों में बिना कनेक्शन बिजली जलाने पर होगी कार्रवाई

**बगहा।** दुर्गापूजा में पूजा पंडालों की बिजली व्यवस्था को लेकर विद्युत विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। सभी पूजा समितियों को पंडाल में बिजली इस्तेमाल करने के लिए अस्थायी कनेक्शन लेना अनिवार्य होगा। बिना अनुमति बिजली के तार से सीधे कनेक्शन जोड़कर बिजली जलाने पर कार्रवाई की जा सकती है। नार्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड ने पूजा समितियों से समय रहते कनेक्शन लेने और सुरक्षा मानकों का पालन करने की अपील की है। विभाग के अनुसार, पूजा पंडालों को निर्धारित लोड के आधार पर तीन दिनों के लिए अस्थायी विद्युत कनेक्शन दिया जाएगा। इसके लिए तय शुल्क जमा करना होगा। वर्ष 2026 में एक केवीए लोड के लिए 1,878 रुपये, दो केवीए के लिए 2,806 रुपये, तीन केवीए के लिए 3,734 रुपये, चार केवीए के लिए 4,662 रुपये और 10 केवीए लोड के लिए 11,481 रुपये निर्धारित किए गए हैं। इस शुल्क में एनजी चार्ज, फिक्स्ड चार्ज, सर्विस कनेक्शन चार्ज और आवेदन शुल्क शामिल हैं।

## झंडा बिजली तार से टकराया, करंट से दो मासूमों की मौत; 21 लोग घायल

नई सोच एक्सप्रेस

**बगहा।** पश्चिम चंपारण जिले में रामनगर प्रखंड की खटौरी पंचायत के पास बिजली के तार की चपेट में आने से दो बच्चों की मौत हो गई, जबकि 21 लोग घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ, जब भैरोगंज थाना क्षेत्र के ससराव गांव के श्रद्धालु दोन नदी से कलश में जल लेकर ट्रैक्टर-ट्रॉली से लौट रहे थे। इसी दौरान ट्रॉली पर बैठे एक व्यक्ति का झंडा बिजली के तार से छू गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे में जान गंवाने वाले बच्चों की पहचान ससराव गांव निवासी बसंत बिन के पुत्र सर्वेश कुमार (9) और प्रभु कुम्हार के पुत्र नीरज कुमार (9) के रूप में हुई है। घटना में दो व्यक्ति और 19 बच्चे घायल हुए हैं। दो मासूमों की मौत से उनके परिवारों में मायम पसर है।

**मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपए की सहायता:**हादसे में मृत दोनों बच्चों के परिजनों को विद्युत



आपूर्ति प्रमंडल, बगहा की ओर से चार-चार लाख रुपए की मुआवजा राशि दी गई। विद्युत कार्यपालक

## ‘एक फैसला, एक सेकंड और कई बार रीप्ले’; रवी शास्त्री और सिद्धू ने अंपायरों के समर्थन में रखी अपनी बात

नई सोच एक्सप्रेस

क्रिकेट के हर यादगार पल के पीछे कई ऐसी कहानियां होती हैं, जो स्कोरबोर्ड पर बहुत कम दिखाई देती हैं। नेटफ्लिक्स के 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के पांचवें सीजन में क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी सुनील गावस्कर और रवी शास्त्री नजर आएंगे। इस शो में रवी शास्त्री पहली बार दिखाई देंगे। कपिल शर्मा के साथ इस खास एपिसोड में हंसी-मजाक, पुरानी यादें और भारतीय क्रिकेट से जुड़े कई दिलचस्प किस्से सुनने को मिलेंगे। कपिल शर्मा बातचीत की शुरुआत करते हुए कहते हैं कि रवी शास्त्री ने क्रिकेट से जुड़ी लगभग सभी भूमिकाएं निभाई हैं। वह खिलाड़ी रहे, कप्तान बने, कमेंट्री की और कोच भी रहे, लेकिन कभी अंपायर नहीं बने। कपिल ने उनसे पूछा कि इसके पीछे क्या वजह है। इस पर रवी शास्त्री कहते हैं कि अंपायरों को अक्सर उनके फैसलों के लिए आलोचना का सामना करना पड़ता

» रवी शास्त्री और सुनील गावस्कर

ने क्रिकेट के पदों के पीछे के नायकों, खिलाड़ियों की सेहत और क्रिकेट से जुड़ी पुरानी यादों को किया ताजा

है। लेकिन उनके अनुसार, क्रिकेट में अंपायर की भूमिका निभाना सबसे मुश्किल कामों में से एक है। अंपायर को लगभग छह घंटे तक धूप में खड़ा रहना पड़ता है। पूरे मैच के दौरान उन्हें अपना ध्यान बनाए रखना होता है और कुछ ही सेकंड में महत्वपूर्ण फैसले लेने पड़ते हैं। रवी शास्त्री का कहना है कि अंपायरों को उनके काम के लिए ज्यादा तारीफ और सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अंपायर भी ईंसान हैं और उनसे भी गलतियां हो सकती हैं। इसी मुद्दे पर बात करते हुए सिद्धू कहते हैं कि तकनीक आने के बाद अंपायरों पर दबाव और बढ़ गया है। अंपायर को एक सेकंड में फैसला लेना पड़ता

है, लेकिन बाद में सेकंडों मशीनों और कई बार रीप्ले की मदद से उसी फैसले की जांच की जाती है। सिद्धू के मुताबिक, इतने दबाव में कुछ ही सेकंड में फैसला लेने वाले अंपायरों के काम की सही तरीके से सराहना होनी चाहिए। रवी शास्त्री ने मोहम्मद शमी, बिरयानी और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक अहम मैच से जुड़ा मजेदार किस्सा भी सुनाया। उस मैच में दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 100 रन बनाने थे और उसके आठ विकेट बाकी थे। उस समय रवी शास्त्री ने देखा कि दोपहर का खाना खाने के बाद शमी का पेट भरा हुआ लग रहा था। इसलिए उन्होंने गेंदबाजी कोच से शमी को दोबारा मैदान पर बुलाने के लिए कहा। शुरुआत में रवी शास्त्री ने बिरयानी खाने के लिए शमी को डांटा। लेकिन जब शमी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई, तो शास्त्री ने उसके लिए दोबारा गरमागरम बिरयानी मंगवाने का इंतजाम भी किया।

## एनक्विजॉन ने किया ‘नारी शक्ति’ का आयोजन — अंतर-कॉलेज क्विज़ प्रतियोगिता और स्पीकर सेशन

नई सोच एक्सप्रेस

दयालं सिंह कॉलेज (प्रातः) की क्विज़ सोसाइटी 'एन्क्विजॉन' ने 12 अक्टूबर को कॉलेज के सभागार (ऑडिटोरियम) में अंतर-कॉलेज क्विज़ प्रतियोगिता और वक्ता सत्र 'नारी शक्ति' का आयोजन किया। महिला सशक्तिकरण और उससे जुड़े सामाजिक मुद्दों पर केंद्रित इस कार्यक्रम का उद्देश्य बौद्धिक जुड़ाव और समकालीन वि्ताओं के प्रति जागरूकता को एक मंच पर लाकर विद्यार्थियों व प्रतिष्ठित हस्तियों को एक साथ जोड़ना था। इस कार्यक्रम में विभिन्न पेशेवर क्षेत्रों से जुड़ी हस्तियों ने भाग लिया, जिनमें दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष लता गुप्ता और उद्यमी व समाजसेवी प्रवीण गुलाटी शामिल रहे। इसके अलावा शिक्षा प्रशासक एवं इंजीनियर तथा दयाल सिंह कॉलेज के पूर्व उप-कुलपति



(वाइस-चांसलर) प्रोफेसर डी. एस. चौहान भी आमंत्रित गणमान्य व्यक्तियों में उपस्थित थे। कार्यक्रम में दयाल सिंह कॉलेज (प्रातः) के प्राचार्य प्रोफेसर वी. के. पालीवाल, डॉ. अनिल कुमार और डॉ. मधुरेंद्र सिंह भी उपस्थित रहे। उनकी उपस्थिति ने कॉलेज प्रशासन और व्यापक शैक्षणिक समुदाय के सदस्यों को एक साथ लाते हुए, सामाजिक प्रासंगिकता के विषय को समर्पित इस कार्यक्रम

में संस्थागत भागीदारी दर्ज कराई। अंतर-कॉलेज क्विज़ प्रतियोगिता और वक्ता सत्र के संयोजन से 'नारी शक्ति' का उद्देश्य छात्रों के लिए ज्ञान-साझाकरण और संवाद के माध्यम से महिला सशक्तिकरण से जुड़ने के अवसर प्रदान करना था। क्विज़ प्रारूप ने कार्यक्रम में ज्ञान-उन्मुख आयाम जोड़ा, जबकि वक्ता सत्र ने विभिन्न पेशेवर क्षेत्रों के दृष्टिकोण से रूबरू होने का मंच प्रदान किया। myह पहल

## वन्यजीव अभयारण्य पक्षी की पहचान एवं संरक्षण के लिए मार्गदर्शिका’ पुस्तक का आधिकारिक विमोचन

नई सोच एक्सप्रेस

**नालंदा, बिहारशरीफ।**वन्यप्राणी सप्ताह 2026 के अवसर पर नालंदा जिला अंतर्गत राजगीर जू सफारी में वन्यजीव एवं जैव विविधता संरक्षण को लेकर विभिन्न आज सोमवार को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इसी क्रम में कंजवेंशन ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में ‘बर्ड एवं बटरफ्लाई वॉक’ का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम में 30 प्रतिभागियों ने राजगीर जू सफारी के प्राकृतिक वातावरण में विभिन्न प्रजातियों के पक्षियों और तितलियों का अवलोकन किया। बर्ड एवं बटरफ्लाई वॉक के दौरान करीब 20 प्रजातियों के पक्षियों और 40 प्रकार की तितलियों की साईंटिफ दर्ज की गई। प्रतिभागियों को स्थानीय जैव विविधता, पारिस्थितिकी तंत्र में पक्षियों एवं तितलियों की भूमिका तथा इनके संरक्षण के महत्व की जानकारी दी गई।कार्यक्रम के दौरान ‘राजगीर जू सफारी एवं राजगीर वन्यजीव अभयारण्य के पक्षी : पहचान एवं संरक्षण की क्षेत्रीय मार्गदर्शिका’



पुस्तक का आधिकारिक विमोचन राजगीर जू सफारी के निदेशक राम सुंदर एम. द्वारा किया गया। पुस्तक में राजगीर क्षेत्र में पाए जाने वाले पक्षियों की पहचान और संरक्षण से संबंधित उपयोगी जानकारी दी गई है। यह वन्यजीव प्रेमियों, विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं, प्रकृति प्रेमियों और क्षेत्रीय कर्मचारियों के लिए संदर्भ सामग्री के रूप में उपयोगी होगी।राजगीर जू सफारी के निदेशक राम सुंदर एम. ने कहा कि राजगीर का प्राकृतिक परिदृश्य जैव

विविधता की दृष्टि से बेहद समृद्ध है। पक्षी और तितलियाँ स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र के महत्वपूर्ण संकेतक हैं। बर्ड एवं बटरफ्लाई वॉक जैसे आयोजन लोगों को प्रकृति के करीब लाने और वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।उन्होंने कहा कि पुस्तक के माध्यम से वैज्ञानिक जानकारी को सरल एवं उपयोगी रूप में लोगों तक पहुंचाने तथा संरक्षण कार्यों में जनभागीदारी बढ़ाने का प्रयास किया गया है।

## कैसीनो में नौकरी दिलाने के नाम पर नेपाल ले जा रहा था आरोपी, दो नाबालिग लड़कियां मुक्त

» **61 वर्षीय आरोपी गिरफ्तार, मोबाइल में मिला अश्लील वीडियो और तस्वीरें**

नई सोच एक्सप्रेस

**दार्जिलिंग।** भारत-नेपाल सीमा पर पश्चिम बंगाल के पानीटंकी में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने बाल अधिकार संगठन जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के सहयोगी संगठन कोसी लोक मंच के साथ मिलकर मिजोरम की दो 17 वर्षीय लड़कियों को मानव तस्करी से मुक्त कराया। मामले में अहमदाबाद निवासी 61 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार, 11 अक्टूबर की शाम आरोपी एक लड़की को कैसीनो में नौकरी दिलाने का झांसा देकर नेपाल ले जा रहा था। सीमा पर जांच के दौरान उसे रोका गया। पूछताछ में आरोपी के सिलीगुड़ी स्थित घर में दूसरी नाबालिग लड़की के होने की जानकारी मिली। टीम ने उसी रात छापेमारी कर उसे भी मुक्त कराया। दूसरी लड़की से घर में घरेलू सहायिका का काम कराया जा रहा था। आरोपी के मोबाइल फोन की जांच में नाबालिगों से जुड़ी अश्लील तस्वीरें, वीडियो और बाल यौन शोषण संबंधी सामग्री मिली। पुलिस ने खोरीबाड़ी थाने में भारतीय न्याय संहिता,



पॉक्सो एक्ट, अनैतिक व्यापार निवारण अधिनियम और आईटी एक्ट की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है। दोनों लड़कियों को बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया गया।

## कबड्डी प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में पहुंचीं चार टीमें



नई सोच एक्सप्रेस

» **मोहित मलिक ने खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह, धर्मशाला की व्यवस्थाओं की सराहना**

**कुरुक्षेत्र।**अंतर्राष्ट्रीय जाट धर्मशाला के स्थापना दिवस पर आयोजित ऑल ओपन नेशनल कबड्डी प्रतियोगिता में लाखन माजरा, रेलवे, करसिंधु खेड़ा और नेवी की टीमों ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। मुख्य अतिथि मोहित मलिक, मैनेजिंग डायरेक्टर, जनता ग्रुप ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। विशिष्ट अतिथि मोनू पुनिया और रमेश मलिक ने भी खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया और खेलों को प्रोत्साहित

करने के लिए संस्था के प्रयासों की सराहना की। अतिथियों ने धर्मशाला में खिलाड़ियों के उठरने और भोजन की व्यवस्थाओं को सराहा। प्रधान डॉ. कृष्ण श्योकंद ने कहा कि संस्था खेल और शिक्षा के माध्यम से 36 बिरादरी के युवाओं को आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

## बाढ़ पीड़ितों की मदद को आगे आए केंद्रीय मंत्री, 35 गाड़ियों से भेजी गई राहत सामग्री

नई सोच एक्सप्रेस

**बगहा |**पश्चिम चंपारण में बाढ़ प्रभावित परिवारों की मदद के लिए राहत अभियान तेज कर दिया गया है। केंद्रीय राज्यमंत्री सतीश चंद्र दुबे ने बेतिया में बाढ़ राहत अभियान के दूसरे चरण की शुरुआत की। इस दौरान कोल इंडिया लिमिटेड (सीआइएल) की ओर से उपलब्ध कराई गई राहत सामग्री से लदी 35 गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर प्रभावित इलाकों के लिए रवाना किया गया। राहत अभियान के तहत केंद्रीय राज्यमंत्री ने योगापट्टी, पतिलार, गंडक पार के प्रखंडों, बगहा शहर के वार्ड संख्या एक और दो तथा वाल्मीकिनगर के चकदहवा में बाढ़ प्रभावित परिवारों के बीच राहत सामग्री का वितरण कराया। इस पहल का उद्देश्य बाढ़ से प्रभावित लोगों तक जरूरी सामग्री पहुंचाना है, ताकि मुश्किल हालात में उन्हें राहत मिल सके। बोले-चंपारण का कोई परिवार खुद को अकेला न समझेकेंद्रीय राज्यमंत्री सतीश चंद्र दुबे ने कहा कि बाढ़ की इस कठिन घड़ी में प्रभावित परिवारों तक आवश्यक राहत सामग्री पहुंचाना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रयास है कि हर जरूरतमंद तक सहायता पहुंचे और कोई भी परिवार खुद को अकेला महसूस न करे। उन्होंने कहा कि चंपारण की जनता के प्रति उनका दायित्व केवल जनप्रतिनिधि का नहीं, बल्कि परिवार के सदस्य का भी है। जब तक लोगों के जीवन में सामान्य स्थिति बहाल नहीं हो जाती, तब तक हरसंभव मदद जारी रखने का प्रयास किया जाएगा। आपदा की इस घड़ी में सभी का संकल्प होना चाहिए कि चंपारण का कोई भी परिवार खुद को असहाय



» **सतीश चंद्र दुबे ने बेतिया से राहत अभियान के दूसरे चरण की शुरुआत की, योगापट्टी से बगहा और वाल्मीकिनगर तक प्रभावित परिवारों को बांटी गई सामग्री**

न समझे। **कोल इंडिया का जताया आभार:**मंत्री ने राहत कार्य में सहयोग के लिए कोल इंडिया लिमिटेड (सीआइएल) का आभार जताया। उन्होंने कहा कि संकट के समय संस्था की ओर से उपलब्ध कराई गई राहत सामग्री प्रभावित परिवारों की मदद में उपयोगी साबित होगी। **कई जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता रहे मौजूद:** राहत अभियान के दौरान लौरिया विधायक विनय बिहारी, बगहा विधायक राम सिंह, भाजपा के बगहा जिलाध्यक्ष अचिंत कुमार, केंद्रीय राज्यमंत्री के मीडिया प्रतिनिधि सोमेश पाण्डेय सहित चंद्रभूषण सिंह, ओम निधि वत्स, अमरेश श्रीवास्तव, युवा अध्यक्ष विशाल पाण्डेय, राजन गुप्ता, सुषमा सिंह, रंजीत कुमार, पवन वर्मा, सुमन सिंह और अर्जुन जायसवाल समेत एनडीए के कई स्थानीय कार्यकर्ता एवं सहयोगी उपस्थित रहे।

## लोन दिलाने के नाम पर साइबर ठगी करने वाले दो युवक गिरफ्तार, छह मोबाइल और छह एटीएम कार्ड बरामद

नई सोच एक्सप्रेस

**नालंदा।** नालंदा जिले में लोन दिलाने के नाम पर व्हाट्सऐप के माध्यम से लोगों से ठगी करने वाले दो युवकों को नालंदा साइबर थाना की पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान कतरौसराय थाना क्षेत्र के बजराचक गांव निवासी सनी कुमार (23) और प्रिंस कुमार (20) है। इस संबंध में पुलिस ने बताया कि साइबर पुलिस पोर्टल से प्राप्त संदिग्ध मोबाइल नंबरों के आधार पर कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। आरोप है कि वे व्हाट्सऐप के माध्यम से फ़ेकडि बी का एजेंट बनकर भोले-भाले लोगों से संपर्क करते थे और उन्हें लोन दिलाने का झांसा देकर साइबर ठगी करते थे।इस मामले में नालंदा साइबर



थाना कांड संख्या दर्ज किया गया है। पुलिस ने दोनों आरोपितों को विविध न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है जहां से वर्तमान में न्यायिक अभिरक्षा

में हैं।पुलिस ने आरोपियों के पास से ठगी में इस्तेमाल किए जाने वाले छह मोबाइल फोन और छह एटीएम कार्ड बरामद किए हैं। बरामद मोबाइल फोन

में स्क्रीन टच मोबाइल भी शामिल हैं।इस मामले का सफल उद्घेदन करने वाली पुलिस टीम में नालंदा साइबर थाना के पुलिस अवर निरीक्षक कुंदन कुमार और तौकौर खान, सिपाही चंदन कुमार, राजन कुमार मांडवी, यश कुमार, ऋतुराज एवं रविनंदन कुमार शामिल थे। इसके अलावा गृह रक्षक संदीप कुमार और करन कुमार ने भी कार्रवाई में सहयोग किया। नालंदा साइबर पुलिस ने लोगों से अपील की है कि फोन कॉल, व्हाट्सऐप कॉल, एसएमएस या विज्ञापनों के माध्यम से मिलने वाले लोन संबंधी प्रस्तावों पर भरोसा करने से पहले उनकी सत्यता की जांच अवश्य करें। किसी अनजान व्यक्ति के साथ बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी साझा न करें और संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।



## युवतियां ही नहीं छोटे बच्चों को भी खासे भा रहे हैं कलरफुल विलप्स

इन दिनों बाजार में विभिन्न रंगों व डिजाइनों के हेयर विलप की भरमार बनी हुई है। युवतियां अपनी पसंद व इस के साथ मैचिंग कर इन हेयर विलप का प्रयोग करना पसंद कर रही हैं।

युवतियां ही नहीं बल्कि छोटे बच्चों को भी यह कलरफुल विलप खासे भा रहे हैं। विलप्स जहां एक ओर यह बालों को बांधने के काम आते हैं वहीं आपको फैशनपरस्तर दिखने में भी मदद करते हैं। कीमत में यह 10 रुपए से लेकर 50 रुपए तक मौजूद हैं। रंगों की बात करें तो रंग-बिरंगे विलप सभी को भा रहे हैं लेकिन इसी के साथ काला रंग भी खूब चलन में है। सब पर जो चल जाता है। इन दिनों युवतियां जहां विभिन्न प्रकार के आकर्षक हेयर स्टाइल अपना रही हैं। वहीं बालों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए मार्केट में विभिन्न रंगों व डिजाइनों के हेयर विलप की भरमार बनी हुई है। युवतियां अपनी पसंद व इस के साथ मैचिंग कर इन हेयर विलप्स का प्रयोग करना पसंद कर रही हैं। छोटे बच्चों को भी

यह कलरफुल विलप्स खासे भा रहे हैं। सिंपल हेयर स्टाइल में भी यदि युवतियां इन डिजाइनर हेयर विलप्स का इस्तेमाल करती हैं तो वह दिखने में बहुत खूबसूरत लगता है। इन हेयर विलप्स की खासियत यह है कि विभिन्न रंगों में मौजूद होने के कारण युवतियां व बच्चे इनका प्रयोग अपनी ड्रेस के साथ मैचिंग कर सकते हैं। छोटे बच्चों को भी यह हेयर विलप्स बहुत पसंद आ रहे हैं। कॉलेज गॉइंग गर्ल्स सूट सलवार, जींस व हर प्रकार की ड्रेस के साथ ही हेयर विलप्स का प्रयोग करना पसंद रही हैं। युवतियों का कहना है कि सिंपल हेयर स्टाइल के बावजूद भी यह विलप्स बालों का आकर्षण बढ़ा देते हैं। गर्मी से राहत के साथ फैशन के तौर पर भी इनका इस्तेमाल हो जाता है। इन विलप्स का प्रयोग यूं तो केवल छोटे बच्चों को लुभाने के लिए भी किया जाता था। लेकिन आजकल इनका प्रयोग कॉलेज जाने वाली गर्ल्स से लेकर कामकाजी युवतियां तक करना पसंद कर रही है। इसका मुख्य कारण इन विलप्स का विभिन्न रंगों और डिजाइनों में उपलब्ध है। इनकी कीमत 20 रुपए पेयर के हिसाब से शुरू होती हैं। युवतियां अपनी ड्रेस की मैचिंग के विलप्स लेती हैं।



## 2 बीएचके घर में स्पेस को मैक्सिमाइज करने के लिए अपनाएं ये टिप्स

यूं तो 2बीएचके घर में स्पेस एक फैमिली के लिए पर्याप्त होता है, लेकिन फिर भी अगर आप अपने स्पेस को मैक्सिमाइज करना चाहते हैं तो इसके लिए कुछ तरीके अपनाए जा सकते हैं।

आजकल शहरों में लोग 2बीएचके घर में रहना अधिक पसंद करते हैं। एक स्मॉल फैमिली के लिए 2बीएचके घर का स्पेस पर्याप्त माना जाता है। लेकिन जब आपके घर में बच्चे बड़े होने लगते हैं या फिर फैमिली बढ़ने लगती है तो ऐसे में स्पेस कम होने लगता है। हालांकि, इस स्थिति में हर किसी के लिए बड़ा घर लेना उनके बजट में नहीं होता है। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका होता है कि आप अपने घर के स्पेस को ही मैक्सिमाइज करें। अधिकतर लोगों को यह लगता है कि वे अपने घर को मैक्सिमाइज किस तरह करें। ऐसा करना मुश्किल नहीं है, बस आपकी अप्रोच सही होनी चाहिए। अगर आप अपने 2बीएचके घर को मैक्सिमाइज करना चाहते हैं तो ऐसे में आपको बस कुछ छोटे-छोटे टिप्स को फॉलो करना चाहिए। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही आसान

टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपने 2बीएचके घर के स्पेस को आसानी से मैक्सिमाइज कर सकते हैं-

### वर्टिकल स्पेस का करें इस्तेमाल

अगर आप अपने 2बीएचके होम के स्पेस को अधिक मैक्सिमाइज करना चाहते हैं तो इसका सबसे अच्छा तरीका है कि आप वर्टिकल स्टोरेज सॉल्यूशन पर विचार करें। इससे आपका काफी सारा सामान आसानी से आर्गनाइज हो जाएगा और आपको स्पेस प्रोब्लम का सामना नहीं करना पड़ेगा। वर्टिकल स्पेस का इस्तेमाल करने के लिए आप वॉल-माउंटेन शेल्फ से लेकर कैबिनेट व हैंगिंग आर्गनाइजर आदि का इस्तेमाल करें। इससे आपके लिए अपनी किताबों से लेकर अन्य जरूरी आइटम्स व डेकोरेटिव आइटम्स को रखने में काफी आसानी होगी।

### मल्टीपर्पस फर्नीचर में करें इनवेस्ट

कई तरह के फर्नीचर की जरूरत हम सभी को अपने घर में पड़ती ही है। लेकिन कई फर्नीचर पीस काफी सारा स्पेस लेते हैं, जिसकी वजह से 2बीएचके घर में भी स्पेस प्रोब्लम होती है। इसलिए आप मल्टीपर्पस व स्पेससेविंग फर्नीचर

में इनवेस्ट करने का प्लान करें। मसलन, आप घर में अलग-अलग सोफा व बेड खरीदने की जगह सोफा कम बेड का इस्तेमाल करें। इसी तरह, फोल्डेबल बेड का उपयोग करें जिन्हें दिन के दौरान आसानी से स्टोर करके रखा जा सकता है। इसके अलावा, आजकल एक्सटेंडेबल डाइनिंग टेबल का चलन है, जिन्हें आसानी से एक्सटेंड किया जा सकता है।

### कॉर्नर का भी करें इस्तेमाल

यह स्पेस को मैक्सिमाइज करने का एक स्मार्ट तरीका है, जिसे अक्सर लोग नजरअंदाज कर देते हैं। घर के अलग-अलग कोनों को स्टोरेज व होम डेकोर के लिए काम में लिया जा सकता है। अगर आप चाहें तो कॉर्नर में मल्टीपर्पस अलमारी या वॉल माउंटेन शेल्फ बनवाएं। इससे आप काफी सामान आसानी से रख पाएंगी। इसी तरह, अपने लिविंग एरिया के लिए एल शेप के सोफे या डेस्क का उपयोग करने पर विचार करें। इससे लिविंग एरिया का सेंट्रल स्पेस आसानी से बच जाता है और घर अपेक्षाकृत अधिक बड़ा व स्पेशियस फील होता है।



## इन टिप्स की मदद से 2 बीएचके घर का करें न्यू मेकओवर, हर कोई करेगा आपकी तारीफ

हर इंसान का सपना होता है कि उसका एक अपना घर हो, लेकिन दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े शहरों में अपना घर लेना किसी मुश्किल काम से कम नहीं है। बड़े शहरों में लोग जड़ से अपना मकान तो नहीं ले पाते हैं लेकिन रहने के लिए प्लैट जरूर ले लेते हैं। ऐसे में घर छोटा हो या फिर बड़ा हर को सुंदर बनाना हर कोई चाहता है। अगर आप भी अपने घर को खूबसूरत बनाना चाहते हैं तो याद रखें हमेशा अपने घर को साइज के अनुसार डेकोरेट करें।

अगर आपका घर 2 बीएचके का है तो इसे आप रॉयल लुक दे सकते हैं। लेकिन इसके लिए आपको स्मार्ट डेकोर टिप्स को अपनाना होगा। इस लेख में हम आपको 2 बीएचके फ्लैट को डेकोरेट करने के लिए स्मार्ट टिप्स के बारे में बताएंगे। तो देर किस बात करी आइए जानते हैं घर को खूबसूरत बनाने के लिए आसान और असरदार टिप्स।

**दीवारों का कलर**  
घर की खूबसूरती बढ़ाने के लिए दीवारों का कलर बहुत जरूरी होता है। क्योंकि घर की सुंदरता दीवारों के कलर से आती है। दीवारों पर लाइट कलर का पेंट करना से घर पर बड़ा और ब्राइट नजर आता है। खासकर हॉल की दीवारों का पेंट लाइट कलर का करवाएं। 2 बीएचके घर को रॉयल लुक देने के लिए आप क्रीम कलर का पेंट करवाएं।

**ओपन किचन**  
इन दिनों ओपन किचन का काफी ट्रेंड है। आप भी घर को रॉयल लुक देने के लिए ओपन किचन बनवा सकते हैं। ओपन किचन का सबसे बड़ा फायदा होता है कि इस जगह का कम यूज होता है। वहीं इससे घर को मॉडर्न लुक भी मिलता है। अगर आप ओपन किचन बनवा रहे हैं तो किचन की टाइल व्हाइट या फिर ब्राउन कलर की लें। इसके अलावा किचन की अलमारी भी टाइल से मैचिंग कलर का बनवा सकते हैं। इससे आपका किचन

खूबसूरत नजर आएगा।  
**लाइटिंग**  
घर की खूबसूरती बढ़ाने के लिए लाइटिंग बहुत जरूरी होता है। रॉयल लुक के लिए घर की लाइटिंग बेहद जरूरी होती है। अगर यह खराब हो गई तो सारा लुक खराब हो जाता है। इन दिनों मार्केट में बेहद खूबसूरत और डिजाइन लेप और लाइट मिल जाती है जिसका इस्तेमाल कर आप अपने घर को खूबसूरत बना सकते हैं। लिविंग रूम में स्ट्रिंग लाइट लगाने से घर की खूबसूरती में चार चांद लग जाते हैं।

**फर्नीचर**  
घर की असली खूबसूरती फर्नीचर लगाने के बाद ही आती है। 2 बीएचके घर के लिए आपको अपना फर्नीचर स्मार्ट तरीके से खरीदना चाहिए। अगर आप फर्नीचर खरीदने जाएं तो इस बात का ध्यान रखें कि आपको घर के लिए ऐसे फर्नीचर लेना है जो कि ज्यादा स्पेस न ले। वहीं इन दिनों शहरों में कम जगह के लिए सोफा कम बेड का काफी चलन है। ऐसे में आप भी इस सोफे सेट के बारे में सोच सकती हैं।

**इंडोर प्लांट्स**  
घर को खूबसूरत बनाने के लिए शो पीस की जगह आप इंडोर प्लांट्स का इस्तेमाल करें। इससे न केवल घर की खूबसूरती बढ़ेगी बल्कि यह आपकी सेहत के लिए भी काफी अच्छा माना जाता है। इंडोर प्लांट्स को आप डाइनिंग रूम या फिर लिविंग रूम में रख सकती हैं।



अक्सर बागवानी करने वालों को यह समझ नहीं आता है कि कौन की सब्जियां अपने बगीचे में लगाएं। अगर आप भी इस बात को लेकर परेशान हैं कि कौन सी वेजिटेबल लगाएं, तो यह आर्टिकल आपके लिए हेल्पफुल साबित हो सकता है।

केमिकल फ्री सब्जियां खाने के लिए अक्सर लोग अपने बगीचे में अलग-अलग प्रकार बीजों को लगाना पसंद करते हैं। लेकिन कई बार लोगों को यह समझ नहीं आता कि वह अपने घर के बगीचे में कौन सी हरी सब्जियां लगाएं। पतेदार सब्जियां ज्यादा पौष्टिक होती हैं और दूसरी सब्जियों की अपेक्षा इन्हें उगाना काफी आसान होता है। ज्यादातर हरी सब्जियां अपेक्षाकृत कम ठंडे मौसम में उगाई जा सकती हैं। अगर आप अपने बगीचे में कम समय में सब्जियां गो करना चाहते हैं, तो यहां हम आपको बताने जा रहे हैं, कि आप इन बीजों को कैसे बो सकती हैं।

## अपने बगीचे में बोएं ये हरे साग के बीज

### पालक को कैसे उगाएं

- पालक भारत में सबसे लोकप्रिय पतेदार सब्जी है। पालक के पौधे तेजी से बढ़ते हैं, इसलिए बीज अंकुरित होने के 2-3 सप्ताह के भीतर वे कटाई के लिए तैयार हो जाते हैं। कटाई करते समय, ऐसे पौधों की दूढ़ें, जिनमें कम से कम पांच से छह स्वस्थ हरी पत्तियां उगी हों जो तीन से चार इंच लंबी हों।
- बीज बोने से एक सप्ताह पहले मिट्टी को खाद से तैयार करें
- बीज को मिट्टी में आधा इंच गहराई तक बोएं। उन्हें बहुत ज्यादा गहराई तक न बोएं। इससे बीज नहीं उगेंगे।
- पौधों को 2 से 3 इंच तक काटते रहें।
- बीजों के बीच 3 से 4 इंच का अंतर रखें।
- बीजों के अंकुरण को सुनिश्चित करने के लिए मिट्टी को हमेशा नम रखें। अधिक पानी न डालें। सुबह पानी दें।
- पौधों को 2 से 3 इंच तक काटते रहें।
- कीटों और बीमारियों पर नजर रखें।
- पालक को अंकुरित न होने दें। पौधों को तुरंत उखाड़ दें।
- पालक की कटाई 45 से 50 दिन में करें।

### मेथी को कैसे उगाएं

- मेथी एक बहुत ही सेहतमंद हरी पतेदार सब्जी है।
- बीज बोने के 3-4 दिन के भीतर पौधे कटाई के लिए तैयार हो जाते हैं।

- तैयार हुई पत्तियों और तने को फिर से उगाने के लिए काट सकते हैं।
- अच्छी फसल के लिए अच्छा वेंटिलेशन और जल निकासी प्रदान करें।

### सरसों का साग कैसे उगाएं?

- सरसों के पत्तों को उनके तीखे स्वाद के लिए पसंद किया जाता है। पत्तियों को बुवाई के 20-30 दिन बाद काटा जा सकता है। आप पत्तियों को पकने भी दे सकते हैं। इसके बाद उनका उपयोग कर सकते हैं।
- सबसे पहले आप पॉटिंग मिक्स तैयार करें। इसके लिए आप 60 प्रतिशत साधारण मिट्टी, 20 प्रतिशत रेत और 20 प्रतिशत वर्मीकंपोस्ट या गोबर की खाद मिला सकते हैं।
- गमले में पॉटिंग मिक्स भरकर इसे ऐसी जगह पर रखें जहां धूप आती हो।
- अब आप गमले में सरसों के बीज डाल दें।
- ऊपर से हल्की-हल्की मिट्टी डालें।
- रिगुलर करके पानी दें ताकि बीज अपनी जगह पर ही रहें।
- बीजों को 3 से 4 दिन में ही आप देखेंगे कि बीजों में से पौधे निकलने लगे हैं।

### माइक्रो ग्रीन्स को मिट्टी में कैसे उगाएं?

- माइक्रोग्रीन्स उगाने के लिए सबसे पहले ऐसी जगह चुनें

- जहां आपको भरपूर धूप मिल सके। इसे गो लाइट में भी उगाया जा सकता है।
- तीन भाग कम्पोस्ट और एक भाग वरमीक्यूलाइट मिलाएं। सुनिश्चित करें कि दोनों में से किसी भी पदार्थ का कोई ढेर या गांठ न हो।
- मिश्रण को एक उथले कटेनर या बीज ट्रे में डालें और इसे मिट्टी से भर दें।
- पानी अच्छी तरह से डालें ताकि मिट्टी नम रहे।
- इसके बाद बीजों को मिट्टी की सतह पर छिड़कें।
- अब उन्हें मिट्टी की एक ओर परत से ढककर मिट्टी को नम करें।
- नमी बनाए रखने के लिए कटेनर को साफ प्लास्टिक बैग या चादर से ढक दें।
- यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिदिन जांच करें कि मिट्टी नम बनी रहे।
- कटेनरों को अच्छे वायु संचार वाले स्थान पर रखें।
- जब बीज अंकुरित हो जाएं तो प्लास्टिक हटा दें।
- खरपतवारों को हटा दें और पौधों को कम कर दें ताकि केवल सबसे मजबूत पौधे ही बचे रहें।
- पौधों को पानी और खाद देना जारी रखें।
- जब पौधे 1-2 इंच लंबे हो जाएं तो कटाई कर लें।
- यदि आप इन्हें तुरंत नहीं खाते हैं तो इन्हें फ्रिज में रखें।
- इसके अलावा आप अपने बगीचे में चुकंदर, मूली, सलाद के पते और गाजर जैसी सब्जियां के बीज लगा सकती हैं।



## आईटी सर्व में नाम आने पर रकुल प्रीत सिंह ने दी सफाई

अभिनेत्री रकुलप्रीत सिंह ने इनकम टैक्स छापों से अपना नाम जुड़ने की खबरों पर रिएक्ट किया। अभिनेत्री ने इस मामले पर सफाई देते हुए कहा कि उनका इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है। दरअसल, 28 सितंबर को आयकर विभाग ने अभिनेत्री रकुलप्रीत सिंह और फिल्म निर्माता वासु भगनानी से जुड़े 12 ठिकानों पर छापेमारी की है। 28 सितंबर 2026 को मुंबई में आयकर विभाग ने रकुलप्रीत सिंह, वासु भगनानी और पैनोरमा स्टूडियोज के परिसरों की तलाशी ली थी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक नोट पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने मीडिया द्वारा गलत अफवाहों को फैलाने पर अफसोस जताया। उन्होंने लिखा, ‘यह देखकर बहुत दुख होता है कि आजकल कुछ खुद को रिपोर्टर कहने वाले लोग और कुछ बड़े मीडिया पत्रकार बिना सच्चाई जाने खबरों को बढ़ा-चढ़ाकर दिखा रहे हैं। इसलिए, मैं एक बार फिर सब कुछ साफ कर देती हूँ।’ उन्होंने आगे लिखा, ‘अभी हाल ही में हमारे घर में जो तलाशी हुई है, उससे मेरा कोई लेना-देना नहीं है। इस बात हर कोई वाकिफ है कि मैं एक फौजी परिवार से ताल्लुक रखती हूँ और इंडस्ट्री में मेरा कोई गोंडफादर नहीं था। मैं अपनी कड़ी मेहनत से यहां तक पहुंची हूँ और 20 साल की उम्र से एक जिम्मेदार नागरिक की तरह अपना पूरा टैक्स भी भरती आ रही हूँ।’ अभिनेत्री ने साफ किया कि उनका नाम किसी भी गैरकानूनी कामों से जुड़ा नहीं है। उन्होंने लिखा, ‘मैं किसी भी तरह के गैरकानूनी विदेशी लेनदेन में शामिल नहीं हूँ, न तो खुद के लिए और न ही किसी प्रोडक्शन हाउस के लिए। मैं यह भी साफ कर दूँ कि मेरे नाम पर देश या विदेश में कहीं भी गैरकानूनी प्रॉपर्टी नहीं है। न ही कभी किसी ने मुझे प्रॉपर्टी गिफ्ट की और न ही मैं इस तरह से तोहफे स्वीकार करती हूँ।’ अभिनेत्री ने अफवाह फैलाने वाले मीडिया संस्थानों से अपील कि की वे इस तरह की खबरें न फैलाएं। उन्होंने लिखा, ‘जिन्होंने मेरे खिलाफ मनगढ़ंत खबरें छपी हैं। मैं उनसे उस खबर को वापस लेने की अपील करती हूँ, साथ ही सच्चाई बताने के लिए कहती हूँ। मैं समझती हूँ कि मीडिया पर भी अपना बिजनेस चलाने का दबाव होता है लेकिन यह दबाव सच्चाई की कीमत पर नहीं होना चाहिए और बिल्कुल भी किसी की इज्जत और रोजी-रोटी की कीमत पर तो नहीं होना चाहिए।’



## शाहरुख की फिल्म में करीना की भी हुई एंट्री

अभिनेता शाहरुख खान की फिल्म ‘किंग’ का इंतजार फैंस को बेसब्री से है। मगर इस फिल्म का गाना ‘डैडी कूल’ और भी ज्यादा खास होने वाला है। खबर है कि इस गाने में बादशाह के साथ करीना कपूर भी दिखाई देंगी।

### ‘डैडी कूल’ में क्या है खास

शाहरुख खान और करीना कपूर खान आगामी एक्शन फिल्म ‘किंग’ के एक महत्वपूर्ण गाने में एक बार फिर साथ नजर आने वाले हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार करीना ने ‘डैडी कूल’ नामक इस गाने में विशेष भूमिका निभाने के लिए हामी भरी है, जिसकी शूटिंग इस महीने के अंत में दक्षिण अफ्रीका में एक भव्य तरीके से होगी।



### पहले भी साथ काम कर चुके शाहरुख-करीना

फिल्म ‘किंग’ का गाना डैडी कूल ऐसा पहला प्रोजेक्ट नहीं है, जिसके लिए शाहरुख और करीना साथ काम कर रहे हों। इससे पहले करीना और शाहरुख ‘अशोका’, ‘कभी खुशी कभी गम’ और ‘रावन’ जैसी बड़ी फिल्मों में एक साथ काम कर चुके हैं। इसके अलावा करीना शाहरुख की कई फिल्मों में कैमियो या स्पेशल गाना भी कर चुकी हैं। कविला की रिपोर्ट्स के मुताबिक ‘डैडी कूल’ को इस एक्शन फिल्म के मुख्य गानों में से एक के रूप में प्रस्तुत किया जाना है। प्रोडक्शन शेड्यूल के अनुसार, करीना को दक्षिण अफ्रीका में शाहरुख के साथ अपने हिस्से की शूटिंग के लिए लगभग पांच दिन दिए गए हैं। क्रॉस-कल्चरल देखने को मिलेगा रिपोर्ट्स के मुताबिक इन दो बॉलीवुड सितारों को एक साथ लाने के अलावा, इस सीक्वेंस में एक बड़ा कॉस-कल्चरल सहयोग भी देखने को मिलेगा। इस गाने में एक भारतीय कलाकार एक अंतरराष्ट्रीय कलाकार के साथ नजर आएंगे।

## हनुमान अंश की सफलता पर ऋचा चड्ढा ने तोड़ी चुप्पी

‘हनुमान अंश’ को सिनेमाघरों में दो महीने होने वाले हैं। यह फिल्म भारत में 300 करोड़ से ज्यादा और वर्ल्डवाइड 400 करोड़ से ज्यादा का बिजनेस कर चुकी है। अब इसकी सफलता पर एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने अपनी राय दी है। बॉलीवुड की बेबाक और संजीदा अभिनेत्री ऋचा चड्ढा का मानना है साल 2026 को कटेंट आधारित सिनेमा के लिए बड़ा साल कहना अभी जल्दबाजी होगी। ये निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी कि भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में दर्शकों की पसंद में कोई बड़ा बदलाव आया है।

### ‘हनुमान अंश’ की सफलता पर ऋचा का बेबाक विश्लेषण

2026 को ‘कटेंट-ड्रिवन सिनेमा’ का लैंडमार्क साल कहे जाने पर असहमति जताते हुए ऋचा चड्ढा ने कहा, अगर बात सिर्फ ‘हनुमान अंश’ के संदर्भ में है, तो वह एक अलग मामला है। इसके अलावा इस साल और क्या चला है? हमारी तुलना हॉलीवुड से नहीं की जा सकती। पौराणिक और धार्मिक फिल्में भारतीय दर्शकों के बीच हमेशा से सुरक्षित और लोकप्रिय रही हैं। ये फिल्में तो लोग देखते ही हैं। इसलिए यह कहना अभी बहुत जल्दबाजी होगा कि इंडस्ट्री में अचानक कुछ बहुत बेहतरीन होने लगा है। ऋचा का मानना है कि

धार्मिक या पौराणिक विषयों पर बनी फिल्मों का एक स्थापित दर्शक वर्ग है, जो बिना किसी झिझक के थिएटर तक आता है। इसे पूरे सिनेमा उद्योग में आए वैचारिक या रचनात्मक बदलाव के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

### राइटर्स को मिले बेहतर पैसे, तभी बदलेगा सिनेमा

भारतीय फिल्म उद्योग को वास्तव में कटेंट-संचालित बनाने के उपाय पर बात करते हुए ऋचा ने सबसे अहम मुद्दे पर ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि जब तक पटकथा लेखकों को सही सम्मान और बेहतर पारिश्रमिक नहीं मिलेगा, तब तक बड़े बदलाव की उम्मीद करना बेमानी है। ‘हनुमान अंश’ का 2 करोड़ के बजट से 423 करोड़ तक का ऐतिहासिक सफर विशाल चतुर्वेदी के निर्देशन में बनी फिल्म ‘हनुमान अंश’ आध्यात्मिक गुरु नीम करोली बाबा के जीवन और उनकी शिक्षाओं पर आधारित है। बेहद शांत शुरुआत करने वाली इस फिल्म को ‘वर्ड ऑफ माउथ’ का ऐसा जबरदस्त सहारा मिला कि यह 2026 की सबसे बड़ी सरप्राइज हिट बन गई।



## रियलिटी शो ‘द ट्रेटर्स तेलुगु’ को होस्ट करते नजर आएंगे तेजा सज्जा

तेलुगु सिनेमा के अभिनेता तेजा सज्जा अब एक बिल्कुल नए अंदाज में दर्शकों के सामने आने के लिए तैयार हैं। वह जल्द ही स्ट्रीमिंग रियलिटी शो ‘द ट्रेटर्स तेलुगु’ को होस्ट करते नजर आएंगे। शो का ट्रेलर मंगलवार को रिलीज किया गया, जिसमें तेजा सज्जा की होस्ट के तौर पर झलक देखने को मिली। शो में अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े 20 सेलिब्रिटीज हिस्सा ले रहे हैं और इनके बीच भरोसे, झूठ, रणनीति और दिमागी खेल का मुकाबला देखने को मिलेगा। ‘द ट्रेटर्स तेलुगु’ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मशहूर फॉर्मेट का पहला तेलुगु एडिशन है। शो में चिन्मयी श्रीपदा, हर्ष वर्धन, प्रगति महावाड़ी, श्रीदेवी चौधरी, निखिल विजयेन्द्र सिम्हा, विद्या रमन, विष्णु ओई, श्राव्या वर्मा, डॉ. मेघनाथ रेड्डी, मोनीषा चौधरी, स्वीकर अगस्ती, आशिका पादुकोण, वर्षा डी‘सूज़ा, प्रणव उर्फ अभिनवकवि, एसएस वर्धन, राहत अचंता, गौरव सुनील, साई रोनक, पुष्पा धनंजय और फल्गुनी बागेड़ा नजर आएंगे। शो का हिस्सा बनने और इसे होस्ट करने को लेकर तेजा सज्जा ने कहा, ‘मेरे लिए यह बिल्कुल नया अनुभव है। मैं इस तरह के फॉर्मेट का हिस्सा बनने को लेकर काफी उत्साहित हूँ, क्योंकि यह मेरे अब तक के

काम से बिल्कुल अलग है। मुझे ऐसे फॉर्मेट वाले तेलुगु एडिशन का हिस्सा बनने का मौका पहली बार मिला है, जो दुनियाभर में काफी लोकप्रिय हो चुका है।’ तेजा ने कहा, ‘‘तेलुगु एंटरटेनमेंट के लिए यह एक बड़ा मौका है। शो सिर्फ एक लोकप्रिय इंटरनेशनल फॉर्मेट को तेलुगु दर्शकों के सामने नहीं ला रहा, बल्कि इसे स्थानीय दर्शकों के हिसाब से अपनी अलग पहचान और अंदाज भी दिया गया है। बतौर होस्ट की मेरे लिए यह खेल उतना ही अनपेक्षित है, जितना इसमें हिस्सा लेने वाले कंटेस्टेंट्स के लिए।’ तेजा ने आगे कहा, ‘‘शो में कंटेस्टेंट्स के बीच झूठ, माइंड गेम्स, अचानक बनने वाले गटजोड़ और लगातार एक-दूसरे पर शक करने का सिलसिला देखने को मिलेगा। हर कदम पर गेम बदल सकता है और किसी भी कंटेस्टेंट को यह भरोसा नहीं रहेगा कि सामने वाला वास्तव में उसके साथ है या उसके खिलाफ। अब मुझे इस बात का इंतजार है कि दर्शक इसमें शामिल कंटेस्टेंट्स से जुड़ें और गेम के आगे बढ़ने के साथ खुद भी अंदाजा लगाते रहें कि आखिर कौन किसके साथ है।’ ‘‘द ट्रेटर्स तेलुगु’ जल्द ही प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होने वाला है।

## मैं अपने हर किरदार में कुछ एक्स्ट्रा एलिमेंट कुछ नया जोड़ने की कोशिश करती हूँ

अवस्थी परिवार में आपका स्वागत है; जहां ड्रामा है, मस्ती है और सबसे बढ़कर एक डायन का राज है! अमेजन स्टूडियोज और कलर येलो की फिल्म ‘नई नवेली’ की कहानी एक जाने-पहचाने भारतीय परिवार की झलक देती है। कहानी में एक आम परिवार की दुनिया बेहद दिलचस्प तरीके से बदल जाती है, और फिर इसमें लार्जर देन लाइफ किरदारों, परिवार में होने वाले मजाक और ढेर सारे ट्विस्ट और टर्न के अलावा फैमिली डॉग के भी उस उथल पुथल में शामिल हो जाने की झलक मिलती है। फैमिली, कॉमेडी, फंटेसी, मिस्ट्री और एक्शन को एक साथ मिलाते हुए फिल्म दर्शकों के सामने एक साथ मस्ती, ह्यूमर, इमोशन और बहुत सारे दिलचस्प सरप्राइज लेकर आती है। फिल्म की कहानी भारतीय परिवार के जड़ों से जुड़ी हुई है, और इस तरह से ये दर्शकों को एक ऐसी दुनिया में लेकर जा रही है जिसे उन्होंने कभी नहीं देखा है। हर नई परत के खुलने के साथ नई नवेली फिल्म अपनी तरह की इकलौती लार्जर देन लाइफ बिग स्क्रीन

एडवेंचर बनकर इस दशहरा के मौके पर कुछ अलग देने का वादा करती है। कहानी के केंद्र में नेशनल अवॉर्ड विनर यामी गौतम धर मोहिनी के किरदार के साथ एक बेहद अलग अवतार में नजर आने वाली हैं। जबरदस्त लुक से लेकर बॉडी लैंग्वेज तक, उनकी कॉमिक बिट्स और एक्शन किरदार में सेंस ऑफ सरप्राइज लेकर आ रहे हैं। एक इवेंट में यामी ने अपने रोल के बारे में और उसकी तैयारी करने के प्रोसेस पर बात की कि कैसे उन्होंने मोहिनी को एक पूरी तरह से नई पर्सनालिटी बनाई है। उन्होंने साझा करते हुए कहा, हर रोल अपने साथ एक नए चैलेंज और डिमांड लाता है। जब भी कोई मुझसे किसी रोल की तैयारी के बारे में पूछता है, तब मैं उस याद में चली जाती हूँ, जब मेने पहली बार उस रोल के बारे में सुना या पढ़ा था। यामी ने कहा, तब आपको एहसास होता है कि मजा तो बहुत आ रहा है, लेकिन आपको बहुत सी चीजें भी सीखनी पड़ती हैं, जैसे रिक्ल्स, एक्शन, और बॉडी लैंग्वेज। यह ऐसा है जैसे आपको अपने सामने एक

पैरेलल पर्सनेलिटी बनानी है और फिर उसे अपनी स्क्रीन की तरह पहनना है, वही इंसान बनना है। आगे बात करते हुए वे कहती हैं, मैं ऐसी स्टूडेंट हूँ जो हमेशा सोचती रहती हूँ कि तैयारी में कहीं कुछ कमी तो नहीं रह गई। मेरा मानना है कि आप जितनी बार स्क्रिप्ट पढ़ते हैं, उतना ही आपको अपने किरदार या कहानी में कुछ नया जोड़ने का मौका मिलता है। फिल्म की नब्ज समझना बहुत जरूरी है। मोहिनी उसी तरह नहीं हंसेंगी, जैसे मैंने अपनी दूसरी फिल्मों में निभाए किरदारों में हंसी है। मैं अपने हर किरदार में कुछ एक्स्ट्रा एलिमेंट, कुछ नया जोड़ने की कोशिश करती हूँ, ताकि ऑडियंस को भी उसे देखने में मजा आए। यामी गौतम धर स्टारर इस फिल्म को बालाजी मोहन ने डायरेक्ट किया है, जबकि इसकी कहानी हिमांशु शर्मा और दिव्य निधि शर्मा ने लिखी है। फिल्म में अड्विनाथ एम. कोठारे, अनुराग ठाकुर, सुनीता राजवार, मीता वशिष्ठ, आदित्य कुलश्रेष्ठ, सुस्मिता मुखर्जी और प्रतीक पचौरी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।



